कोयलांचल संवाद

हिंदी दैनिक

www.ksnewsupdates.com धनबाद, मंगलवार 05 अगस्त, 2025 , वर्ष : 34 अंक : 131, मूल्य : 3 रूपए

धनबाद एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

YouTube Subscribe

Koylanchal sambad news

झारखण्ड सरकार

सत्यमेव जयते

GOVERNMENT OF JHARKHAND

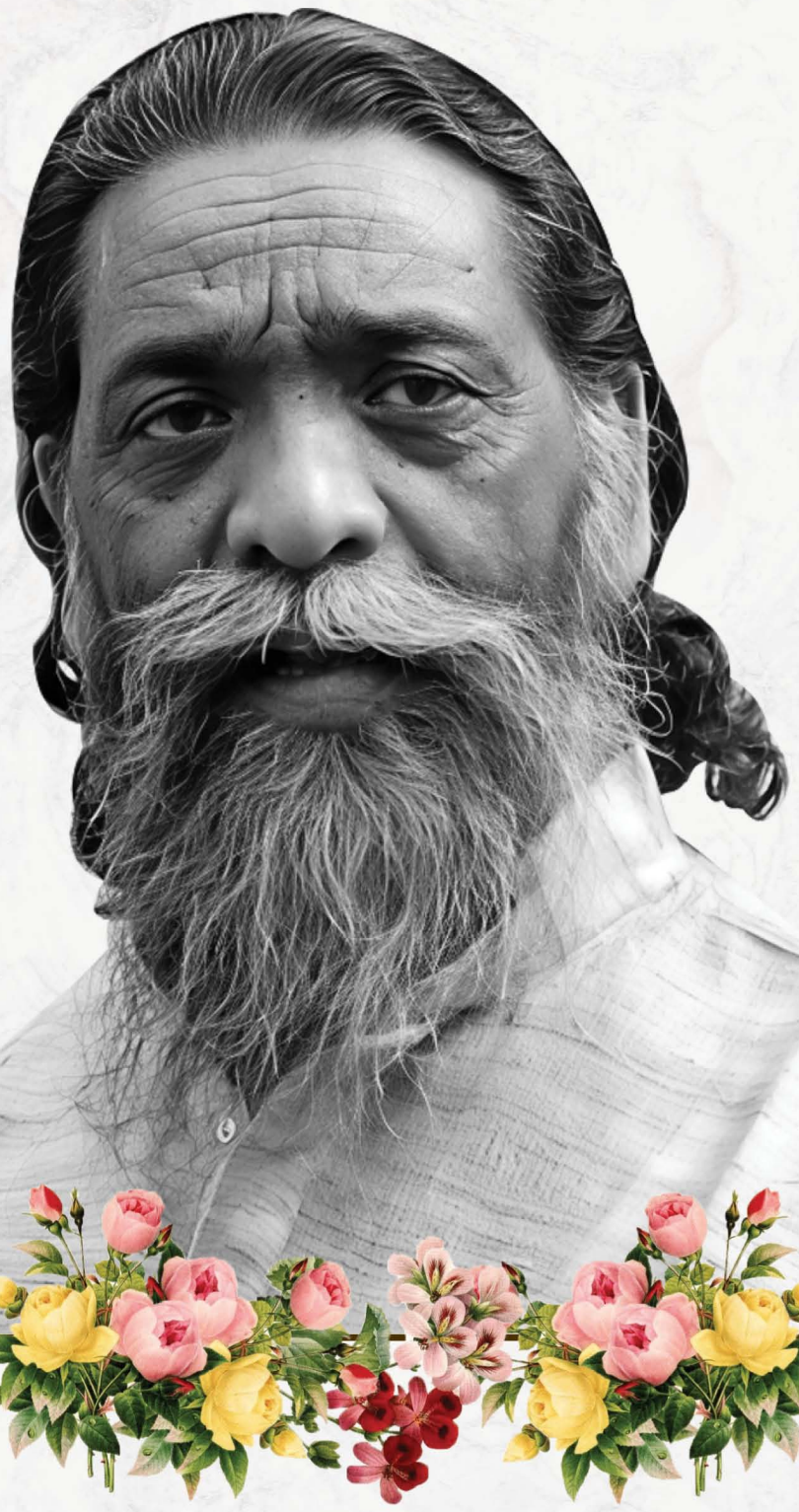

जन्म- 11 जनवरी 1944

मृत्यु- 04 अगस्त 2025

विनम्र श्रद्धांजलि

दिशोम गुरु शिबू सोरेन

समस्त राज्यवासियों की तरफ से

हूल जोहार

प्रात: 9.00 बजे विधानसभा में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी जाएगी

अंतिम संस्कार - पैतृक गाँव नेमरा, रामगढ़ में

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

PR No. 358880 (IPRD) 2025-26

संक्षिप्त खबरें

इलाजरत मंत्री रामदास सोरेन के लिए जाहेरथान में हुई पूजा

पूर्वी सिंहभूम(ईएमएस)।झारखंड के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन गंभीर स्थिति में दिल्ली के अपोलो हॉस्पिटल में भर्ती हैं। जमशेदपुर के घोड़ाबांधा के ग्रामीणों ने जाहेरथान में पूजा-अर्चना कार रामदास सोरेन लंबी उम्र व जल्द स्वस्थ होने की कामना की। नायके बाबा विक्टर सोरेन ने पारंपरिक रीति-रिवाज से पूजन-अनुष्ठान कराए।मरांगबुरू, जाहेरआयो, लिटा-मोणे व तुरूईको का आह्वान कर रामदास सोरेन के जल्द स्वस्थ होकर लौटने के लिए प्रार्थना की।ग्रामीणों ने अपने इष्ट देवता से कहा कि वे रामदास सोरेन को सकुशल देखना चाहते हैं। वे क्षेत्र समेत पूर झारखंड के लोगों की उन्नति व प्रगति के लिए प्रयासरत रहते हैं। नायके बाबा विक्टर सोरेन ने कहा कि उन्हें अपने इष्ट देवी-देवताओं में पूरी आस्था है।वे रामदास सोरेन को जल्द स्वस्थ कर जनता की सेवा के लिए सकुशल भेजेंगे। पूजा-अर्चना में राम टुडू, दुबराज बास्के, सरकार मार्डी, जीतू मुर्मू, बंसी बेसरा, जगदीश बास्के, कांतो मुर्मू समेत काफी संख्या में ग्रामीण शामिल थे।

पत्नी से झगड़े के बाद युवक ने कुएं में कूद कर दे दी जान

लातेहार(ईएमएस)।लातेहार जिले के छिपादोहर थाना क्षेत्र की हरातू पंचायत के एक युवक रतन सिंह ने कुएं में कूदकर जान दे दी। पत्नी के साथ किसी बात पर उसका झगड़ा हुआ था।वह नशे में था। तैश में आकर उसने कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली।घटना रविवार की बताई जाती है। छिपादोहर थाना की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद सोमवार को शव परिजनों को सौंप दिया गया।मुखिया प्रतिनिधि जनेश्वर सिंह ने बताया कि शनिवार की रात रतन सिंह का अपनी पत्नी के साथ किसी बात को लेकर विवाद हुआ था।वह नशे की हालत में था और उसने अपनी पत्नी के साथ दुर्व्यवहार भी किया। पत्नी के संवेदनशील अंगों पर हमला कर घर से फरार हो गया।ग्रामीणों ने उसे पकड़कर उसे पुलिस के हवाले करने की योजना था बनाई थी, लेकिन डर के मारे उसने अपने घर के कुएं में छलांग लगा दी।ग्रामीणों ने उसे बचाने का भरपूर प्रयास किया, लेकिन नशे की हालत में होने के कारण वह डूब गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि यूडी केस दर्ज कर लिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण का पता चल सकेगा।

दिशोम गुरु के निधन पर भाकपा ने जताया शोक, बताया अपूरणीय क्षति

रांची(ईएमएस)।शिबू सोरेन के निधन पर सभी शोक संतप्त है। हर ओर से शोक संदेश आ रहे हैं।भाकपा ने भी गुरू जी को श्रद्धांजलि दी है. झारखंड आंदोलन के पुरोधा, पूर्व मुख्यमंत्री और झामुमो के संस्थापक संरक्षक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने गहरा शोक व्यक्त किया है। पार्टी ने इसे झारखंड की अपूरणीय क्षति करार देते हुए कहा कि गुरुजी का जाना शोषितों, दलितों और आदिवासियों की एक मजबूत आवाज का खामोश हो जाना है।भाकपा राज्य कार्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में पार्टी के राज्य सचिव महेंद्र पाठक, राष्ट्रीय परिषद सदस्य पीके पांडे, जिला सचिव अजय कुमार सिंह, वरिष्ठ नेता बाबूलाल झा, प्रो. अली अंसारी, इम्तियाज खान, मजदूर नेता लालदेव सिंह और सुनील शाह समेत कई नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।सभा में उपस्थित लोगों ने गुरुजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और यह संकल्प लिया कि उनके अधूरे सपने जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी लगातार संघर्ष करेगी। यही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

गुरुजी के निधन पर समाहरणालय में शोकसभा

लातेहार(ईएमएस)।झारखंड आंदोलन के महानायक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से लातेहार जिला वासी मर्माहत हैं. जिला समाहरणालय सभागार में सोमवार को शोक सभा का आयोजन किया गया। शोकसभा में पदाधिकारियों व कर्मियों ने दो मिनट का मौन रखकर गुरुजी की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और श्रद्धांजलि दी। डीसी उत्कर्ष गुप्ता ने कहा कि दिशोम गुरु का जीवन संघर्ष से भरा रहा। वे आदिवासी समाज के अधिकार व सम्मान के लिए समर्पित रहे।उन्होंने झारखंड राज्य की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
उनका निधन संपूर्ण राज्य के लिए अपूरणीय क्षति है।इस अवसर पर डीडीसी सैयद रियाज अहमद, आईटीडीए निदेशक प्रवीण कुमार गगराई, अपर समाहर्ता रामा रविदास समेत जिला स्तरीय कई पदाधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति एवं परिजनों को इस दुःख की घड़ी में संबल प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

फिल्म हीरोपंती के विलेन रांझा विक्रम सिंह चेक बाउंस केस में दोषी करार

रांची(ईएमएस)।बॉलीवुड एक्टर रांझा विक्रम सिंह को रांची सिविल कोर्ट ने चेक बाउंस मामले में दोषी करार दे दिया है। सिविल कोर्ट की ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट दिव्या राघव की कोर्ट ने विक्रम रांझा को एक करोड़ रुपए निलोय कुमार झा को देने का आदेश दिया है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि यदि रांझा विक्रम सिंह एक करोड़ रुपए का भुगतान नहीं करते तो उन्हें एक वर्ष सश्रम कारावास की सजा होगी।एक्टर रांझा विक्रम सिंह बॉलीवुड के अलावा कई तेलगु और पंजाबी मूवी में भी काम कर चुके हैं। बॉलीवुड की हिट फिल्म हीरोपंती में इन्होंने विलेन का किरदार निभाया था। शिकायतकर्ता निलोय कुमार झा के मुताबिक रांझा विक्रम सिंह ने बॉलीवुड मूवी फौजी कॉलिंग बनाने के नाम पर दो करोड़ 6 लाख रुपया लिया था।पैसे की लेनदेन साल 2019 में हुई थी।पैसे की मांग करने पर रांझा विक्रम सिंह ने 1 करोड़ का चेक शिकायतकर्ता को दिया था जो बाउंस हो गया किया।जिसके बाद साल 2021 में शिकायतकर्ता ने एक्टर के खिलाफ चेक बाउंस का मामला दर्ज कराया था।

शिबू सोरेन को दी गई श्रद्धांजलि भारत रत्न देने की उठी मांग

गिरिडीह(ईएमएस)।दिशुम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर गिरिडीह में शोक की लहर व्याप्त है। गिरिडीह समाहरणालय में डीसी राम निवास यादव और पुलिस अधीक्षक डॉ विमल कुमार की अगुवाई में कर्मचारियों और अधिकारियों ने दो मिनट का मौन रख कर आत्म की शांति के लिए श्रद्धांजलि व्यक्त की गई। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार राज ने भी गुरु जी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा है कि झारखंड निर्माण से लेकर दलित शोषितों और खास करके आदिवासियों के लिए उनका संघर्ष प्रेरणा दाई है। श्री राज ने उनके संघर्ष को देखते हुए मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग की है।झामुमो कार्यालय गिरिडीह में भी शिबू सोरेन को कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि दी है। कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

झारखंड विस मॉनसून सत्र : सदन की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित

रांची(ईएमएस)।दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद विधानसभा में चल रहे मॉनसून सत्र की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई।सोमवार को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही स्पीकर रवींद्रनाथ महतो ने अपने शोक संदेश में कहा कि आज का ये दिन हम सभी के लिए अत्यंत दुख और शोक का दिन है।
रवींद्र महतो ने आगे कहा कि झारखंड के महान नेता, मार्गदर्शक, झारखंड आंदोलन के पुरोधा, पूर्व सीएम, पूर्व केंद्रीय मंत्री और वर्तमान राज्यसभा सांसद गुरुजी का सोमवार की सुबह स्वर्गवास हो गया। वे झारखंड के वंचित समाज को अंधकार से निकालकर हक हकुक के प्रकाश से उज्जवल करने वाले शिबू सोरेन का नहीं रहना झारखंड ही नहीं संपूर्ण भारत की अपूरणीय छती है।स्पीकर ने कहा कि राजनीतिक और सामाजिक जगत में अन्याय के खिलाफ वे जाने जाते थे. हम बहुत दुखित हैं कि बाबा नहीं रहे। इसके बाद स्पीकर ने सदन की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई।इस दौरान सदन शिबू सोरेन अमर रहे के नारे से गूंज उठा।

कांग्रेस नेता अब सबूत गायब होने की कर रहे बात, राहुल गांधी उलझन में!

5 अगस्त को चुनाव में फर्जीवाड़े की पोल खोलने वाले हैं नेता प्रतिपक्ष

नई दिल्ली,(ईएमएस)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी अपनी ही पार्टी के एक नेता के कारण फंसते नजर आ रहे हैं। नेता ने राहुल गांधी को चिट्ठी लिखकर लोकसभा चुनाव में फर्जीवाड़े के सबूत देने की बात कही थी, अब उनके ही पास वह सबूत ही नहीं हैं। इस नेता के कथित सबूतों के आधार पर राहुल गांधी बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में पांच अगस्त को एक बड़े विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने जा रहे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार की पोल खोलने का दावा किया, लेकिन अब जिन सबूतों की बात की गई थी, वह गुम हो गए हैं। बता दें कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री एच नागेश ने दावा किया था कि उनके पास कर्नाटक में चुनावी धांधली के ठोस सबूत हैं, लेकिन अब नागेश ने कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को पत्र लिखकर अप्रैल 2023 में जमा की गई शिकायत की प्रति मांगी, जिसमें उन्होंने महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची में फर्जी एंट्री का आरोप लगाया था, लेकिन चुनाव आयोग ने कह दिया है कि उन्होंने कोई ऐसी जानकारी दी ही नहीं। उधर, एच नागेश कह रहे कि उन्होंने कागज तो चुनाव आयोग को दिया था, लेकिन चुनाव आयोग अब कह रहा कि वह गायब हो गए हैं।

जानकारों का कहना है कि इससे साफ हो गया कि जिन फर्जी सबूतों की बात की जा रही थी, वो हैं ही नहीं और अब चुनाव आयोग पर ठीकरा फोड़ा जा रहा है। बता दें नागेश ने 31 जुलाई 2025 को लिखे पत्र में दावा किया था कि उन्होंने 2023 विधानसभा चुनावों से पहले फर्जी वोटर एंट्रीज़ की सूची पेश की थी, लेकिन अब उसकी कोई प्रति उनके पास नहीं है। इस मामले में कर्नाटक सीईओ कार्यालय ने 2 अगस्त को जवाब दिया कि उनके पास अप्रैल 2023 का कोई रिकॉर्ड नहीं है। संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि वैधानिक मतदाता सूची ऑनलाइन उपलब्ध है और चुनाव के दौरान नागेश समेत सभी प्रत्याशियों को दी गई थी।
उन्होंने यह भी साफ किया कि नागेश ने जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत कोई अपील या याचिका दायर नहीं की, जो इस दावे की गंभीरता पर सवाल उठाता है। यह घटनाक्रम राहुल गांधी के लिए मुश्किल पैदा कर सकता है, जो 5 अगस्त को बेंगलुरु में चुनाव आयोग और बीजेपी के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे। नागेश को बीजेपी की एस मंजुला ने 44 हजार वोटों से हराया था। अब गायब दस्तावेजों का बहाना उनकी रणनीति को कमजोर करता है।
कांग्रेस का आरोप है कि बीजेपी ने मतदाता सूची में हेरफेर कर जीत हासिल की, लेकिन बिना सबूत के यह दावा हवा में लटक रहा है। सीईटो का जवाब साफ करता है कि कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं थी और ऑनलाइन उपलब्ध डेटा से जांच संभव थी, जिसे नागेश ने नहीं किया। राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में अब उनकी विश्वसनीयता दांव पर होगी। यदि वे सबूत पेश नहीं कर पाते, तो यह प्रदर्शन सियासी नौटंकी बन सकता है। दूसरी ओर बीजेपी इसे कांग्रेस की हताशा बता रही है। नागेश का गायब दस्तावेजों का दावा अब राहुल के लिए एक बड़ा सिरदर्द बन गया है।

भारी बारिश का कहर: यूपी के 17 जिलों में बाढ़, बिहार में बिजली गिरने से 6 की मौत

अब तक 275 की गई जान

नई दिल्ली,(ईएमएस)। देश के कई हिस्सों में जारी भारी बारिश ने सामान्य जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश में हालात गंभीर बने हुए हैं, जबकि देशभर में मानसून इस बार सामान्य से 4प्रतिशत अधिक सक्रिय रहा है।
उत्तर प्रदेश के 17 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। लखनऊ, अयोध्या और अंबेडकरनगर में स्कूलों को बंद कर दिया गया है। बीते 24 घंटे में प्रदेश में बारिश संबंधी घटनाओं में 12 लोगों की जान चली गई है।
वाराणसी और प्रयागराज में गंगा का

जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है। वाराणसी के 84 घाट जलमग्न हो गए हैं और एक लाख से अधिक घरों में पानी भर गया। प्रयागराज की सड़कों पर नावों का संचालन शुरू कर दिया गया है, और हजारों लोग अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर शरण ले चुके हैं। बताया जा रहा है कि 1978 के हालात न बनने पाएं इसलिए सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं।
मध्य प्रदेश में भी बारिश का कहर जारी है। बताया जा रहा है कि 16 जून को मानसून की शुरुआत के बाद से अब तक 275 लोगों की मौत बारिश और बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में हो चुकी है। कई नदियां और नाले उफान पर हैं।
बिहार में भी हालात चिंताजनक बने हुए हैं। बीते 24 घंटे में बिजली गिरने से 6 लोगों की मौत हो गई है। पटना समेत सभी 38 जिलों में सोमवार को बारिश और वज्रपात को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने 30-40 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाओं और बिजली गिरने की आशंका जताई है।

तिरंगे की शान में 8 साल से समर्पित, खरगोन के पारस पटवा ने कायम की अनूठी मिसाल

खरगोन/इंदौर (ईएमएस)। केंद्र और राज्य शासन द्वारा चलाए जा रहे हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान के बीच खरगोन शहर के एक नागरिक, पारस पटवा, राष्ट्रीय ध्वज के प्रति अपने अनूठे प्रेम और जज्बे की मिसाल बन गए हैं। पिछले 8 वर्षों से वे हर दिन बस स्टैंड स्थित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. गजानंद सोनी की प्रतिमा पर तिरंगा फहराते आ रहे हैं। उनकी इस अटूट लगन का एक उदाहरण तब देखने को मिला जब वे अपने इलाज के लिए अहमदाबाद निकले। उन्होंने अपनी अनुपस्थिति में भी इस परंपरा को टूटने नहीं दिया और अपनी दुकान के कर्मचारी, 42 वर्षीय इशाक खान को यह जिम्मेदारी सौंपी। 70 वर्षीय पारस पटवा का मानना है कि यह तिरंगे के प्रति उनके सम्मान का प्रतीक है, न कि किसी दिखावे का। पारस पटवा की एक और अनूठी पहल है, जिसके जरिए वे देशभक्ति की भावना को और भी फैला रहे हैं। उन्होंने एक डायरी में अपने परिचितों के जन्मदिन दर्ज किए हैं और वे उनके जन्मदिन पर उन्हें झंडा फहराने का अवसर देते हैं। गत माह 22 जुलाई को उन्होंने यह अवसर प्रमिला जैन को दिया था। अब तक वे 8 नागरिकों के हाथों तिरंगा लहरा चुके हैं। पारस पटवा जैसे सजग नागरिकों से ही हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता जैसे अभियानों को बल मिलता है। उनका मानना है कि हर घर में तिरंगा लगाना हमारा अधिकार है और हर घर को स्वच्छ रखना हमारा कर्तव्य। उनकी यह जीवनशैली शासन के अभियानों को एक नई दिशा प्रदान करती है।

अल्ट्राटेक के वाटरशेड प्रोजेक्ट से नीमच में बढ़ी जैव विविधता

ग्रामीण आजीविका को मिली रफ्तार

नीमच/इंदौर (ईएमएस)। भारत की सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड के नीमच स्थित विक्रम सीमेंट वर्क्स द्वारा चलाए जा रहे कम्युनिटी वाटरशेड प्रोजेक्ट से क्षेत्र में जैव विविधता और ग्रामीण आजीविका में सकारात्मक बदलाव देखने को मिले हैं। हाल ही में नीमच जिले के चिताखेड़ा क्षेत्र में कराई गई एक जैव विविधता स्टडी में पाया गया कि जल उपलब्धता बढ़ने से यहाँ हरियाली में वृद्धि हुई है। इसकी बदौलत अब यहाँ रेड वॉटल लैपविंग, ग्रे फ्रैंकोलिन और व्हाइट-थ्रोटेड किंगफिशर जैसी 20 से अधिक पक्षियों की प्रजातियाँ देखी गई हैं। साथ ही, चेक डैम्स से बने जलाशय अब नीलगाय, गोल्डन सियार और जंगली बिल्ली जैसे जीवों के लिए भी एक आश्रय स्थल बन चुके हैं। यह प्रोजेक्ट वर्ष 2010 में शुरू हुआ था, जिसे अल्ट्राटेक ने मध्यप्रदेश सरकार के साथ पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल में लागू किया। इसके अंतर्गत चेनपुरा, पिपल्या जागीर सहित पाँच गांवों में 67 वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर, जैसे चेक डैम्स और फार्म पॉन्ड्स का निर्माण किया गया। इन प्रयासों का उद्देश्य जल संकट, भूजल स्तर में गिरावट और वन कटाई जैसी समस्याओं को हल करना था। इस पहल से स्थानीय आजीविका पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। मिट्टी की उर्वरता और जल धारण क्षमता में सुधार से किसान अब रबी और उच्च मूल्य वाली फसलें जैसे लहसुन, गेहूं, मेथी और अजवाइन उगा पा रहे हैं। टिकाऊ कृषि तकनीकों के सामुदायिक प्रशिक्षण से जंगलों पर निर्भरता घटी है। वर्ष 2019 से इन गांवों के निवासियों ने प्रोजेक्ट का पूरा स्वामित्व ले लिया है। विक्रम सीमेंट वर्क्स के यूनिट हेड अवासा मिश्रा ने कहा, यह देखकर संतोष होता है कि वाटरशेड प्रोजेक्ट की वर्षों की मेहनत रंग लाई है और यह न केवल सामुदायिक खुशहाली, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन को भी बढ़ावा दे रहा है।

दिल्ली से सटे ग्रामीण इलाकों में ड्रोन वाली दहशत, लाठी-डंडे लेकर गलियों में रातभर गश्त दे रहे ग्रामीण

नई दिल्ली,(ईएमएस)। दिल्ली से सटे ग्रामीण इलाकों गाजियाबाद और पश्चिमी यूपी के एनसीआर क्षेत्रों में, इन दिनों लोग ड्रोन वाली दहशत में जी रहे हैं। ग्रामीणों को आशंका है कि चोर ड्रोन का इस्तेमाल रेकी करने और चोरी की वारदातों को अंजाम देने के लिए कर रहे है। इसी डर के कारण ग्रामीण रातभर जागकर अपने गांवों की गलियों में गश्त कर रहे हैं। वे लाठी-डंडे लेकर सड़कों पर दिखाई देते हैं और किसी भी अंजान व्यक्ति से पूछताछ कर रहे हैं। संदिग्ध मिलने पर पुलिस के हवाले करने के निर्देश भी दिए गए हैं।
मोदीनगर, मुरादनगर, निवाड़ी और भोजपुर थानाक्षेत्र के कई गांवों में स्थिति देखी जा रही है। इसमें बिखोखर, सीकरी खुर्द, मानकी, शाहजहांपुर, तहलेटा, भोजपुर, फजलगढ़, कलछीना, ईशापुर, नाहली, फरीदनगर, ग्यासपुर, कुम्हैड़ा, खिदौड़ा, निवाड़ी, सारा, पैंगा, सुहाना, भनेड़ा, रावली कलां, सुराना, सुठारी, नेकपुर, खैराजपुर, सरना और पाइपलाइन मार्ग के गांव शामिल हैं।
ग्रामीणों ने गांवों में ड्यूटी प्वाइंट बना रखे हैं, जहां हर प्वाइंट पर तीन से चार लोग ड्यूटी देते हैं। सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए उन्होंने व्हाट्सएप ग्रुप भी बनाए हैं, ताकि किसी भी आहट पर तुरंत एक-दूसरे को सूचित कर सकें और एक जगह इकट्ठा हो सकें। इस मामले में पुलिस ग्रामीणों से लगातार संवाद कर रही है और उन्हें अफवाहों से दूर रहने की अपील कर रही है। एसीपी मोदीनगर ने भोजपुर और निवाड़ी थाना क्षेत्रों में संवाद कार्यक्रम आयोजित कर लोगों से मारपीट न करने को भी कहा है। पुलिस के आला अधिकारी ने बताया कि ड्रोन उड़ाने के लिए पुलिस की अनुमति लेनी पड़ती है और अभी तक ड्रोन उड़ने का एक भी मामला सामने नहीं आया है। उनका कहना है कि ग्रामीणों के बीच अफवाहें अधिक फैल रही हैं। पुलिस ने रात्रि गश्त बढ़ा दी है और अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है. बीट कांस्टेबल को भी लोगों से लगातार संवाद करने के निर्देश दिए गए हैं।

शिबू सोरेन और इंदिरा गांधी : एक जटिल राजनीतिक रिश्ते की कहानी

रांची(ईएमएस)।शिबू सोरेन और इंदिरा गांधी, दो ऐसे नाम हैं, जिन्होंने भारतीय राजनीति में अपनी गहरी छाप छोड़ी। शिबू सोरेन, जिन्हें दिशोम गुरु के रूप में जाना जाता है, झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक और आदिवासी आंदोलन के प्रखर नेता रहे।जबकि इंदिरा गांधी भारत की पहली और एकमात्र महिला प्रधानमंत्री थीं, जिन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को मजबूती प्रदान की। इन दोनों नेताओं के बीच का रिश्ता, जो 1970 और 1980 के दशक में उभरा, न केवल राजनीतिक, बल्कि सामाजिक और क्षेत्रीय आंदोलनों के संदर्भ में भी महत्वपूर्ण था। 1970 का दशक भारत के लिए एक उथल-पुथल भरा समय था। इंदिरा गांधी 1966 से 1977 तक और फिर 1980 से 1984 तक भारत की प्रधानमंत्री रहीं।उन्होंने कई सामाजिक और आर्थिक सुधारों को लागू किया। साथ ही आपातकाल (1975-1977) जैसे विवादास्पद निर्णय भी लिए।दूसरी ओर, शिबू सोरेन ने 1973 में झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना की, जिसका मुख्य उद्देश्य तत्कालीन बिहार के झारखंड क्षेत्र में आदिवासियों और मूलवासियों के अधिकारों की रक्षा करना और अलग झारखंड राज्य की मांग को मजबूत करना था।इन दोनों नेताओं का पहला संपर्क तब हुआ, जब झारखंड आंदोलन अपने चरम पर था।शिबू सोरेन का आंदोलन आदिवासियों के शोषण, उनकी जमीनों पर गैर-आदिवासियों के अतिक्रमण और औद्योगिक विकास के नाम पर विस्थापन जैसे मुद्दों पर केंद्रित था।इंदिरा गांधी, जो केंद्र में सत्तारूढ़ थीं, क्षेत्रीय आंदोलनों को समझने और उन्हें अपने पक्ष में करने की रणनीति अपनाती थी। यहीं से शिबू सोरेन और इंदिरा गांधी के बीच एक जटिल रिश्ते की शुरुआत हुई। 1970 के दशक में झामुमो का आंदोलन तेजी से लोकप्रिय हो रहा था। शिबू सोरेन ने आदिवासी समुदायों को संगठित कर एक मजबूत जनाधार तैयार किया था।इंदिरा गांधी ने इस आंदोलन की ताकत को पहचाना और इसे अपने राजनीतिक लाभ के लिए उपयोग करने की कोशिश की।1977 के लोकसभा चुनाव में, जब आपातकाल के बाद कांग्रेस को भारी हार का सामना करना पड़ा, इंदिरा गांधी ने क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन की रणनीति

अपनाई। झामुमो, जो उस समय तक एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय शक्ति बन चुका था, इंदिरा के लिए एक संभावित सहयोगी था।शिबू सोरेन और इंदिरा गांधी के बीच सहयोग का एक प्रमुख उदाहरण 1980 के लोकसभा चुनाव में देखा गया। इस समय तक शिबू सोरेन दुमका से पहली बार सांसद चुने गए थे।इंदिरा गांधी ने झामुमो के साथ गठजोड़ की संभावनाएं तलाशीं, क्योंकि झारखंड क्षेत्र में कांग्रेस का प्रभाव कम हो रहा था।शिबू सोरेन ने भी इस गठबंधन को स्वीकार किया, क्योंकि केंद्र सरकार का समर्थन उनके आंदोलन को और मजबूती दे सकता था। इस गठजोड़ ने झामुमो को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई और शिबू सोरेन को दिल्ली की राजनीति में एक नई पहचान मिली।शिबू सोरेन और इंदिरा गांधी का रिश्ता हमेशा सहज नहीं रहा। झामुमो का मूल उद्देश्य अलग झारखंड राज्य की मांग थी, जो केंद्र सरकार के लिए एक संवेदनशील मुद्दा था।इंदिरा गांधी ने इस मांग को कभी भी स्पष्ट रूप से समर्थन नहीं दिया, क्योंकि इससे बिहार जैसे बड़े राज्य का विघटन हो सकता था, जो कांग्रेस के लिए एक महत्वपूर्ण राजनीतिक आधार था।इस मुद्दे पर दोनों नेताओं के बीच तनाव रहा।1975 में आपातकाल के दौरान शिबू सोरेन की आंदोलनकारी गतिविधियों पर सख्ती बरती गई। झामुमो के कई कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया और शिबू सोरेन को भी सरकारी दबाव का सामना करना पड़ा।चिरूडीह नरसंहार (1975) जैसे विवादों ने उनके और केंद्र सरकार के बीच तनाव को और बढ़ा दिया। हालांकि इंदिरा गांधी ने शिबू सोरेन को पूरी तरह से अलग-थलग करने की बजाय, उन्हें अपने पक्ष में रखने की रणनीति अपनाई।1980 में सत्ता में वापसी के बाद, इंदिरा गांधी ने शिबू सोरेन के साथ संवाद को बनाए रखा। उन्होंने आदिवासी समुदायों के लिए कुछ कल्याणकारी योजनाएं शुरू की, जो झामुमो के एजेंडे से मेल खाती थीं। लेकिन अलग झारखंड राज्य की मांग पर उनकी चुप्पी ने शिबू सोरेन और उनके समर्थकों में असंतोष पैदा किया।व्यक्तिगत और राजनीतिक रिश्ते
शिबू सोरेन और इंदिरा गांधी के बीच का रिश्ता पूरी तरह से रणनीतिक था। इंदिरा गांधी के लिए, शिबू सोरेन एक क्षेत्रीय नेता थे, जिनके माध्यम से झारखंड जैसे आदिवासी बहुल क्षेत्र में कांग्रेस का प्रभाव बढ़ाया जा सकता था।दूसरी ओर, शिबू सोरेन ने इंदिरा गांधी के समर्थन का उपयोग झामुमो को राष्ट्रीय मंच पर स्थापित करने और अपने आंदोलन को मजबूत करने के लिए किया।यह भी उल्लेखनीय है कि शिबू सोरेन ने कभी भी कांग्रेस में शामिल होने का फैसला नहीं किया। वे हमेशा झामुमो की स्वतंत्र पहचान को बनाए रखने के पक्षधर रहे। फिर भी 1980 के दशक में जेएमएम और कांग्रेस के बीच कई मौकों पर सहयोग देखा गया, खासकर चुनावी गठजोड़ के रूप में।शिबू सोरेन और इंदिरा गांधी के रिश्ते का सबसे बड़ा प्रभाव यह रहा कि झामुमो को राष्ट्रीय स्तर पर एक पहचान मिली। इंदिरा गांधी की मृत्यु (1984) के बाद भी, झामुमो ने कांग्रेस के साथ समय-समय पर गठबंधन बनाए रखा।2000 में जब झारखंड एक अलग राज्य बना, तो शिबू सोरेन और झामुमो की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हालांकि इंदिरा गांधी ने अलग झारखंड की मांग का समर्थन नहीं किया, लेकिन उनके द्वारा शुरू किए गए आदिवासी कल्याण कार्यक्रमों ने झारखंड आंदोलन को अप्रत्यक्ष रूप से बल दिया।

कोयलांचल संवाद

हिंदी दैनिक

www.ksnewsupdates.com धनबाद, मंगलवार 05 अगस्त, 2025 , वर्ष : 34 अंक : 131, मूल्य : 3 रूपए

धनबाद एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

YouTube Subscribe Koylanchal sambad news

नहीं रहे दिशोम गुरु

संघर्षशील और जुझारू सख्शियत थे शिबू सोरेन

1944 - 2025

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन का निधन नई दिल्ली स्थित सर गंगाराम अस्पताल में इलाज के दौरान हो गया। वे लंबे समय से बीमार थे। गुरूजी ने 81 वर्ष की आयु में अंतिम सांसें ली। झारखंड के मुख्यमंत्री और शिबू सोरेन के बेटे हेमंत सोरन ने सोमवार को उनकी मृत्यु की जानकारी दी।

रांची(ईएमएस)। झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक और तीन बार मुख्यमंत्री रहे शीबू सोरेन का 81 साल की आयू में निधन हो गया। उन्होंने दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में अंतिम सांस ली। इससे पहले वे किडनी की समस्या से जूझ रहे थे और बीते एक माह से अस्पताल में भर्ती थे। उनके निधन की खबर मिलते ही झारखंड से लेकर दिल्ली तक शोक की लहर दौड़ गई और कई दिग्गज नेताओं ने उन्हे विनम्र श्रृद्धांजलि देते हुए उन्हे एक सच्चा समाज सेवी की संज्ञा दी है साथ कहा है कि गरीब आदिवासियों के हक की लड़ाई लड़ने वाला नेता खो दिया है।

शिबू सोरेन पिछले कई वर्षों से बीमार चल रहे थे और उन्हें जून के आखिरी सप्ताह में गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बीते कुछ दिनों से उनकी हालत नाजुक बनी हुई थी और वह वेंटिलेटर सपोर्ट पर थे। उनके निधन की जानकारी के बाद पूरे झारखंड में शोक की लहर दौड़ गई है। शिबू सोरेन के पुत्र और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद दिल्ली में मौजूद हैं और अस्पताल में ही थे जब उन्होंने अपने पिता को खो दिया। शिबू सोरेन के निधन की खबर फैलते ही पूरे झारखंड में शोक की लहर दौड़ गई है। राजनीतिक और सामाजिक संगठनों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है। गुरुजी का जाना झारखंड की राजनीति के एक युग का अंत है। उनके योगदान को आने वाली पीढ़ियां हमेशा याद रखेंगी।

आंदोलन के अगुवा शीबू सोरेन

शिबू सोरेन को झारखंड में 'गुरुजी' के नाम से जाना जाता था। वे झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक नेताओं में से एक थे और आदिवासी अधिकारों की लड़ाई में अग्रणी भूमिका निभाई थी। उन्होंने अलग झारखंड राज्य की मुहिम को नेतृत्व दिया और तीन बार राज्य के मुख्यमंत्री भी बने। उनके नेतृत्व में झारखंड मुक्ति मोर्चा ने आदिवासी इलाकों में सामाजिक और राजनीतिक चेतना का अभियान चलाया और राज्य को अलग पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई। देशभर में 'दिशोम गुरु' और 'गुरुजी' के नाम से पहचान बनाने वाले शिबू सोरेन एक संघर्षशील और जुझारू सख्शियत थे। शिबू सोरेन का जन्म रामगढ़ जिले के नेमरा गांव में एकीकृत बिहार में 11 जनवरी 1944 को हुआ था। वे संथाल जनजाति से थे। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा रामगढ़ जिले में पूरी की। स्कूली शिक्षा के दौरान उनके पिता की हत्या साहूकारों द्वारा करवा दी गयी थी। शिबू सोरेन की पत्नी का नाम रूपी सोरेन है। उनके तीन पुत्र दुर्गा सोरेन, हेमंत सोरेन और बसंत सोरेन और एक पुत्री अंजलि सोरेन हैं। उनके मंझले पुत्र हेमंत सोरेन वर्तमान में झारखंड के मुख्यमंत्री हैं।

गुरूजी वर्ष 1977 में अपना पहला लोकसभा चुनाव हार गए थे। वे पहली बार वर्ष 1980 में दुमका से लोकसभा के लिए चुने गए। इसके बाद वे वर्ष 1989, 1991 और 1996 में भी लोकसभा के लिए चुने गए। वर्ष 2002 में वे राज्यसभा के लिए चुने गए। उन्होंने उसी साल दुमका लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव में जीत हासिल की और राज्यसभा सीट से इस्तीफा दे दिया। वे वर्ष 2004 में फिर से लोकसभा सदस्य के रूप में चुने गए।

शिबू सोरेन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार में केंद्रीय कोयला मंत्री बने, लेकिन तीस साल पुराने चिरुडीह मामले में उनके नाम पर गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बाद उन्हें इस्तीफा देने के लिए कहा गया। वे 69 आरोपियों में से एक मुख्य आरोपी थे, जिन पर 23 जनवरी 1975 को आदिवासियों और मुसलमानों के बीच झड़प में 10 लोगों (9 मुस्लिम समुदाय के लोगों सहित) की हत्या का आरोप था।

वारंट जारी होने के बाद गुरूजी शुरू में भूमिगत हो गए। उन्होंने 24 जुलाई 2004 को मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। एक महीने से अधिक समय न्यायिक हिरासत में बिताने के बाद उन्हें जमानत मिली और आठ सितंबर को जमानत पर रिहा होने के बाद, उन्हें केंद्रीय मंत्रिमंडल में फिर से शामिल किया गया और 27 नवंबर 2004 को कोयला मंत्रालय वापस दे दिया गया। झारखंड में फरवरी-मार्च-2005 में विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस-झामुमो गठबंधन के हिस्से के तौर पर दो मार्च 2005 को उन्हें झारखंड के राज्यपाल की ओर से सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया गया। लेकिन गुरूजी विधानसभा में विश्वास मत प्राप्त करने में विफल रहे और उन्होंने महज नौ दिनों तक मुख्यमंत्री रहने के बाद 11 मार्च को मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया।

शिबू सोरेन के निधन से पैतृक गांव नेमरा में शोक की लहर, अंत्येष्टि को लेकर जिला प्रशासन कर रही है जोरों की तैयारी

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्य सभा सांसद शिबू सोरेन अब नहीं रहे। लंबी बीमारी से जूझने के बाद आज सुबह उनकी मौत दिल्ली में हो गई। उनके पैतृक गांव रामगढ़ जिले के नेमरा में सन्नाटा पसरा हुआ है। एक तरफ उनके गांव से होकर गुजरने वाली सड़क सुनी है तो दूसरी तरफ आदिवासी समाज के लोग सड़क के किनारे बैठकर दुख प्रकट कर रहे है। उनके पैतृक घर के अगल-बगल रामगढ़ जिला प्रशासन के द्वारा कल होने वाले उनके अंत्येष्टि को लेकर तैयारी की जा रही है। मौके पर प्रदेश के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने भी रामगढ़ जिला प्रशासन के साथ आकर स्थल निरीक्षण किया और पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि झारखंड की आत्मा माननीय शिबू सोरेन जी हमारे बीच नहीं रहे आम जनमानस सहित पार्टी के लिए यह अपूरणीय क्षति है।मौके पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के रामगढ़ जिला अध्यक्ष विनोद किस्कु ने कहा कि गुरु जी के जाने से बहुत बड़ी क्षति हुई है जिसकी कोई पूर्ति नहीं हो सकती है।शिवशरण के घर में मौजूद उनके साले रामजीत किस्कु ने अपने संथाली भाषा मे बताया कि गुरुजी बगिया गया है जिसका हिंदी में अर्थ दुनिया छोड़कर चला गया है।

शिबू सोरेन का पार्थिव देह विशेष विमान से रांची पहुंचा

दिशोम गुरु शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से उनके सरकारी आवास मोरहाबादी के लिए ले जाया जा रहा है. सोमवार को शाम 6:40 बजे उनका पार्थिव शरीर रांची पहुंचा. बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर जैसे ही उनके विमान की लैंडिंग हुई, पूरा एयरपोर्ट इलाका शिबू सोरेन अमर रहे के नारे से गूंज उठा. पुराने टर्मिनल भवन के पोर्टिको में उनको श्रद्धांजलि देने के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया था. सभी दलों के नेता झारखंड के प्रिय गुरुजी को श्रद्धांजलि देने के लिए मौजूद थे. एक ट्रक को विशेष रूप से पार्थिव शरीर ले जाने के लिए सजाया गया था. उस पर शिबू सोरेन की बड़ी-बड़ी तस्वीरें लगीं थीं. 4 अगस्त 2025 को शिबू सोरेन का दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया. इसके बाद पूरे झारखंड में शोक की लहर दौड़ गयी.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शिबू सोरेन के अंतिम दर्शन करने दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल पहुंचे। यहां उन्होंने शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित कर परिवार को ढांढस बंधाया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन को बड़ी क्षति बताते हुए दुःख व्यक्त किया और गुरु जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा "जनता, विशेषकर आदिवासी समुदायों के कल्याण के लिए किये उनके कामों को सदैव याद रखा जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड विस मॉनसून सत्र : सदन की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित

रांची(ईएमएस)।दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद विधानसभा में चल रहे मॉनसून सत्र की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई।सोमवार को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही स्पीकर रवींद्रनाथ महतो ने अपने शोक संदेश में कहा कि आज का ये दिन हम सभी के लिए अत्यंत दुख और शोक का दिन है। रवींद्र महतो ने आगे कहा कि झारखंड के महान नेता, मार्गदर्शक, झारखंड आंदोलन के पुरोधा, पूर्व सीएम, पूर्व केंद्रीय मंत्री और वर्तमान राज्यसभा सांसद गुरुजी का सोमवार की सुबह स्वर्गवास हो गया। वे झारखंड के वंचित समाज को अंधकार से निकालकर हक हकुक के प्रकाश से उज्जवल करने वाले शिबू सोरेन का नहीं रहना झारखंड ही नहीं संपूर्ण भारत की अपूरणीय छती है।स्पीकर ने कहा कि राजनीतिक और सामाजिक जगत में अन्याय के खिलाफ वे जाने जाते थे. हम बहुत दुखित हैं कि बाबा नहीं रहे। इसके बाद स्पीकर ने सदन की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई।इस दौरान सदन शिबू सोरेन अमर रहे के नारे से गूंज उठा।

उत्तर प्रदेश एटीएस ने बदलापुर से सिमी आतंकी संगठन से जुड़े डॉक्टर को गिरफ्तार किया

बदलापुर। केंद्र सरकार द्वारा प्रतिबंधित एक आतंकवादी संगठन से संबंध रखने के संदेह में उत्तर प्रदेश एटीएस ने मुंबई से सटे बदलापुर शहर के एक निजी अस्पताल से एक डॉक्टर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार डॉक्टर का नाम ओसामा शेख है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, ओसामा शेख पेशे से डॉक्टर है और बदलापुर शहर के एक निजी अस्पताल में काम करता था। चौंकाने वाला तथ्य यह है कि उत्तर प्रदेश एटीएस को संदेह है कि ओसामा का प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन सिमी से संबंध है।

राहुल गांधी की मुश्किलें और बढ़ेंगी, 6 अगस्त को एमपी एमएलए कोर्ट में होगी पेशी

चाईबासा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित रूप से टिप्पणी को लेकर 6 अगस्त को चाईबासा में एमपी-एमएलए कोर्ट के समक्ष व्यक्तिगत रूप से पेश होंगे। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने 2 जून को विशेष अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय का रुख किया था, जिसमें उन्हें 26 जून को पेश होने का निर्देश दिया गया था। राहुल गांधी के वकील ने उच्च न्यायालय को सूचित किया कि उनके मुवक्किल उस दिन पेश नहीं हो पाएंगे। इसके बजाय उन्होंने उच्च न्यायालय से गांधी को चाईबासा अदालत में पेश होने के लिए 6 अगस्त के बाद की तारीख देने का अनुरोध किया था। अब उच्च न्यायालय ने उनके अनुरोध को स्वीकार कर लिया। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ चाईबासा के भाजपा नेता प्रताप कुमार कटियार ने 2018 में चाईबासा में आयोजित एक रैली में भाजपा नेताओं के खिलाफ कथित रूप से अपमानजनक बयान देने के लिए मानहानि का मामला दर्ज कराया था। सांसद ने अपनी याचिका में पहले उल्लेख किया था कि उन्होंने मामले के इस चरण में चाईबासा अदालत के समक्ष पेश होने से छूट की मांग करते हुए पहले ही याचिका दायर कर दी है।

44 करोड़ से बनी सड़क धंसी

धनबाद ।झरिया को पश्चिम बंगाल से जोड़ने वाली मुख्य सड़क (वाया बलियापुर) सोमवार को मोहरीबांध के पास धंस गई। इससे भारी वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बाधित हो गई है। गनीमत रही कि कोई बड़ी दुर्घटना नहीं हुई। पथ निर्माण विभाग ने करीब 8 किलोमीटर लंबी इस सड़क का निर्माण दो वर्ष पहले कराया था। इस पर करीब 44 करोड़ रुपये लागत आई थी। महज 2 साल में सड़क के धंस जाने से निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं।सड़क धंसने से स्थानीय लोगों में गहरा आक्रोश है। ग्रामीणों ने इसे सुनियोजित भ्रष्टाचार का नतीजा बताया। लोगों ने संबंधित अधिकारियों व निर्माण एजेंसी पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में स्थानीय ग्रामीण सेलो पासवान ने कहा कि एजेंसी ने सड़क बनने में भारी अनियमितताएं बरती हैं।निर्माण में न तो वाइब्रेटर मशीन चलाई गई, न ही बालू की भराई सही तरीके से की गई। मानकों का पालन नहीं किया गया। जमकर कमीशनखोरी की गई। अगर विभाग समय रहते दोषियों पर कार्रवाई नहीं करता है, तो भविष्य में बड़ी जनहानि हो सकती है।कुंदन पासवान ने कहा कि झरिया-बलियापुर मुख्य मार्ग के धंसने से भारी वाहनों का आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि घटनास्थल के समीप देवप्रभा आउटसोर्सिंग कोल परियोजना के तहत खनन और ब्लास्टिंग का कार्य लगातार चल रहा है, जिससे क्षेत्र की जमीन अस्थिर हो चुकी है और उसी का परिणाम है यह सड़क धंसना। उन्होंने प्रशासन से मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने और स्थानीय लोगों के लिए वैकल्पिक सुरक्षित मार्ग की व्यवस्था करने की मांग की है।

शिबू सोरेन के निधन पर 3 दिन का शोक 2 दिन बंद रहेंगे सभी सरकारी दफ्तर

रांची ।झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक संरक्षक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद राज्य सरकार ने तीन दिवसीय राजकीय शोक की घोषणा की है। यह शोक अवधि 4 अगस्त से 6 अगस्त 2025 तक लागू रहेगी। इस अवधि में राज्य के सभी सरकारी भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज आधे झुके रहेंगे और किसी भी प्रकार के राजकीय समारोह का आयोजन नहीं किया जाएगा।कैबिनेट सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) द्वारा जारी पत्र के अनुसार शिबू सोरेन का निधन 4 अगस्त की सुबह दिल्ली स्थित सर गंगाराम अस्पताल में हुआ। उनके सम्मान में राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि 4 और 5 अगस्त को सभी सरकारी कार्यालय बंद रहेंगे। सरकार के संयुक्त सचिव अखलेश कुमार सिन्हा द्वारा जारी आदेश में राज्य के सभी अपर मुख्य सचिव, सचिव, पुलिस अधिकारियों, प्रमंडलीय आयुक्तों और उपायुक्तों को इस आदेश का अनुपालन सुनिश्चित कराने को कहा गया है।

राजकीय शोक की इस घोषणा के साथ ही पूरे राज्य में गम का माहौल है। दिशोम गुरु के योगदान को याद करते हुए राजनीतिक और सामाजिक संगठनों ने गहरी संवेदना व्यक्त की है।

भीषण हादसे में पांच कांवडियों की मौत

भागलपुर । भागलपुर में भीषण हादसे में पांच कांवरियों की मौत हो गई। वहीं चार कांवरियों की हालत गंभीर है। घटना शाहकुंड-सुल्तानगंज सडक़ पर बेलथू के महतो स्थान के पास हुई है। बताया जा रहा है कि टेम्पो को ओवरटेक कर आगे बढऩे के चक्कर में पिकअप वैन के चालक को बिजली का तार नहीं दिखा। पिकअप वैन बिजली के तार के संपर्क में आ गई। देखते ही देखते पूरी गाड़ी में करंट फैल गया। इस सवार यात्री फौरन 30 फिट नीचे पानी में कूद गए और गाड़ी भी इनके ऊपर गिर गए।

हादसा इतना भीषण था कि पांच लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हडक़ंप मच गया।

सावन की अंतिम सोमवारी पर शिवालयों में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा कोयलांचल

धनबाद ।सावन की अंतिम सोमवारी पर झारखंड के सभी शिवालयों में शिवभक्ति की अद्भुत छटा देखने को मिली। वहीं धनबाद समेत पूरे कोयलांचल में भी अंतिम सोमवारी पर अनुपम दृश्य देखने को मिला। सुबह होते ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ स्थानीय शिवालयों की ओर उमड़ पड़ी।भक्तों ने दूध, दही, गंगाजल, बेलपत्र और धतूरा अर्पित कर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया और विधिपूर्वक पूजा-अर्चना कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि और मनोकामनाओं की पूर्ति की कामना की।शहर के अलखडीहा धाम, भुइफोड़ मंदिर, खड़ेश्वरी मंदिर, त्रिमूर्ति मंदिर और सर्वेश्वरी आश्रम सहित अन्य प्रमुख शिवालयों में सुबह से ही लंबी कतारें लग गईं। मंदिर परिसरों में हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष गूंजते रहे, जिससे पूरे इलाके का वातावरण भक्तिमय और आध्यात्मिक हो गया।अलखडीहा धाम में श्रद्धालुओं की सबसे ज्यादा भीड़ देखी गई, जहां बलियापुर, घनुवाडीह, तीसरा, लोदना सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग परिवार सहित दर्शन को पहुंचे। इस अवसर पर धीरेंद्रपुरम, हीरापुर, राजगंज, कतरास, बाघमारा, झरिया, फुसबंगला, जामाडोबा, डिगवाडीह, सुदामडीह, पाथरडीह, गौशाला और सिंदरी सहित पूरे जिले के शिवालयों में विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए।अंतिम सोमवारी पर श्रद्धालुओं की भीड़ के मद्देनजर सभी मंदिरों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।महिला और पुरुष श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग कतारों की व्यवस्था की गई थी। मंदिर प्रबंधन लगातार लाउडस्पीकर से अनाउंसमेंट कर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखा। सावन की अंतिम सोमवारी ने धनबाद को श्रद्धा, भक्ति और अध्यात्म के रंगों में सराबोर कर दिया।

बिहार बदलाव यात्रा के तहत कैमूर आए प्रशांत किशोर लालू, नीतीश और पीएम मोदी पर बोला हमला

कैमूर : जन सुराज अभियान के संयोजक प्रशांत किशोर रविवार को अपनी 'बिहार बदलाव यात्रा' के तहत कैमूर जिले के चैनपुर विधानसभा क्षेत्र पहुंचे। यहां किसान इंटर कॉलेज मैदान, अवखरा में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने नीतीश कुमार, लालू प्रसाद यादव और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर हमला बोला।जनसभा में प्रशांत किशोर ने कहा, "आपने मोदी का चेहरा देखकर वोट दिया तो चाय बेचने वाला प्रधानमंत्री बन गया। लालू का चेहरा देखकर वोट दिया तो भैंस चराने वाला 30 साल तक सत्ता में रहा। नीतीश का चेहरा देखकर वोट दिया तो वैद्य का बेटा 20 साल से शासन चला रहा है। लेकिन आपने आज तक अपने बच्चों का चेहरा देखकर वोट नहीं दिया। इस बार चेहरा नहीं, भविष्य देखकर वोट कीजिए।" उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी बिहार के लोगों से वोट लेकर और देश भर का पैसा लेकर अपने गृह राज्य गुजरात में फैक्ट्रियां लगवा रहे हैं, जबकि बिहार के युवा उन्हीं फैक्ट्रियों में जाकर 10-12 हजार रुपये में मजदूरी कर रहे हैं।प्रशांत किशोर ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि इस बार जो आपके बच्चों के भविष्य को लूटे हैं, उन्हें वोट न दीजिए। चाहे वो लालू हों, नीतीश हों या मोदी। नेताओं का चेहरा देखकर नहीं, अपने बच्चों की शिक्षा और रोजगार के लिए वोट कीजिए। बिहार में अब जनता का राज चाहिए, नेताओं का नहीं। प्रशांत किशोर ने जनसभा में कैमूर की जनता से कई बड़े वादे भी किए। उन्होंने कहा कि दिसंबर 2025 से 60 वर्ष से अधिक उम्र के सभी पुरुषों और महिलाओं को 2000 रुपये मासिक पेंशन दी जाएगी। जब तक सरकारी स्कूलों में सुधार नहीं हो जाता, तब तक 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को निजी स्कूलों में मुफ्त शिक्षा दी जाएगी और उनकी फीस सरकार वहन करेगी।उन्होंने दावा किया कि छठ पर्व के बाद राज्य के युवाओं को बिहार में ही 10-12 हजार रुपये तक की रोजगार की व्यवस्था की जाएगी। अब बिहार के युवाओं को मजदूरी के लिए गुजरात या अन्य राज्यों में नहीं जाना पड़ेगा। रोहतास, कैमूर और चैनपुर के नौजवानों को भी यहीं सम्मानजनक काम मिलेगा। अगले दो साल में 50 लाख युवाओं को बिहार में ही रोजगार दिया जाएगा। प्रशांत किशोर ने सभा के अंत में कहा कि यह बिहार की बदहाली की आखिरी दिवाली और छठ है। अगली बार जब त्योहार आएगा तो आपके बेटे और परिवार के लोग बाहर नहीं होंगे, बल्कि अपने गांव-घर में ही रोजगार पाएंगे।

दरभंगा बाल सुधार गृह में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला नाबालिग का शव

आत्महत्या या हत्या ? जाँच में जुटी है पुलिस

दरभंगा, (ईएमएस)। बिहार के दरभंगा जिले के लहेरियासराय स्थित बाल सुधार गृह में संदिग्ध परिस्थितियों में 16 साल के एक नाबालिग लड़के का शव मिला है। बाल सुधार गृह के अन्य बच्चों ने हाउस फादर मदन प्रसाद को सूचना दी कि लड़का बाथरूम में गिरा हुआ है। बाल सुधार गृह के कर्मियों ने उसे दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल (डीएमसीएच) पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान बेनीपुर प्रखंड के फरदाहा गांव निवासी के रूप में हुई है, जो एक नाबालिग लड़की के अपहरण के मामले में बाल सुधार गृह में बंद था। इस बीच घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया। सदर एसडीएम विकास कुमार, एसडीपीओ राजीव कुमार, और लहेरियासराय थाने की पुलिस तुरंत बाल सुधार गृह पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। डीएम कौशल कुमार ने प्रथमदृष्टया इसे आत्महत्या का मामला बताया, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो पाएगा। वहीं मृतक के परिजनों ने बाल सुधार गृह प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि दो दिन पहले जब वे लड़के से मिलने गए थे, तो उसने बताया था कि रिमांड रूम में अन्य बच्चे उसके साथ मारपीट और उत्पीड़न करते हैं। परिजनों का कहना है कि लड़के के पैर की उंगलियों पर चोट के निशान थे।

आत्महत्या या हत्या? जांच में जुटी पुलिस

प्रारंभिक जांच में पुलिस और प्रशासन इसे आत्महत्या का मामला मान रहे हैं, क्योंकि लड़के का शव बाथरूम में मिला था। हालांकि, परिजनों के मारपीट और हत्या के आरोपों ने मामले को उलझा दिया है। फिलहाल सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। लहेरियासराय थानाध्यक्ष अमीत कुमार ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य बच्चों और कर्मियों से पूछताछ के बाद ही सच्चाई सामने आएगी।

बीते 6 महीनों में तीसरी मौत

यह पहली बार नहीं है जब दरभंगा का बाल सुधार गृह विवादों में आया हो। पिछले छह महीनों में ऐसी यह तीसरी घटना है, जहां किसी नाबालिग की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई है।

संक्षिप्त ख़बरें

बिहार में 5 कांवड़ियों की दर्दनाक मौत

भागलपुर, (ईएमएस)। श्रावण महीना के आखिरी सोमवारी से पहले रविवार देर रात बिहार के भागलपुर जिले में शाहकुंड में एक डीजे वैन पानी से भरे गड्ढे में पलट गई, जिसमें सवार 5 कांवड़ियों की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि कुछ कांवड़िए घायल हुए हैं। बताया जा रहा है कि डीजे वैन पर 9 लोग सवार थे। वैन बिजली के तार से सट गई थी। तभी गाड़ी का संतुलन बिगड़ गया और गड्ढे में पलट गई। वैन के नीचे दबने से 5 लोगों की मौत हो गई। जबकि 5 लोग वैन से कूद गए। इनमें तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। ये वैन कांवड़ियों को लेकर सुल्तानगंज से ज्येष्ठगौर नाथ जा रही थी, तभी शाहकुंड थाना क्षेत्र के पास सुल्तानगंज मेन रोड पर महंत स्थान के पास ये हादसा हुआ। हादसा रविवार रात करीब सवा 12 बजे हुआ, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मृतकों की पहचान संतोष कुमार, 24 वर्षीय मनोज कुमार, 23 वर्षीय विक्रम कुमार, रवीश कुमार एवं 18 वर्षीय मुन्ना कुमार के रूप में हुई है। हादसे में बचे अभिषेक कुमार ने पत्रकारों को बताया कि बारिश की वजह से सड़क पर पानी भरी हुआ था। अचानक वैन मिट्टी के ऊपर आ गई और एक साइड से खींचने लगी। जब गाड़ी एक तरफ खींचने लगी तो पहिया फिसलने लगा और वैन बिजली के तार की चपेट में आ गई, जिसके बाद लोगों को करंट लगने लगा और अफरा-तफरी मच गई। करंट के झटके ने मुझे गाड़ी से उठाकर दूर पटक दिया था। ड्राइवर का गाड़ी पर से बैलेंस बिगड़ गया था और गाड़ी सीधा पानी से भरे गड्ढे में जा गिरी।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का फर्जी आवासीय प्रमाण पत्र बनवाने का हुआ खुलासा

मुजफ्फरपुर, (ईएमएस)। हाल ही में बिहार के पटना के मसौढ़ी अंचल कार्यालय में कुत्ता (डॉग बाबू) का आवासीय प्रमाण पत्र बनवाने का मामला सामने आया था। जैसे ही ये खबर सामने आई तो पटना के जिलाधिकारी ने आवासीय प्रमाण पत्र को रद्द कर दिया और दोषी पदाधिकारी और कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की। यह मामला अभी सुर्ख़ियों में ही है कि अब बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नाम पर आवासीय प्रमाण पत्र बनवाने का मामला सामने आया है। इस मामले में मुजफ्फरपुर के सरैया थाने में आवेदन करने वाले के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है। खबर है कि सरैया अंचल के राजस्व अधिकारी अभिषेक सिंह ने इस मामले में केस दर्ज कराया है।अभिषेक सिंह ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री की छवि को धूमिल करने के लिए इस तरह की साजिश की गयी है। आवेदन के सत्यापन के दौरान फर्जीवाड़ा पकड़ा गया है. पुलिस-प्रशासन ऑनलाइन आवेदन करने वाले साजिशकर्ता की तलाश कर रही है। राजस्व अधिकारी अभिषेक सिंह शिवहर जिले के सलेमपुर के रहने वाले हैं। उन्होंने दर्ज प्राथमिकी में कहा कि 29 जुलाई को आवासीय प्रमाण पत्र के लिए आए ऑनलाइन आवेदन का निष्पादन कर रहा था। इसी क्रम में सीएम नीतीश कुमार के नाम पर फर्जी आवासीय प्रमाण पत्र के लिए आए आवेदन का खुलासा हुआ। दरअसल आवेदन में आवेदक का नाम नीतीश कुमारी, पिता लखन पासवान और माता का नाम लकिया देवी लिखा है। आवेदन में आवेदक के फोटो के बदले सीएम नीतीश कुमार की तस्वीर लगी है। इसकी जांच की गयी तो यह एक साजिश लगा। बहरहाल इस मामले में सरैया थाने की पुलिस छानबीन में जुट गयी है। पुलिस ऑनलाइन आवेदन करने वाले का पता लगा रही है। इसके लिए आईपी एड्रेस का पता लगाया जा रहा है।

सिबू सोरेन के निधन पर लालू यादव ने जताया शोक कहा, आदिवासी समाज के लिए बड़ा नुकसान

पटना, (ईएमएस)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और आदिवासी नेता शिबू सोरेन के निधन पर राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन केवल झारखंड ही नहीं बल्कि पूरे भारत के दलित और आदिवासी समुदाय के एक बड़े चेहरे थे, जिन्होंने राजनीति में लंबे समय तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लालू यादव ने कहा कि यह उनके लिए और देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है। लालू यादव ने कहा कि उनका शिबू सोरेन के परिवार से पारिवारिक संबंध था और इस दुखद घटना से वे व्यक्तिगत रूप से भी आहत हैं। उन्होंने हेमंत सोरेन से संपर्क करने और परिवार को इस कठिन समय में समर्थन देने का आश्वासन दिया। उन्होंने शिबू सोरेन को एक महान राजनीतिक व्यक्तित्व और आदिवासी समाज के सशक्त नेतृत्वकर्ता के रूप में याद किया। उन्होंने शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

बिहार में नशे के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई बनेगा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो

पटना, (ईएमएस)। बिहार में बढ़ते नशे पर नकेल कसने के लिए स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो का गठन होने जा रहा है। राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी विनय कुमार) ने घोषणा की है कि एक हफ्ते में इसकी अधिसूचना जारी होगी। यह ब्यूरो मौजूदा एसटीएफ नारकोटिक्स सेल से अलग होगा और एडीजी स्तर के अधिकारी इसका नेतृत्व करेंगे। इस नए ब्यूरो का उद्देश्य नशे के कारोबार को जड़ से खत्म करना और युवाओं को इसके जाल से बचाना है। बिहार को नशा-मुक्त बनाने के लिए यह ब्यूरो एक महत्वपूर्ण कदम होगा, जिससे न केवल अपराध कम होंगे, बल्कि युवाओं का भविष्य भी सुरक्षित होगा। फ़िलहाल इसके कार्यक्षेत्र, अधिकार, कार्यप्रणाली और अन्य विभागों के साथ समन्वय की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। नया ब्यूरो नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट, 1985 के तहत कार्रवाई को और प्रभावी बनाएगा। यह ब्यूरो नशे के नेटवर्क की गहन जांच, खुफिया जानकारी संग्रह और अन्य राज्यों की पुलिस व केंद्रीय एजेंसियों जैसे नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के साथ समन्वय करेगा। डीजीपी विनय कुमार ने कहा कि ड्रग्स, स्मैक और हेरोइन का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है, जिसके शिकार बड़ी संख्या में युवा हो रहे हैं। नशे के सौदागर सुनियोजित ढंग से युवाओं को नशे की लत में फंसा रहे हैं और इससे अवैध हथियारों की तस्करी का नेटवर्क भी पनप रहा है।

पटना के डबल डेकर पुल धंसने की खबर पर सरकार ने दी सफाई, कहा पुल की संरचना पर कोई असर नहीं

पटना, (ईएमएस)। पटना के अशोक राजपथ पर 422 करोड़ रुपये की लागत से बने बिहार के पहले डबल डेकर पुल के धंसने की खबर पर राज्य सरकार ने सफाई देते हुए कहा है कि पुल की संरचना पर कोई असर नहीं पड़ा है। इस संदर्भ में बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड एवं रोड कंस्ट्रक्शन डिपार्टमेंट ने अपनी अधिकृत प्रतिक्रिया दी है। विभाग ने सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे एक्स, कई न्यूज़ चैनल और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर पुल के क्षतिग्रस्त होने की खबरें तेजी से फैल रही थीं। लगातार मूसलाधार बारिश के कारण पुल की सतह पर बने डामर की ऊपरी परत के एक छोटे हिस्से में आंशिक स्लीपेज हुआ है। इसका मतलब यह है कि डामर की सतह पर फिसलन या छोटी दरारें आई हैं, जो केवल सड़क की ऊपरी परत तक सीमित हैं। प्रबंध निदेशक ने यह भी बताया है कि पुल की संरचना पूरी तरह सुरक्षित है और इसका मूल ढांचा या निर्माण गुणवत्ता प्रभावित नहीं हुई है। मरम्मत कार्य तुरंत शुरू कर दिया गया है ताकि यह समस्या जल्द से जल्द दूर की जा सके। सरकार ने यह भी आश्वासन दिया है कि पुल की मरम्मत के लिए आवश्यक सभी कदम उठाए जा रहे हैं और जल्द ही पुल को पूरी तरह से ठीक कर दिया जाएगा। इसके अलावा, भविष्य में इस प्रकार की तकनीकी समस्याओं से बचने के लिए निर्माण सामग्री और तकनीकों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

11 जून को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया था उद्घाटन

इस डबल डेकर पुल का उद्घाटन इस साल 11 जून को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया था। इस पुल का उद्देश्य पटना के व्यस्त इलाकों जैसे पीएमसीएच, साइंस कॉलेज, और पटना यूनिवर्सिटी के आसपास ट्रैफिक जाम की समस्या को कम करना था। लेकिन उद्घाटन के करीब दो महीने के भीतर ही इस पुल की सड़क सतह पर दरारें आने लगीं, जिससे लोगों में चिंता बढ़ गई है। पुल की सड़क सतह में दरारें आने से निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। खासकर इस बात को लेकर भी चिंता जताई जा रही है कि 422 करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद पुल की सतह इतनी जल्दी खराब कैसे हो गई ? स्थानीय लोग और विशेषज्ञ इस मुद्दे पर सरकार और निर्माण एजेंसियों से जवाबदेही की मांग कर रहे हैं।

वैशाली के जंदाहा में फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़

वैशाली : बिहार के वैशाली जिले में साइबर अपराध का एक बड़ा मामला सामने आया है। यहां एक गिरोह फर्जी कॉल सेंटर के माध्यम से अमेरिकी नागरिकों से ठगी कर रहा था। पुलिस ने इस गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जो सभी पश्चिम बंगाल के निवासी हैं। हालांकि, इस साइबर फ्रॉड रैकेट का मास्टरमाइंड बिरजू सिंह अब भी फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। एसपी ललित मोहन शर्मा ने बताया कि साइबर थाना को गुप्त सूचना मिली थी कि जंदाहा थाना क्षेत्र निवासी बिरजू सिंह के मकान में साइबर ठगी से जुड़ा एक गिरोह सक्रिय है। इस सूचना के आधार पर साइबर डीएसपी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसने बिरजू सिंह के मकान पर छापेमारी की। वहां से पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे अमेरिकी नागरिकों को कॉल कर उन्हें फर्जी तकनीकी सहायता देने के नाम पर ठगते थे।

राहुल और तेजस्वी फैला रहे झूठ, एसआईआर के बारे में दे रहे गलत जानकारी

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने वोटर आईडी कार्ड के मामले में दी प्रतिक्रिया

पटना,(ईएमएस)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की ओर से दिखाए गए वोटर आईडी कार्ड के मामले में प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने तेजस्वी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर झूठ बोलकर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया है। सोमवार को पटना में मीडिया से बातचीत करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव न केवल एसआईआर के बारे में गलत जानकारी दे रहे हैं, बल्कि चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था का भी अपमान कर रहे हैं।उन्होंने चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि यदि तेजस्वी इस तरह की गतिविधियां जारी रखते हैं, तो चुनाव आयोग कानूनी कार्रवाई करने के लिए बाध्य हो सकता है। वह खुद को बिहार का भावी सीएम बताते हैं, लेकिन निष्पक्ष चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाकर जनता को गुमराह कर रहे हैं। चुनाव आयोग कानून के हिसाब से कार्रवाई करेगा।एसआईआर के मुद्दे पर बिहार में यह विवाद तब शुरू हुआ जब तेजस्वी यादव ने 2 अगस्त को दावा किया कि उनका नाम बिहार की ड्राफ्ट वोटर सूची से हटा दिया गया है और उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक वोटर आईडी कार्ड दिखाया, जो आयोग के रिकॉर्ड में नहीं मिला। तेजस्वी के इस दावे के बाद बिहार की सियासत गरमा गई। इसी बीच चुनाव आयोग ने तेजस्वी के दावे को खारिज करते हुए कहा कि उनका नाम मतदाता सूची में मौजूद है।ईआरओ (पटना सदर) ने रविवार को एक्स पर एक पत्र जारी किया है। पत्र में कहा गया है कि 2 अगस्त 2025 को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में तेजस्वी यादव ने अपना नाम प्रारूप मतदाता सूची में अंकित नहीं होने की बात कही है। जांच में पाया गया कि उनका नाम मतदान केंद्र संख्या 204 के क्रम संख्या 416 पर दर्ज है, जिसका ईपिक नंबर आरएबी0456228 है। पत्र में आगे कहा गया कि तेजस्वी के मुताबिक उनका ईपिक नंबर आरएबी2916120 प्राथमिक जांच के अनुसार ईपिक नंबर आरएबी2916120 आधिकारिक रूप से निर्गत प्रतीत नहीं होता है। तेजस्वी से अनुरोध किया कि वे ईपिक कार्ड की मूल प्रति सहित विवरण उपलब्ध कराएं ताकि इसकी गहन जांच की जा सके।

तेजस्वी यादव को नोटिस, बिफरे पप्पू यादव ने इलेक्शन कमीशन को संदिग्ध आयोग बता दिया

भाजपा के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया

पटना, (ईएमएस)। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव को दो मतदाता पहचान पत्र मामले में चुनाव आयोग (ईसी) द्वारा नोटिस जारी करने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है।सांसद पप्पू यादव ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के इशारे पर काम कर रहा है और यह खुद संदिग्ध आयोग बन गया है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग अलादीन का चिराग नहीं है। उनका यह बयान तब आया जब आयोग ने तेजस्वी यादव को उनके ईपीआईसी (ईपीआईसी) कार्ड का विवरण मांगने के लिए नोटिस भेजा। सांसद यादव ने कहा कि भाजपा और मोदी जी भ्रम फैला रहे हैं। चुनाव आयोग अपने आप में एक संदिग्ध आयोग है। उन्होंने कहा है कि वे हर हाल में भाजपा के प्रवक्ता हैं।दरअसल पटना में मौजूद निर्वाचन निबंधन अधिकारी ने तेजस्वी से उस ईपीआईसी कार्ड का विवरण देने को कहा था, जिसका जिक्र उन्होंने अपनी प्रेसवार्ता में किया था, ताकि मामले की गहन जांच हो सके। नोटिस में लिखा है कि तेजस्वी द्वारा प्रेसवार्ता में उल्लेखित ईपीआईसी नंबर आरएबी 2916120 आधिकारिक तौर पर जारी नहीं किया गया प्रतीत होता है। आयोग ने तेजस्वी से उल्लेखित ईपीआईसी कार्ड का विवरण (मूल प्रति सहित) उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है।चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि तेजस्वी के मतदाता पहचान पत्र का वास्तविक ईपीआईसी नंबर आरएबी 0456228 है। आयोग ने बताया कि तेजस्वी का नाम मतदान केंद्र संख्या 204 (बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के पुस्तकालय भवन) के क्रमांक 416 पर दर्ज है। इसके बाद बिहार में सियासी आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरु हो गया। जहां पप्पू यादव ने चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए चुनाव आयोग की आलोचना कर आरोप लगाया कि भाजपा और चुनाव आयोग बिहार के लोगों के अधिकारों पर हमला कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस ही एकमात्र विकल्प है। जिस तरह से भाजपा और चुनाव आयोग ने पिछले दरवाजों से एसआईआर पर हमला किया है, उससे बिहार और बिहारियों के अधिकारों पर हमला हुआ है। उन्होंने बताया कि 10 अगस्त से राहुल गांधी और गठबंधन के नेता बिहार का दौरा करने वाले है।बात दें कि यह विवाद तब शुरू हुआ जब तेजस्वी यादव ने दावा किया कि उनका नाम मतदाता सूची से गायब है और उनका मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) नंबर बदल दिया गया है। इस दावे का खंडन करते हुए, चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि तेजस्वी का नाम मतदाता सूची के मसौदे में क्रमांक 416 पर शामिल है।

हड़ताल के चौथे दिन डॉक्टरों ने बंद की ओपीडी और आईपीडी, 'वी वांट जस्टिस' के लगाए नारे

बिहार में शिक्षकों के तबादले पर नई नीति नियुक्ति के 5 वर्षों तक नहीं होगा तबादला

पटना : पटना के फुलवारी शरीफ स्थित पटना एम्स में विधायक चेतन आनंद और डॉक्टरों के बीच हुए विवाद का असर लगातार चौथे दिन भी देखने को मिला। जूनियर और रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल सोमवार को भी जारी रही, जिससे ओपीडी और आईपीडी सेवाएं पूरी तरह से ठप रहीं। मरीजों को इलाज के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। डॉक्टरों की हड़ताल के कारण रविवार को जहां 85 सर्जरी टाल दी गई थीं, वहीं सोमवार को यह संख्या बढ़कर करीब 150 हो गई। दूरदराज से आए मरीजों को बिना इलाज के लौटना पड़ा। सोमवार को हड़ताली डॉक्टर हाथों में होर्डिंग और पोस्टर लेकर 'वी वांट जस्टिस' और 'विधायक माफी मांगो' जैसे नारे लगाते नजर आए। डॉक्टरों ने साफ कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक सेवा बहाल नहीं की जाएगी। उनका कहना है कि अगर सुरक्षा नहीं मिलेगी, तो सेवा नहीं देंगे। इस बीच पीएमसीएच और आईजीआईएमएस के डॉक्टरों ने भी हड़ताल का समर्थन करते हुए काली पट्टी लगाकर कार्य किया। हड़ताल कर रहे डॉक्टरों की प्रमुख मांग है कि विधायक चेतन आनंद द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर को वापस लिया जाए। 30 जुलाई की रात करीब 11:30 बजे विधायक चेतन आनंद अपनी पत्नी के साथ किसी परिचित से मिलने पटना एम्स पहुंचे थे। उनका आरोप है कि एम्स परिसर में उनके और उनकी पत्नी के साथ मारपीट की गई और उन्हें कुछ समय के लिए बंधक बनाकर रखा गया। वहीं, एम्स के सुरक्षाकर्मियों और डॉक्टरों का दावा है कि विधायक के बॉडीगार्ड अस्पताल परिसर में हथियार लेकर अंदर घुसने की कोशिश कर रहे थे। सुरक्षा रोकने पर विवाद हुआ और मामला हाथापाई तक पहुंच गया। एम्स के डॉक्टरों का कहना है कि उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई, जबकि गार्डों के साथ भी बदसलूकी की गई। इस दौरान बीच-बचाव में कई जूनियर डॉक्टर भी शामिल हुए। घटना के बाद दोनों पक्षों ने थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। डॉक्टरों का कहना है कि वे चाहते हैं कि अस्पताल का सिस्टम सुचारू रूप से चले, लेकिन उन पर एकतरफा दबाव बनाया जा रहा है। हड़ताल कर रहे एक डॉक्टर ने कहा, "हम लोग सेवाभाव से काम करते हैं, लेकिन इस घटना के बाद सुरक्षा को लेकर हम चिंतित हैं। अभी तक कोई भी सरकारी प्रतिनिधि हमसे बातचीत करने नहीं आया है। जब तक हमारी मांगें नहीं मानी जाएंगी, हम सेवा पर नहीं लौटेंगे।"

पटना, (ईएमएस)। बिहार में शिक्षकों के तबादले पर नई नीति बनी है जिसके तहत अब नियुक्ति के 5 वर्षों तक तबादला नहीं होगा। दरअसल शिक्षा विभाग ने राज्य के करीब 6 लाख सरकारी स्कूल शिक्षकों के लिए नई तबादला नियमावली तैयार की है, जिसका प्रारूप अंतिम चरण में है। इस नियमावली के अनुसार, किसी भी शिक्षक का नियुक्ति की तिथि से पांच वर्षों तक तबादला नहीं किया जाएगा। यह व्यवस्था स्कूलों में शैक्षणिक स्थायित्व बनाए रखने के उद्देश्य से की जा रही है। हालांकि, इस अवधि के भीतर गंभीर बीमारी या विशेष परिस्थिति, जैसे किसी विद्यालय में अपेक्षा से अधिक शिक्षक और दूसरे विद्यालयों में कमी होने की स्थिति में, तबादले की अनुमति दी जा सकेगी। नई नियमावली के तहत, तबादला प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होगी, जिसे ई-शिक्षा कोष पोर्टल के माध्यम से संचालित किया जाएगा। शिक्षक वर्ष में दो बार मई और नवंबर में तबादले के लिए आवेदन कर सकेंगे और तबादले जून और दिसंबर में किए जाएंगे ताकि पढ़ाई पर कोई प्रभाव न पड़े। तबादले की प्रक्रिया को पारदर्शी और नियंत्रित बनाने के लिए दो स्तरों पर कमेटियों का गठन किया जाएगा। जिला स्तर पर तबादलों के लिए 8 सदस्यीय समिति बनाई जाएगी, जिसकी अध्यक्षता जिलाधिकारी करेंगे। इस समिति में उप विकास आयुक्त, एडीएम स्तर के अधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) और अन्य प्रशासनिक अधिकारी शामिल होंगे। वहीं, प्रधानाध्यापक और प्रमंडल स्तर के शिक्षकों के तबादले के लिए 6 सदस्यीय प्रमंडलीय समिति गठित की जाएगी, जिसकी अध्यक्षता प्रमंडलीय आयुक्त करेंगे। इसमें क्षेत्रीय शिक्षा उपनिदेशक तथा अन्य पदाधिकारी होंगे।

संक्षिप्त ख़बरें

दिशोम गुरू शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए तोकीपुर शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान में शोक सभा का आयोजन

दुमकाःसर गंगा राम हॉस्पिटल, नई दिल्ली में श्री शिबू सोरेन, पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्य सभा सांसद का निधन हो गया। इस दुखद समाचार को सुनते ही तोकीपुर शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के सभी प्रशिक्षणार्थियों की आँखें नम हो गई। सभी शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी भी समाचार सुनते ही दुःखी हो गए। उनके निधन पर महाविद्यालय के सचिव नोरेन कुमार मोदी ने झारखंड की अपूर्णीय क्षति बताते हुए, उनके शोक सभा मनाने का आदेश दिया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ कल्पना कुमारी की अध्यक्षता में सभी शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के साथ-साथ सभी प्रशिक्षणार्थियों के द्वारा महाविद्यालय में शोक सभा का आयोजन किया गया। महाविद्यालय में उपस्थित सभी ने ईश्वर से उनकी आत्मा को शांति प्रदान करने की प्रार्थना की। झारखंड राज्य अलग करने में शिबू सोरेन का बहुमूल्य योगदान रहा है। झारखंड सरकार के पत्रांक-02/2012833 दिनांक- 04-08-2025 के आलोक में उनके निधन पर महाविद्यालय में दो दिवसीय अवकाश की घोषणा कर दी गई है।

दुमका के लकड़ी मीलो को खुलवाने को लेकर बैठक आयोजित

दुमकरःझारखण्ड प्रदेश विश्वकर्मा समाज जिला दुमका की कोर कमेटी की बैठक जिला कार्यालय ग्रांट स्टेट में जिला अध्यक्ष गंगाधर शर्मा के अध्यक्षता में किया गया। जिला अध्यक्ष गंगाधर शर्मा ने कहा कि दुमका के लकड़ी मिलो को खुलवाने एवं लकड़ी की अन्य समस्याओं को लेकर 1 जुलाई को विश्वकर्मा समाज द्वारा विशाल रैली का आयोजन किया गया था। जिसमें हजारों की संख्या में समाज के लोग सड़क पर उतरे थे। 1 महीने से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी वन विभाग से किसी तरह की राहत का आश्वासन नहीं मिला है। डी.एफ.ओ. से मिलने पर उन्होंने कहा कि में 25 सेफ्टी लकड़ी लाने, ले जाने का छूट नहीं दे सकता हूं। परमिट का ही लकड़ी चिराना पड़ेगा, टीपी परमिट को भी सरल नहीं कर सकते है। लेकिन जरमुंडी के सभी लकड़ी मिलो में धड़ल्ले से बिना परमिट वाले लकड़ी की चिराई किया जा रहा है। और हजारों सेफ्टी लकड़ी दुमका जिला से बाहर अन्य राज्यों में भेजा जा रहा है इस पर वन विभाग कोई कार्यवाही नहीं कर रहा है। इधर दुमका के बढ़ई कारीगर लकड़ी के अभाव में बेरोजगार हो गए हैं और भुखमरी का सामना कर रहे हैं। यह बढ़ई कारीगरों के साथ घोर अन्याय है। अगर जल्द ही हमारी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया और दुमका का लकड़ी दुमका जिला से बाहर जाने से नहीं रोका गया तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। हम लोग लकड़ी की समस्याओं को लेकर दुमका जिला के अगल-बगल के सभी विधायकों को ज्ञापन देंगे ताकि हमारी समस्याओं को विधानसभा में उठाया जा सके और इसका निदान हो सके। बैठक में प्रदेश महासचिव जयप्रकाश शर्मा, प्रदेश सचिव पवन शर्मा, जिला कार्य समिति सदस्य नीलू मारिया, मुकेश शर्मा, नागेंद्र शर्मा एवं अन्य सदस्य गण उपस्थित थे।

सावन की अंतिम सोमवारी पर केसरियामय हुआ बासुकीनाथ धाम,हर-हर महादेव एवं बोल बम के जयघोषों से गूंजा सम्पूर्ण मेला क्षेत्र

दुमकाःसावन की अंतिम सोमवारी पर बासुकीनाथ धाम आज केसरिया आस्था से सराबोर हो गया। हर हर महादेव और बोल बम के गगनभेदी नारों ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। श्रद्धालुओं की कतारें भक्ति की लय में थीं, और अर्घ्य के माध्यम से जलार्पण करते हुए हर भक्त शिवत्व की अनुभूति कर रहे हैं।इस अवसर पर उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने मेला क्षेत्र का निरीक्षण कर संपूर्ण व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने कंट्रोल रूम के माध्यम से मेला क्षेत्र के प्रत्येक गतिविधि पर सतत निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने प्रतिनियुक्त अधिकारियों को अलर्ट मोड में कार्यरत रहने का निर्देश देते हुए कहा श्रद्धा के इस महासागर में अगर व्यवस्था की नाव डगमगाए नहीं, तो वही सच्ची सेवा है।मेला क्षेत्र में सुरक्षाबलों की तैनाती सुनिश्चित की गई है, जो श्रद्धालुओं को कतारबद्ध रूप से सहजता से दर्शन एवं जलार्पण में सहयोग कर रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूरे मेला क्षेत्र में व्यापक प्रबंधन किया गया है।उपायुक्त द्वारा स्वास्थ्य शिविर का भी निरीक्षण किया गया। उन्होंने चिकित्सा कर्मियों को संवेदनशील और सतर्क रहने के निर्देश दिए ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा सके। अंतिम सोमवारी पर बासुकीनाथ धाम में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा है। बासुकीनाथ का आज का दृश्य देखकर कहा जा सकता है कि जब शासन और श्रद्धा मिलकर चलते हैं, तो व्यवस्था भी भक्ति में बदल जाती है।यह केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आत्म-अनुशासन, समर्पण और सेवा का जीवंत उदाहरण बना। जैसे शिव सृष्टि के केंद्र हैं, वैसे ही यह आयोजन व्यवस्था और आस्था के संतुलन का केंद्र बन गया।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर शोकसभा आयोजित

दुमकाःझारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर उपायुक्त आवास परिसर में शोक सभा का आयोजन किया गया।इस अवसर पर उपायुक्त अभिजीत सिन्हा सहित जिले के वरीय पदाधिकारी एवं कर्मियों ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। उपस्थित सभी ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की एवं दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

चिकनियां एवं कुरुमटांड़ गांव के ग्रामवासियों ने शिविर लगाकर की डाक बम कांवरियों की सेवा

दुमकाःहर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जामा प्रखंड क्षेत्र के चिकनियां एवं कुरुमटांड़ गांव के ग्रामवासियों द्वारा रविवार की रात से सोमवार की सुबह तक सावन महीने के प्रत्येक सोमवारी पर डाक बम सेवा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। मौके पर राजवीर प्रीमियम वाटर द्वारा निशुल्क पानी की व्यवस्था की जाती है। मुख्य रूप से दर्द निवारक दवाई, स्प्रे, लोशन, पानी, शरबत, नींबू पानी, फ्रूटी, माजा, लस्सी, पंचमेवा, केला, सेब, नासपती, नवरत्न तेल इत्यादि सामग्री से डाक बमों की बम भोले डाक सेवा समिति के सेवकों द्वारा निस्वार्थ भावना से सेवा की गई। बम भोले डाक सेवा समिति के दिनेश कुमार यादव के अगुवाई में मनोज चौधरी, प्रदीप महारा, भैरो मंडल, रमेश कुमार, कौशल कुमार मंडल, पवन महारा, गौतम कुमार, अमित कुमार, नीतीश रंजन, अभिषेक आलोक, राम कुमार, अजय ,जयराम, कुंदन कुमार, दीपक, राजेश, जिवेश, निर्मल, बादल, नीतीश, बिमल, मोनू, सरोज, गौरव, विशाल, समर, बंधन, शिवम, उदय व अन्य उपस्थित थे।

सिविल सोसायटी के सदस्यों ने दिया दिशोम गुरु को विनम्र श्रद्धांजलि

दुमकरःझारखण्ड अलग राज्य आन्दोलन के प्रनेता राज्यसभा सदस्य,पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व कोयला मंत्री भारत सरकार परम दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से हम सभी अत्यंत शोकाकुल और मर्माहत है।दिशोम गुरु का व्यक्तिगत प्रारम्भिक जीवन काफी संघर्षपूर्ण रहा ।अलग राज्य गठन को लेकर इनके नेतृत्व में वर्षों तक लड़ाई लड़ने के बाद ही हम आज अपने अलग राज्य में रह रहे हैं।उनका सम्पूर्ण जीवन संघर्ष, बलिदान और आदिवासी अस्मिता की बुलंद आवाज रहा। उन्होंने न केवल झारखण्ड की आत्मा को स्वर दिया बल्कि अपने चिंतन,कर्म और नेतृत्व से उसे दिशा भी प्रदान की।वे सिर्फ एक राजनेता नहीं, बल्कि जनजातीय चेतना के पुरोधा, सामाजिक न्याय के प्रबल पक्षधर और जनआंदोलनों के प्रेरणास्त्रोत थे।उन्होंने हर वर्ग की आवाज को सशक्त करने का कार्य किया।झारखण्ड और देश की राजनीति में उनका योगदान अमिट और युगों-युगों तक स्मरणीय रहेगा।1980 में पहली बार दुमका लोकसभा से निर्वाचित हुए, केन्द्रीय कोयला मंत्री के साथ झारखंड में तीन तीन बार मुख्यमंत्री की शपथ दिलाई गई।झारखंड आज एक जमीनी आंदोलनकारी और स्वयं को स्थापित कर नेता बने जननायक की उपाधि भी जिनके लिए कम है ऐसे धरती पुत्र को खो दिया।मनावता के इस महामानव को सिविल सोसायटी दुमका के अध्यक्ष राधेश्याम वर्मा,उपाध्यक्ष प्रेम केशरी,सचिव संदीप कुमार जय बमबम,कोषाध्यक्ष सूरज केशरी,कार्यकारिणी सदस्य लक्ष्मी नारायण साह,अशोक कुमार राउत,रामानंद मिश्र बाबा,रामाकांत साह,राजेश कुमार राउत,अरुण कुमार सिन्हा, अखिलेश झा, संतोष गोस्वामी सहित दुमका की आम जनता विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

दिसोम गुरु शिबू सोरेन के आकस्मिक निधन पर डिस्ट्रिक्ट सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस दुमका में शोक सभा का आयोजन

गरीबों के मसीहा धरती पुत्र दिसोम गुरु शिबू सोरेन के आकस्मिक निधन से झारखंड में जो शून्यता आई है उसे पूरा नही किया जा सकताः महेंद्र राजहंस

दिसोम गुरु शिबू सोरेन के आकस्मिक निधन से झारखण्ड राज्य के एक अभिभावक का अवसान : डॉ दिलीप कुमार झा

दुमकाःदिसोम गुरु शिबू सोरेन के आकस्मिक निधन हो जाने पर डिस्ट्रिक्ट सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, दुमका में प्रभारी प्राचार्य महेन्द्र राजहंस की अध्यक्षता में एक शोक सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गुरु जी के आत्मा की शान्ति के लिए विद्यालय परिवार के सदस्यों द्वारा दो मिनट का मौन भी रखा गया। दिसोम गुरु के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त करते हुए प्रभारी प्राचार्य महेन्द्र राजहंस ने कहा कि गरीबों के मसीहा धरती पुत्र दिसोम गुरु शिबू सोरेन के आकस्मिक निधन से झारखण्ड में जो शून्यता आई है उसे पूरा नही किया जा सकता। राजहंस ने कहा कि दिसोम गुरु के अचानक चले जाने से झारखंड की राजनीति के पुरोधा एवं सबसे बड़े स्तंभ का अवसान हो गया है।कहा कि झारखण्ड राज्य के निर्माण में गुरु जी की प्रमुख भूमिका रही है।मौके पर उपस्थित पूर्व प्रभारी प्राचार्य डॉ दिलीप कुमार झा ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि दिसोम गुरु के आकस्मिक निधन से झारखण्ड राज्य के एक अभिभावक का अवसान हो गया है।डॉ दिलीप ने कहा कि हमने आज एक प्रेरणास्त्रोत मार्गदर्शक खो दिया है।शोक सभा मे उपस्थित इंटर संकाय प्रभारी मुदस्सर सुल्तान, शिक्षक अमित कुमार पाण्डेय, संजीव कुमार सिंह, रूपेश कुमार झा, संजय कुमार सिन्हा, प्रदीप कुमार, अर्चना कुमारी, सुशीला किस्कू, प्रकाश कुमार घोष, शिवराम सिमोन टुडू एवं तरन्नुम परवीन के अलावे विद्यालय के सभी सदस्यों ने दिसोम गुरु के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त करते हुए गहरी सम्बेदना व्यक्त की।

अलीराजपुर में वित्तीय अनियमितता पर 3 लोक सेवक निलंबित

इंदौर (ईएमएस)। संभागायुक्त दीपक सिंह ने जिला अलीराजपुर के उदयगढ़ विकासखण्ड में वित्तीय अनियमितता के मामले में तीन लोक सेवकों को निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई कलेक्टर अलीराजपुर के प्रतिवेदन के आधार पर की गई है। निलंबन के दायरे में तत्कालीन खण्ड शिक्षा अधिकारी गिरधर ठाकरे (वर्तमान प्राचार्य, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लक्ष्मणी), तत्कालीन खण्ड शिक्षा अधिकारी भारत नामदेव (वर्तमान प्राचार्य, कन्या शिक्षा परिसर निसरपुर, जिला धार) और प्रभारी खंड शिक्षा अधिकारी रामसिंह सोलंकी आए हैं। इन तीनों पर खण्ड चिकित्सा अधिकारी कार्यालय, उदयगढ़ में डीडीओ कोड के तहत कपटपूर्ण भुगतान में लापरवाही और वित्तीय अनियमितता में प्रथम दृष्टया संलिप्तता पाई गई है।

दिशोम गुरू शिबू सोरेन के निधन की खबर से शोक में डूबा बोकारो शहर

पार्टी कार्यालय में झुकाये गये झंडे

गुरुजी को अंतिम बिदाई देने नेमरा निकला झामुमो कार्यकर्ताओं का विशाल हुजूम

बोकारो । झारखण्ड के नायक के तौर पर अपनी छवि बनाने वाले और झारखण्ड में महाजनी प्रथ को समूल नष्ट करने वाले दिशोम गुरू शिबू सोरेन के निधन की खबर आज सुबह जैसे ही यहां के लोगों को मिली चारों तरफ जैसे कोहराम मच गया और लोग भारी सदमे में चले गए । क्या छोटा क्या बड़ा हर कोई रोता बिलखता दिशोम गुरू शिबू सोरेन को उनके द्वारा किए गये कृत्यों को याद करते हुए उन्हें झारखण्ड का एक सच्चा सपूत बताया । दूसरी ओर उनके निधन की खबर से झारखण्ड मुक्ति मोर्चा से जुड़े पार्टी कार्यकर्ताओं में भी शोक की लहर दौड़ गयी । शोकाकुल पार्टी कार्यकर्ताओं ने सबसे पहले पार्टी कार्यालयों में पार्टी का झंडा झुकाया । और दिशोम गुरू शिबू सोरेन को अपनी-अपनी ओर से भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी । इसके साथ ही पार्टी कार्यकर्ताओं का एक विशाल हुजूम गुरु जी के पैतृक गांव नेमरा के लिए भी निकला जहां उनका अंतिम संस्कार होना है ।बताते चलें कि दिशोम गुरू शिबू सोरेन का बोकारो से गहरा नाता रहा है । शहर के सेक्टर एक स्थित पूर्व में एस पी आवास के ठीक बगल में उन्हें बोकारो कारखाना प्रबंधन ने एक आवास भी सालों पहले आवंटित किया था । जहां गुरु जी परिवार सहित रहते थे । किसी जमाने में झामुमो की सारी गतिविधियां यहीं से संचालित होती थी । आज गुरु जी के निधन की खबर ने सबको हिलाकर रख दिया । अनेक स्थानों पर लोग उनके निधन की खबर से बिलखते बिलखते बिलखते बिलखते बिलख नजर आए । कई स्थानों पर लोग उनके निधन की खबर सुनकर उनके पैतृक गांव नेमरा के लिए भी निकल चुके हैं ।

मौसमी बीमारियों की रोकथाम हेतु नगर निगम का व्यापक अभियान निरंतर जारी

निगम अमले ने शहर में व्यापक स्तर पर की डेंगू लार्वा की जांच,

कीटनाशक रसायनों का छिड़काव एवं फागिंग भी कराई

भोपाल(ईएमएस)। नगर निगम द्वारा डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया आदि मौसमी बीमारियों की रोकथाम हेतु व्यापक पैमाने पर अभियान निरंतर चलाया जा रहा है। अभियान के तहत निगम अमले द्वारा डेंगू, लार्वा की जांच की जा रही है और व्यापक स्तर पर कीटनाशक दवाओं का छिड़काव, फागिंग व गाजर घास की कटाई कराई जा रही है तथा डेंगू लार्वा पाये जाने पर लार्वा के विनष्टिकरण एवं संबंधितों के विरूद्ध स्पॉट फाईन,जुर्माने की कार्यवाही की जा रही है तथा नागरिकों को बीमारियों से बचाव हेतु समझाइश भी दी जा रही है। इसी तारतम्य में निगम अमले ने समस्त जोन क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले वार्ड क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर फागिंग, स्प्रे कराया, गाजर घास कटवाई। निगम अमले ने डेंगू लार्वा पाये जाने पर 13 प्रकरणों में 04 हजार 200 रूपये की राशि स्पॉट फाईन के रूप में वसूल की।निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन के निर्देश पर निगम के स्वास्थ्य विभाग के अमले ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया की रोकथाम हेतु व्यापक स्तर पर कार्यवाही करते हुए 74 बंगला, तुलसी नगर, वल्लभ भवन पार्किंग क्षेत्र, भीम नगर, तीन मंजिला पुलिस लाईन जहांगीराबाद, बरखेड़ी, गायत्री नगर, राजीव नगर, बैरागढ़ वन ट्री हिल्स, नई बस्ती, जमुनिया भैंसाखेड़ी, सीआरपी बैरागढ़, बैरागढ़ कलां, बेहटा गांव, गीता नगर, शिवनगर फेस-2, दामखेड़ा, प्रेम नगर कालोनी नारियलखेड़ा, सिकंदरी सराय स्टेशन, कुम्हारपुरा, शाहजहांनाबाद पार्क, फिरदौस नगर, गौतम नगर, गीतांजलि कॉलेज रोड, संत कंवरराम कालोनी, दुर्गा विहार कालोनी, गौतम नगर कालोनी, आम्रविहार, इनायतपुर, सौरभ नगर, कटारा हिल्स आदि क्षेत्रों में गाजर घांस की कटाई, कीटनाशक रसायनों का छिड़काव एवं फागिंग कराई।

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने मध्य एवं पश्चिम रेलवे की रेल परियोजनाओं की समीक्षा बैठक अयोजित

मुंबई, (ईएमएस)। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार ने सोमवार को मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्थित चिंतन सम्मेलन कक्ष में मध्य एवं पश्चिम रेलवे की रेल परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस अवसर पर धर्मवीर मीना, महाप्रबंधक, मध्य रेल, विवेक कुमार गुप्ता, महाप्रबंधक, पश्चिम रेलवे, विलास वाडेकर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मुंबई रेलवे विकास निगम (एमआरवीसी), मनोज गर्ग, उपाध्यक्ष, रेल लैंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (आरएलडीए), मध्य एवं पश्चिम रेलवे के अपर महाप्रबंधक, प्रधान विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी, मंडल रेल प्रबंधक (मुंबई मंडल), रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी और एमआरवीसी के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। सतीश कुमार ने विभिन्न रेल परियोजनाओं से संबंधित मामलों पर चर्चा की। उन्होंने आरएलडीए द्वारा किए जा रहे सीएसएमटी स्टेशन के पुनर्विकास से संबंधित चल रहे कार्यों का भी निरीक्षण किया। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने शनिवार, दिनांक 02 अगस्त को पश्चिम रेलवे के खार स्टेशन पर एमआरवीसी द्वारा किए जा रहे स्टेशन सुधार कार्य का निरीक्षण किया।रविवार, दिनांक 03 अगस्त को, सतीश कुमार ने वंदे भारत एक्सप्रेस द्वारा सीएसएमटी से नासिक की यात्रा की और 2027 में नासिक में आयोजित होने वाले सिंहस्थ कुंभ मेले की तैयारियों के तहत कस्बे सुकेने, खेरवाड़ी, ओढ़ा, महाजेनको, देवलाली और नासिक स्टेशनों का निरीक्षण किया। सतीश कुमार ने नासिक में राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ बैठक की और शाम को घाटकोपर स्टेशन का भी दौरा किया। मध्य रेल, पश्चिम रेलवे और मुंबई महानगर क्षेत्र में विकास कार्य कर रही विभिन्न एजेंसियों के साथ आयोजित एक संयुक्त बैठक में, श्री सतीश कुमार ने संरक्षा पर पूर्ण और निरंतर ध्यान केंद्रित करने की बात दोहराई और रिकॉर्ड समय में खड़की और हडपसर स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए मध्य रेल द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। बैठक का मुख्य फोकस क्षमता वृद्धि और नवीन समाधानों के माध्यम से यात्रियों के लिए अतिरिक्त ट्रेन सेवाओं के साथ बेहतर सुविधाओं का प्रावधान और चल रहे कार्यों को शीघ्र पूरा करना था। सतीश कुमार ने मेगा कोचिंग कॉम्प्लेक्स कार्यों की प्रगति और मेल एक्सप्रेस और लोकल ट्रेनों दोनों के लिए यात्री वहन क्षमता बढ़ाने की तैयारियों की समीक्षा की। विकसित भारत 2047 की दिशा में आगे के रास्ते और उसमें भारतीय रेल के योगदान के लिए एक विस्तृत प्रस्तुति भी दी गई। एमएमआर क्षेत्र में 15 डिब्बों वाली लोकल ट्रेनों के विस्तार जैसे तात्कालिक समाधानों की समीक्षा की गई और उन्हें संतोषजनक पाया गया। सतीश कुमार ने समग्र यात्री संरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए कार्यों को शीघ्र और इष्टतम रूप से पूरा करने पर जोरदिया। मीडियाकर्मियों के साथ एक संक्षिप्त बातचीत के दौरान, सतीश कुमार ने सीएसएमटी पुनर्विकास कार्य की स्थिति के बारे में बात की और यात्री संरक्षा तथा कार्य की गुणवत्ता पर निरंतर ध्यान केंद्रित करने की बात दोहराई। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सतीश कुमार ने सोमवार को जोगेश्वरी (एटी) यार्ड का निरीक्षण भी किया। उन्होंने जोगेश्वरी (एटी) में नए कोचिंग टर्मिनल के चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की।

डीएम ने सुनी जनसमस्याएं, अधिकांश शिकायतों का मौके पर निराकरण

देहरादून (ईएमएस)। जिलाधिकारी सविन बसंल की अध्यक्षता में प्रत्येक सोमवार की भांति इस सोमवार को भी क्लेक्ट्रेट सभागार में जनता दरबार लगाकर जन समस्याएं सुनी गई। जनता दरबार में पहुंचे अधिकांश फरियादियों ने भूमि और घरेलू विवाद के मामले प्रमुखता से रखे। इसके अतिरिक्त मुआवजा, आर्थिक सहायता, सड़क, पेयजल, एमडीडीए, नगर निगम, पुलिस, परिवहन, शिक्षा, रोजगार आदि से जुड़ी 116 समस्याएं जिलाधिकारी के समक्ष रखी। जिसमें से अधिकांश शिकायतों का जिलाधिकारी ने मौके पर निराकरण किया। जनसुनवाई में अरूण कुमार गोयल ने शिकायत की अेलमेड अस्पताल और उसके डॉक्टरों द्वारा झूठी डीओपीआर, झूठी जांच परीक्षण रिपोर्टो द्वारा मिली भगत से राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण देहरादून से झूठा बिल भुगतान प्राप्त किया है। मुख्य चिकित्साधिकारी देहरादून की जांच आख्या में वेलमेड अस्पताल के फर्जीवाडे के तथ्य उदघटित हुए हैं। उन्होनें डीएम ने से दोषियों को दण्ड देने का अनुरोध किया। जिस पर डीएम ने अपर जिलाधिकारी वित्त एंव राजस्व, को कार्यवाही के निर्देश सीएमओ से मांगी रिपोर्ट मांगते हुए क्लीनिकल एस्टेबलिश एक्ट के अन्तर्गत कार्यवाही के निर्देश दिए। बुजुर्ग महेन्द्र सिंह ने जिलाधिकारी को अपनी फरियाद सुनवाई कि उन्होंने निरंजनपुर में 58.50 लाख में भवन खरीदा पूर्व भवन स्वामी का ऋण चुकाया तथा नो ड्यूज सर्टीफिकेट लिया। अब विक्रेता उन्हें कब्जा व घर में घुसने नही दे रहा है, जिस पर जिलाधिकारी ने एसडीएम सदर को रैंट कन्ट्रोलर एक्ट में मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए। बुजुर्ग रमेश चन्द्र सकलानी अपनी शिकायत में बताया कि 1 वर्ष से दुरूस्तीवाद के लिए चक्कर काट रहे हैं किन्तु समाधान नही हो पाया जिस पर डीएम ने एसडीएम को जल्द वाद निस्तारित करने के निर्देश दिए।

गलत तरीके से राशन कार्ड बनाने में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही के निर्देश

देहरादून (ईएमएस)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा सभी जिलाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि प्रदेश में जिन लोगों ने गलत तरीके से राशन कार्ड, आधार कार्ड, वोटर कार्ड, आयुष्मान कार्ड और अन्य दस्तावेज प्राप्त किए हैं, तथा ऐसे कार्ड बनाने में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाए। मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारियों द्वारा इस संबंध में कार्यवाही की जा रही है। अब तक जिलाधिकारी पौड़ी, बागेश्वर एवं देहरादून द्वारा निरस्त किए गए अपात्र राशन कार्डों का विवरण उपलब्ध कराया गया है। जिसमें जनपद पौड़ी में राशन कार्ड सत्यापन के अंतर्गत 961 अपात्र कार्डधारकों के राशन कार्ड निरस्त किए गए हैं। जनपद बागेश्वर में 5307 तथा देहरादून में 3332 राशन कार्ड निरस्त किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में राशन कार्ड, आधार कार्ड, वोटर कार्ड एवं आयुष्मान कार्ड आदि धारकों की सही पहचान करना जरूरी है, ताकि पात्र व्यक्तियों को ही योजनाओं का लाभ अनुमन्य हो सके। इससे प्रदेश में योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में मदद मिलेगी तथा फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जन सुविधायें प्राप्त करने वालों की पहचान हो सकेगी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर सभी जिलाधिकारियों द्वारा जनपद स्तर पर राशन कार्ड, आधार कार्ड, वोटर कार्ड एवं आयुष्मान कार्ड का सत्यापन अभियान सघनता से संचालित किया जा रहा है।

रोजगार मेले में 163 युवाओं को मिला रोजगार

इंदौर (ईएमएस)। इंदौर जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार देने के उद्देश्य से सोमवार को नंदा नगर स्थित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में युवा संगम रोजगार मेले का आयोजन किया गया। जिला रोजगार कार्यालय, आईटीआई और जिला उद्योग केंद्र के सामूहिक प्रयास से आयोजित इस मेले में कुल 163 युवक-युवतियों का विभिन्न पदों पर प्रारंभिक रूप से चयन किया गया।इस एक दिवसीय रोजगार मेले में 18 कंपनियों ने भाग लिया, जिनके 500 विभिन्न रिक्त पदों के लिए साक्षात्कार आयोजित किए गए। कुल 252 पंजीकृत आवेदकों में से 163 युवाओं का चयन हुआ, जिनमें 37 युवतियां और 126 युवक शामिल थे। इन आवेदकों का चयन एचआर, सेल्स एक्जीक्यूटिव, डिजिटल मार्केटिंग, टेलीकॉलर, फिटर, वेल्डर और ऑपरेटर जैसे विभिन्न पदों के लिए किया गया।इस मेले में रोजगार के अलावा अन्य महत्वपूर्ण पहल भी की गईं। स्वरोजगार के इच्छुक 24 आवेदकों को शासन द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई और उन्हें अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अतिरिक्त, 6 आवेदकों को अप्रेंटिसशिप योजना के तहत कंपनियों में भेजा गया। युवा संगम में आए 10 आवेदकों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आभा कार्ड भी बनाकर दिए गए।

पनवेल में लेडीज डांस बार में तोड़फोड़ मामले में 8 मनसे पदाधिकारी गिरफ्तार

नवी मुंबई, (ईएमएस)। दो दिन पूर्व मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे की चेतावनी के बाद मनसे कार्यकर्ताओं ने पनवेल स्थित नाइट राइडर ऑर्केस्ट्रा और बार में तोड़फोड़ की थी। इसका वीडियो वायरल हुआ था। इस तोड़फोड़ के बाद मनसे कार्यकर्ता वहां से भाग गए थे। इस मामले में पनवेल तालुका पुलिस ने मनसे नेता योगेश चिले समेत 15 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। अब पुलिस ने योगेश चिले समेत 8 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। आपको बता दें कि राज ठाकरे ने पनवेल में हुई एक बैठक में डांस बार का मुद्दा उठाया था। इसके बाद मनसे कार्यकर्ता आक्रामक हो गए और शनिवार रात पनवेल के कोनगांव स्थित नाइट राइडर लेडीज डांस बार में तोड़फोड़ की। बार को काफी नुकसान पहुंचाया गया। इसके बाद पुलिस ने 15 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। अब पुलिस ने इस मामले में मनसे नेता योगेश चिले समेत 8 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय दुमका के सभागार में शोकसभा का आयोजन

दुमकाःप्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय दुमका के सभागार में सोमवार को झारखंड की राजनीति, समाज और संस्कृति के अप्रतिम शिल्पकार, दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर गहन शोक व्यक्त करते हुए शोक सभा का आयोजन किया गया। इस शोकसभा की अध्यक्षता प्रमंडलीय आयुक्त लालचन्द डाडेल ने की।शोक सभा की शुरुआत दिशोम गुरुजी शिबू सोरेन जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर और दो मिनट के मौन धारण करते हुए श्रद्धांजलि के साथ की गई। उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मियों ने इस दुखद घड़ी में राष्ट्र, राज्य एवं विशेष रूप से आदिवासी समाज एवं झारखण्ड को हुई इस अपूरणीय क्षति पर शोक प्रकट किया।प्रमंडलीय आयुक्त लालचन्द डाडेल ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि एक आंदोलन के प्रतीक थे। उन्होंने झारखंड के आदिवासी समाज समेत सभी वंचित समाज के लोगों को पहचान, अधिकार और स्वाभिमान दिलाने के लिए जीवन पर्यंत संघर्ष किया। उनका पूरा जीवन समाज के वंचित, शोषित एवं उपेक्षित वर्गों की सेवा में समर्पित रहा। उनके विचार और सिद्धांत आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत रहेंगे। शिबू सोरेन का जन्म 11 जनवरी 1944 को उत्तरी छोटानागपुर प्रमण्डल के रामगढ़ जिला क्षेत्र के नेमरा गाँव में हुआ था।उन्होंने सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध आवाज बुलंद की और आदिवासियों के भूमि अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वशासन के लिए उल्लेखनीय योगदान दिया। झारखण्ड राज्य के निर्माण में उनके कृत योगदान को कभी भूलाया नहीं जा सकता है।वे तीन बार झारखंड के मुख्यमंत्री बने और भारत सरकार में कोयला मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहे। लोकसभा एवं राज्यसभा में भी उन्होंने झारखंड की बात को पूरे देश के सामने दृढ़ता से रखी।शोक सभा में उपस्थित अधिकारियों ने अपने-अपने विचार साझा किए।आयुक्त के सचिव अमित कुमार ने कहा कि दिशोम गुरुजी के नेतृत्व में झारखंड की आत्मा को आवाज मिली। शिबू सोरेन का जीवन आदिवासी अस्मिता का प्रतीक रहा। उन्होंने संथाली, मुंडारी, उरांव, हो और अन्य जनजातीय समाजों के साथ-साथ सभी वंचित समाजों के सांस्कृतिक गौरव को पुनर्जीवित करने का कार्य किया। उनकी भाषा, वेशभूषा और परंपराओं को मान्यता दिलाने में उनकी अग्रणी भूमिका रही।क्षेत्रीय विकास पदाधिकारी विभूति मंडल ने कहा कि उनके निधन से न केवल झारखंड बल्कि संपूर्ण भारत ने एक युगद्रष्टा नेता और समाज सुधारक को खो दिया है सभा का समापन करते हुए प्रमंडलीय आयुक्त डाडेल ने दिवंगत आत्मा की शांति हेतु सभी से सामूहिक प्रार्थना करने का आग्रह किया। इस दौरान प्रशाखा पदाधिकारी राजेश कुमार, मो अमजद हुसैन, प्रमोद कुमार मुर्मू, सहायक प्रशाखा पदाधिकारी सह आयुक्त के निजी सहायक सौरभ कुमार तिवारी, नाजिर आदित्य अभिषेक, विधान चक्रवर्ती, भादू देहरी, शुभम सौरभ, राहुल हांसदा, बाबूराम हेम्ब्रम, बाबुचाँद मुर्मू, आलम हांसदा, राजकिशोर मांझी, कुंदन कुमार, पंचानंद झा, प्रकाश राम, परमानंद रजक, परीक्षित शील, जलधर महाता आदि उपस्थित थे।

संपादकीय

कोयलांचल संवाद

दुनिया को डुबाने में लगे ट्रंप पर भारी पड़ेगा टैरिफ वार

किसी भी सेवक के लिए अपना राष्ट्र सर्वोपरी और सर्वप्रथम होना ही चाहिए। इसमें किसी को कोई आपत्ति भी नहीं होगी, लेकिन इसके नाम पर अन्य देशों को हीन और तुच्छ समझा जाना, उन्हें नीचा दिखाना उचित नहीं ठहराया जा सकता है। वहीं खुद लाभ कमाना और दूसरे को घाटे में डालना, ऐसी व्यापार-नीति अच्छी नहीं मानी जा सकती है। इसका दूरगामी परिणाम स्वयं के लिए भी घातक साबित होगा। कुछ ऐसा ही काम इन दिनों अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने फैसलों और बयानों के जरिए करते देखे जा रहे हैं। दरअसल राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी चिर-परिचित शैली में भारत सहित दुनियां के अनेक देशों पर 25 फीसद टैरिफ और रूस से व्यापार करने पर सख्त आर्थिक दंड लगाने की जो घोषणा की है, उससे एक बार फिर वैश्विक अर्थव्यवस्था में हलचल मच गई है। यह भी सही है कि ट्रंप अपने बयानों पर कायम नहीं रह पाते हैं, ऐसे में भरोसा भी नहीं होता कि वो कब क्या कहेंगे और कब क्या लागू करेंगे। इसलिए टैरिफ लगाने का यह फैसला जितना अचानक था, उससे कहीं अधिक राजनीतिक और आर्थिक संबंधों को अस्थिर करने वाला भी साबित हो सकता है। खासकर तब जबकि दुनिया एक ओर मंदी के खतरे से जूझती नजर आ रही हो और दूसरी ओर अमेरिका खुद उच्च मुद्रास्फीति और आर्थिक अस्थिरता के दौर से गुजर रहा हो। इसे लेकर कनाडाई कारोबारी और टेस्टबेड के चेयरमैन किर्क लुबिमोव ने ट्रंप नीति की तीखी आलोचना भी की है। उनका मानना है कि भारत को टैरिफ और जुर्माने के जरिए निशाना बनाना अमेरिका की रणनीतिक प्राथमिकताओं के खिलाफ जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा है, कि भारत आज सिर्फ एक तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था नहीं है, बल्कि यह अमेरिका के लिए चीन के दबदबे को संतुलित करने की दिशा में एक संभावित साझेदार भी है। लुबिमोव की यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जबकि भारत वैश्विक सप्लाई चेन में चीन के विकल्प के तौर पर तेजी से उभर रहा है। यह तो सभी जानते हैं कि चीन ने जिस तरीके से वैश्विक बाजार में अपनी पैठ बनाई है, उससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को खासा नुक्सान पहुंचा है। चीन एवं अन्य ताकतवर देशों से आर्थिक तौर पर निपटने की बजाय ट्रंप ने टैरिफ नीति लांच कर बतला दिया कि उन्हें इससे उबरना नहीं आ रहा है। इसलिए कमजोर को और कमजोर बनाने और उभरती अर्थव्यवस्थाओं को कुचलने जैसे फैसले ले लिए गए हैं। वैसे अमेरिका के इस कदम से दुनियां में व्यापारनीति को लेकर भी गंभीरता से विचार-विमर्श किया जाने लगा है। नतीजे में डॉलर की जगह अन्य मुद्रा को मजबूत करने जैसी बातें भी होने लग गई हैं। ब्रिक्स ने इसकी शुरुआत भी कर दी है, जिसे लेकर ट्रंप भी चिंतित हैं, लेकिन चिंता का समाधान वो अपने सहयोगी देशों की पीठों पर कोड़े चलाकर निकालने का दुस्साहस कर रहे हैं। इससे यदि यह समझा जा रहा है कि अमेरिका अपने अंदरुनी संकट से उबर जाएगा तो यह सिरे से ही गलत है, क्योंकि समाधान वैश्विक स्तर पर ही संभव है। इसलिए टैरिफ वार रोक कर नए रास्ते खोजने होंगे। यह भी सोचने वाली बात है कि वैश्विक बाजार खत्म नहीं हो रहा है, बल्कि उसका उपयोग कौन कैसे करे इस पर विचार किया जाना चाहिए। बदलती रणनीति और वैश्विक स्थिति को ध्यान में रखते हुए भारत वर्तमान में रुस से कच्चे तेल का दूसरा सबसे बड़ा आयातक बन चुका है। देखने वाली बात है कि यूक्रेन युद्ध से पहले यह आयात नगण्य समान था, लेकिन अब यह भारत के कुल तेल आयात का 35 फीसद से अधिक हो गया है। ऐसे में अमेरिका की यह कोशिश कि भारत रूसी तेल से दूरी बनाए, न सिर्फ अव्यावहारिक है बल्कि संप्रभुता पर भी हस्तक्षेप करने जैसा है। इसके अलावा, एक तरफ तो ट्रंप भारत को अच्छा मित्र बताते हैं वहीं दूसरी तरफ वो डेड इकोनॉमी जैसा अपमानजनक टैग भी भारत को ही दे देते हैं। ये तो वो भी जानते हैं कि जो वो कह रहे हैं वो सिर्फ नारा है जो तथ्यात्मक रूप से गलत है, बल्कि यूं कहा जाए कि यह भारत-अमेरिका संबंधों में खटास बढ़ाने जैसा है, तो गलत नहीं होगा। राष्ट्रपति ट्रंप के इस बयान के तुरंत बाद ही भारत सरकार की ओर से भी तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने संसद में स्पष्ट किया कि भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और जल्द ही यह अमेरिका और चीन के बाद तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी बनने की ओर अग्रसर है। इसी के साथ उन्होंने यह भी बतलाया कि भारत वैश्विक जीडीपी वृद्धि में 16 फीसद तक का योगदान दे रहा है और यह "डेड इकोनॉमी" नहीं बल्कि "ग्रोथ इंजन" है। भारत के डिजिटल, वित्तीय और औद्योगिक सुधारों ने इसे वैश्विक निवेश का एक प्रमुख गंतव्य बना दिया है। यहां विचारणी यह भी है कि अमेरिका के दूसरी बार राष्ट्रपति बने ट्रंप ने सबसे पहले अपने ही पड़ोसी मुल्कों को डराने और धमकाने का काम किया था, जिसे लेकर उन्हें उसी भाषा में जवाब भी मिला। इसके बाद उनकी नीतियां बदल गईं, लेकिन सुर वही रहे, उन्होंने कार्रवाई तो नहीं की लेकिन व्यंग्य करना नहीं छोड़ा। इसलिए ट्रंप ने यह पहली दफा किया हो ऐसा नहीं है, इससे पहले भी टैरिफ और व्यापार युद्धों के जरिए अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाने की कोशिश वो खूब कर चुके हैं। फिर चाहे वह चीन हो, यूरोपीय संघ हो या मेक्सिको। लेकिन इन प्रयासों का नतीजा अमेरिकी उपभोक्ताओं पर महंगाई के रूप में देखने को मिलता रहा है। अमेरिकी विश्लेषकों ने भी पाया कि टैरिफ युद्ध का सबसे बड़ा नुकसान अमेरिका की खुद की अर्थव्यवस्था को होता है, क्योंकि इससे आयात महंगा होता है, रोजगार पर असर पड़ता है और वैश्विक बाजारों में अमेरिकी उत्पादों की प्रतिस्पर्धा घटती है। कीमतों के बढ़ने के साथ ही वस्तु की मांग घट जाती है और इसका वैश्विक बाजार पर खासा असर होता है। इससे आखिर अमेरिका अछूता कैसे रह सकता है। कुल मिलाकर यह टैरिफ वार ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट नीति का हिस्सा तो कतई नहीं हो सकता है, क्योंकि इससे लाभ की जगह नुक्सान ज्यादा होने वाला है। वैसे भी दुनियां जब एक गांव में तब्दील हो चुकी हो तब ऐसे वैश्विक साझेदारी के युग में पुराने जमाने की नीति कैसे सफल हो सकती है? भारत जैसे महान लोकतांत्रिक, विशाल और उभरते बाजार को आंख दिखाना अमेरिका के लिए दीर्घकालिक कूटनीतिक और आर्थिक आत्मघात जैसा हो सकता है। इस नीति से भले ही ट्रंप ने चुनावी जनसमर्थन हासिल कर लिया हो, लेकिन यह अमेरिका को विश्व मंच पर एक गैर-विश्वसनीय और एकपक्षीय शक्ति के रूप में स्थापित कर रही है। दूसरी ओर भारत, अपनी आर्थिक प्रगति और वैश्विक संबंधों के प्रति संतुलित दृष्टिकोण के जरिए एक स्थिर और जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रहा है। अंततः ट्रंप को समझना होगा कि मौजदू सदी में दुनियां भू-राजनीति टैरिफ और धमकियों से नहीं, बल्कि आापसी साझेदारी और समझ से संचालित होती है, वर्ना यह टैरिफ वार उन्हीं पर भारी पड़ सकता है।

चिंतन-मनन

सांख्य और कर्मयोग का संबंध

भौतिक जगत के विश्लेषणात्मक अध्ययन (सांख्य) का उद्देश्य आत्मा को प्राप्त करना है। भौतिक जगत की आत्मा विष्णु या परमात्मा है. भगवान की भक्ति का अर्थ परमात्मा की सेवा है। एक विधि से वृक्ष की जड़ खोजी जाती है और दूसरी विधि से उसको सींचा जाता है। सांख्य दर्शन का वास्तविक छात्र जगत के मूल अर्थात विष्णु को ढूंढता है, और फिर पूर्णज्ञान समेत अपने को भगवान की सेवा में लगा देता है। अतः मूलतः इन दोनों में कोई भेद नहीं है क्योंकि दोनों का उद्देश्य विष्णु की प्राप्ति है। जो लोग चरम उद्देश्य को नहीं जानते, वे ही कहते हैं कि सांख्य और कर्मयोग एक नहीं है। किंतु जो विद्वान है, वह जानता है कि इन दोनों भिन्न विधियों का उद्देश्य एक है। दार्शनिक शोध (सांख्य) का वास्तविक उद्देश्य जीवन के चरम लक्ष्य की खोज है। चूंकि जीवन का चरम लक्ष्य आत्म-साक्षात्कार है, अतः दोनों विधियों से प्राप्त होने वाले परिणामों में कोई अन्तर नहीं है। वस्तुतः जो पदार्थ से विरक्ति व कृष्ण में आसक्ति को एक तरह देखता है, वही वस्तुओं को यथारूप में देखता है। मायावादी संन्यासी सांख्य दर्शन के अध्ययन में लगे रहते हैं तथा वैष्णव संन्यासी वेदान्त सूत्रों के यथार्थ भाष्य भागवत दर्शन के अध्ययन में लगे रहते हैं। वैष्णव संन्यासियों को भौतिक कार्य से कोई सरोकार नहीं रहता, तो भी वे भगवान की भक्ति में नाना प्रकार के कार्य करते हैं। किन्तु मायावादी संन्यासी, जो सांख्य तथा वेदान्त के अध्ययन व चिन्तन में लगे रहते हैं, भगवान की दिव्य भक्ति का आनन्द नहीं उठा पाते। उनका अध्ययन अत्यन्त जटिल हो जाता है, अतः वे कभी-कभी ब्रह्म चिन्तन से ऊबकर समुचित बोध बिना ही भागवत की शरण ग्रहण करते हैं।

शिबू सोरेन : 'संथाल हूल' के विस्तार की से राजनीतिक शुरुआत

सुधीर पाल

1855 में जब सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, और फुलो-झानो ने 'दामिन-ए-कोह' की धरती पर अंग्रेज़ी राज, महाजनों और जमींदारों के खिलाफ बगावत का बिगुल फूंका, तो वह सिर्फ हथियारबंद विद्रोह नहीं था, वह एक नई शासन व्यवस्था की माँग थी—जिसमें आदिवासी समाज अपने तरीके से जी सके, अपने नियम बना सके और अपनी ज़मीन, जंगल और संस्कृति की रक्षा कर सके। इसी विचार की एक और कड़ी शिबू सोरेन की चेतना में दिखाई देती थी। शिबू सोरेन का प्रारंभिक संघर्ष भी बिल्कुल वैसा ही था जैसा संथाल विद्रोह का — महाजनों के खिलाफ, ज़मींदारों के शोषण के खिलाफ, और पुलिसिया अत्याचारों के विरुद्ध। उन्होंने 'धान काटो आंदोलन', जंगल में समाज सुधार सभाएं, शराबबंदी अभियान, बाल विवाह विरोधी आंदोलन जैसे सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम चलाए। शुरुआत में उनका आंदोलन उग्र था — हिंसा भी हुई, पुलिस से टकराव हुआ। लेकिन फिर के.बी. सक्सेना जैसे अधिकारियों के हस्तक्षेप और शिबू सोरेन की वैचारिक परिपक्वता के कारण यह आंदोलन लोकतांत्रिक दिशा में मुड़ा। जहाँ संथाल विद्रोह में राजा की जगह आदिवासी ग्राम प्रमुख की कल्पना थी, वहीं शिबू सोरेन के आंदोलन में भी गांवों की संप्रभुता की मांग थी। जहाँ संथाल विद्रोह में हूल था, वहाँ शिबू सोरेन के आंदोलन में हुंकार थी—लेकिन उद्देश्य एक था-हम अपनी ज़मीन, जंगल और आत्मा पर किसी बाहरी सत्ता को स्वीकार नहीं करेंगे। शिबू सोरेन सिर्फ एक नेता नहीं हैं, वे उस क्रांति का नाम हैं, जो ज़मीन की गंध से उठी थी और संसद तक पहुंची। जब भारत की राजनीति में हाशिए पर खड़े समुदायों की बात होती है, तो झारखंड के आदिवासियों की पीड़ा और प्रतिरोध की गाथा में एक नाम सबसे पहले उभरता है—शिबू सोरेन। वे सिर्फ एक राजनेता नहीं, बल्कि झारखंड के जनांदोलन के प्रतीक हैं। उनका जीवन, उनके विचार और उनके संघर्ष आदिवासी अस्मिता, जमीन, जंगल और जल की रक्षा के लिए खड़े हुए उस विराट आंदोलन का हिस्सा है, जिसने एक राज्य को जन्म दिया और हाशिए पर खड़े लोगों को आवाज़ दी।

एक समय नक्सली, फिर जन नेता

शिबू सोरेन का शुरुआती जीवन एक तरह से विद्रोही राजनीति की गोद में पला। उन्होंने जमींदारी, महाजनी और बाहरी तत्वों के खिलाफ आवाज़ बुलंद की। उन्होंने आदिवासी किसानों को इकट्ठा कर धनकुबेरों की जमीनों पर हल चलाने की मुहिम शुरू की। यह आंदोलन कई बार हिंसक भी हुआ। सरकारी दस्तावेज़ों में उनका नाम खतरनाक तत्वों की सूची में आ गया। पुलिस उन्हें पकड़ नहीं पा रही थी, लेकिन जनता उन्हें गुरुजी के नाम से जानने लगी थी। कई दस्तावेज बताते हैं कि वे नक्सलपंथी विचारधारा की ओर आकर्षित थे। लेकिन तभी उनकी मुलाकात हुई—के.बी. सक्सेना जैसे ईमानदार और संवेदनशील नौकरशाह से, जो उस वक्त बिहार सरकार में पदस्थ थे और बाद में भारत सरकार में सचिव बने। सक्सेना ने शिबू से कहा—तुम्हारी लड़ाई सही है, लेकिन रास्ता गलत है। अगर तुम्हें वाकई अपने लोगों को न्याय दिलाना है, तो बंदूक नहीं, संसद का रास्ता अपनाओ।

यह सलाह शिबू के जीवन का मोड़ बनी। उन्होंने आत्मनिरीक्षण किया और फैसला किया कि वे बंदूक की जगह वोट की ताकत से लड़ाई लड़ेंगे।

हूल बनाम हुंकार: दो युग, एक चेतना

जब भारत के आदिवासी आंदोलनों का इतिहास लिखा जाएगा, तो उसमें दो प्रमुख मोड़ हमेशा उभर कर सामने आएंगे,पहला, 1855 का संथाल विद्रोह और दूसरा, 1970–2000 के झारखंड आंदोलन का उत्कर्ष, जिसका नेतृत्व शिबू सोरेन ने किया। इन दोनों संघर्षों के समय, परिप्रेक्ष्य और रणनीतियाँ भिन्न हो सकती हैं लेकिन मूल चेतना, उद्देश्य और अस्मिता की रक्षा की भावना एक ही थी। संथाल हूल तत्कालीन ब्रिटिश राज, महाजनी शोषण और ज़मींदारी व्यवस्था के खिलाफ आदिवासी समाज की पहली संगठित प्रतिक्रिया थी। संथालों को उनकी ज़मीन से बेदखल किया जा रहा था, उन पर टैक्स थोपा जा रहा था, और महाजन उन्हें सूदखोरी के जाल में फंसा रहे थे। यह केवल अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह नहीं था, बल्कि एक समांतर शासन व्यवस्था की स्थापना का प्रयास भी था। सिदो-कान्हू ने घोषणा की थी कि अब वे ब्रिटिश राज से स्वतंत्र हैं, और संथाल क्षेत्र अब उनके अपने पारंपरिक प्रमुखों के नियंत्रण में रहेगा। उन्होंने ग्रामसभाओं की बैठकें और सामूहिक निर्णय प्रणाली को सक्रिय किया यानी एक वैकल्पिक, लोक-आधारित शासन मॉडल। हूल का प्रमुख लक्ष्य था जमीन की रक्षा। महाजनी और जमींदारी शोषण का प्रतिरोध और सांस्कृतिक और सामाजिक ढांचे की पुनः स्थापना। संथाल विद्रोह ने एक परंपरागत गणराज्य की कल्पना की थी। शिबू सोरेन ने ग्राम सभा की सर्वोच्चता, पेसा अधिनियम, और जनजातीय स्वशासन की धारणा को संवैधानिक पहचान दिलाने का प्रयास किया।

1970 के दशक में शिबू सोरेन के नेतृत्व में झारखंड आंदोलन ने रफ्तार पकड़ी। इस आंदोलन का उद्देश्य था—अलग झारखंड राज्य की स्थापना, ताकि आदिवासी बहुल इलाकों को उनकी सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक पहचान मिल सके। 1972 में एके राय और बिनोद बिहार महतो के साथ मिलकर उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) की स्थापना की। यह पार्टी आदिवासियों की आवाज़ बनी। शिबू सोरेन ने जेएमएम के बैनर तले भूमि सुधार, वन अधिकार, और आदिवासी स्वशासन की माँग को लेकर आंदोलन चलाया। उनका आंदोलन सिर्फ भाषण नहीं था, वह आम जनता की चेतना का आंदोलन था। ग्रामीण क्षेत्रों में वह घर-घर जाकर लोगों को जगाते, बैठकें करते, और गीतों के ज़रिए लोगों को एकजुट करते। आदिवासी डोंग जैसे परंपरागत वाद्य यंत्रों की ध्वनि और शिबू के नारों की गूंज मिलती तो जंगल भी गवाह बन जाते। ज़मीन और खनिज पर हक हूल और हुंकार दोनों के संघर्ष का केंद्र विंदु रहा। संथालों ने ज़मीन के लिए जान दी। संथाल हूल ने अस्मिता को जमीन से जोड़ा था। शिबू सोरेन ने संविधान के माध्यम से यही बात दोहराई—जंगल, जल, जमीन पर पहला हक़ आदिवासी का है। 1855 में संथालों की जमीन हड़पी जा रही थी। 1970 के बाद झारखंड में खनिज लूट के नाम पर जमीन अधिग्रहण, वन भूमि पर कब्जा, और विस्थापन की प्रक्रिया तेज़ हो गई। शिबू सोरेन ने कहा—झारखंड का खनिज झारखंडी का होना चाहिए। भूमि अधिग्रहण, खनिज लीज और विस्थापन के मुद्दे दोनों कालखंडों में प्रासंगिक रहे। शिबू सोरेन के आंदोलन ने भी आदिवासी भाषा, लिपि, रीति-नीति को सरकारी मान्यता दिलाने का प्रयास किया। शिबू सोरेन का आंदोलन इसके खिलाफ जनाधिकार का प्रतीक बना।

एक विद्रोही की जन्मकथा

शिबू सोरेन का जन्म 11 जनवरी 1944 को बिहार (अब झारखंड) के हजारीबाग (अभी रामगढ़) जिले के नेमरा गाँव में हुआ था। उनके पिता सोबन सोरेन को महाजनों ने पीट-पीट कर मार डाला, क्योंकि उन्होंने बगैर ब्याज के ऋण लौटाने का साहस किया था। यह घटना शिबू के भीतर गुस्से की ऐसी आग भर गई, जो आगे चलकर जन आंदोलन की चिंगारी बन गई। यहीं से उनकी चेतना का रूपांतरण हुआ—एक बालक जो खेती करता था, जो जंगलों में महुआ बीनता था, धीरे-धीरे एक सामाजिक कार्यकर्ता और फिर विद्रोही बन गया। उस समय संथाल परगना और आसपास के इलाकों में महाजन और जमींदार आदिवासियों का शोषण कर रहे थे। जमीनों पर कब्जा हो रहा था, और आदिवासी अपने ही जंगल में परदेसी बनते जा रहे थे।

संघर्ष से सत्ता तक

शिबू सोरेन ने 1980 में पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। उन्होंने दुमका से लोकसभा सांसद बनकर संसद में प्रवेश किया। यह एक ऐतिहासिक क्षण था—एक ऐसा व्यक्ति जो कभी सरकारी फाइलों में अपराधी लिखा जाता था, अब संसद में अपनी जनता की बात रखने वाला जननायक बन गया। इसके बाद 1989, 1991, 1996, 2002, 2004 और 2009 में भी वे सांसद बने। केंद्र सरकारों में उन्हें कोयला मंत्री और जनजातीय मामलों के मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद मिले। उनके प्रयासों से कई जनजातीय क्षेत्रों में योजनाएं लागू हुईं, स्कूल खुले, सड़कें बनीं और वन अधिकार कानून की दिशा में भी माहौल बना। लेकिन उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि थी—झारखंड राज्य का निर्माण।

विवाद और संकट

शिबू सोरेन का राजनीतिक जीवन विवादों से अछूता नहीं रहा। 1994 में शशि नाथ झा हत्याकांड, 2004 में कोयला घोटाले और 2005 में राज्यसभा चुनाव में कैश फॉर वोट जैसे विवादों में उनका नाम आया। कुछ मामलों में वे दोषमुक्त हुए, तो कुछ में उन्हें इस्तीफा भी देना पड़ा। लेकिन इन संकटों ने उनकी लोकप्रियता को कभी पूरी तरह समाप्त नहीं किया। उनकी सादगी, धरातल से जुड़ाव और आदिवासी हितों के लिए संघर्ष करने की पहचान ने उन्हें बार-बार पुनः स्थापित किया।

एक प्रतीक, एक प्रेरणा

झारखंडी समाज उन्हें गुरुजी कहता है। वे सिर्फ एक नेता नहीं रहे, बल्कि एक संस्कृति, एक भावना और एक चेतना बन गए हैं। वे जंगल के हैं, पर संसद को जंगल की आवाज़ देना जानते हैं। वे मिट्टी के हैं, पर मिट्टी को संविधान से जोड़ने की ताकत रखते हैं।

उनका जीवन आदिवासी युवाओं को सिखाता है कि संघर्ष करें, पर रास्ता सोच-समझ कर चुनें। वह यह भी बताते हैं कि सत्ता में आकर भी मूल सवालों को न भूलें—जमीन, भाषा, संस्कृति, स्वशासन और आत्मसम्मान।

जंगल की राजनीति से जनतंत्र की यात्रा

शिबू सोरेन का जीवन एक दार्शनिक पाठ की तरह है। यह बताता है कि राजनीति केवल कुर्सी का खेल नहीं, बल्कि संघर्षों से उपजा जनविश्वास है। उन्होंने जंगलों से निकलकर संसद का रास्ता तय किया, लेकिन जंगल की खुशबू कभी नहीं छोड़ी।उनकी कहानी हमें सिखाती है कि राजनीति तब तक जीवित है जब तक उसमें समाज की पीड़ा के प्रति संवेदना हो।

एक विचारधारा की लंबी यात्रा

संथाल विद्रोह और शिबू सोरेन का आंदोलन एक ही श्रृंखला की दो कड़ियाँ हैं। एक चेतना जो हम अपने मालिक खुद हैं के विश्वास से जन्मी थी। फर्क केवल समय, भाषा, राजनीति और रणनीति का है। 1855 में वह चेतना हूल थी, 1970 में हक़ बन गई, और आज वह संवैधानिक अधिकारों की मांग के रूप में खड़ी है। पर सवाल वही है—

- क्या झारखंड के आदिवासी अब भी मालिक हैं?
- क्या उनकी ग्राम सभाएं अब भी निर्णय लेने में स्वतंत्र हैं?
- क्या खनिज सम्पदा से उन्हें कोई लाभ मिल रहा है?

अगर इन सवालों के जवाब 'ना' हैं, तो हमें फिर से हूल की आत्मा और गुरुजी की रणनीति को याद करना होगा।

भगवान शिव सृष्टि के पिता, कोई अच्छा-बुरा नहीं, सभी का कर्म फल उनका भाग्य

ज्ञानू निगम

भारतीय संस्कृति में भगवान शिव केवल एक देवता नहीं , बल्कि एक ऐसे आदर्श गृहस्थ हैं।जिनके जीवन से परिवार, समाज देश काल और सृष्टि के संबंधों की गूढ़ शिक्षाएँ मिलती हैं। उनके परिवार को "शिव परिवार" के नाम से जाना जाता है। जिसमें देवी पार्वती, भगवान गणेश, भगवान कार्तिकेय, नंदी, भृंगी, और यहां तक कि नाग-वंश से वासुकी तक के सभी सदस्य शामिल हैं। यह परिवार की विविधता ,एकता, समर्पण, सहिष्णुता और और सृष्टि के सभी जीवो के प्रति समानता का प्रतीक है।

प्रत्येक जीव की सोच अलग होती है। सभी में श्रेष्ठता का भाव है।परिवार में मतभेद होना सामान्य है। भगवान शिव सिखाते हैं, विचारों में मतभेद के बावजूद सभी का महत्व बराबर है। शिव के दोनों पुत्र – गणेश और कार्तिकेय – स्वभाव और रुचियों में भिन्न हैं, फिर भी उन्हें समान सम्मान और स्नेह मिलता है। एक युद्धप्रिय सेनापति है, तो दूसरा बुद्धि का देवता। शिव परिवार की सबसे बड़ी शिक्षा यही है – कि गुणों और कमियों के बावजूद हर सदस्य का अपना स्थान और महत्व है।

भिन्नताओं में समानता

भगवान शिव का वाहन नंदी है – एक शांत बैल, जबकि उनकी पत्नी पार्वती का वाहन सिंह है, गणेश का वाहन मूषक और कार्तिकेय का वाहन मयूर। ये वाहन प्रतीक हैं। विविधता को अपनाना और उसका सम्मान करना ही कर्म और भाग्य की सही पहचान है। यहां तक कि शिव के गले में सर्प है ,जो आमतौर पर भय और विष का प्रतीक माना जाता है। भगवान शिव उसे भी स्नेहपूर्वक कंठ मे स्थान देते हैं। यह दर्शाता है किसी जीव की पहचान या भूमिका के कारण उसे कमतर नहीं आंका जाना चाहिए।

समता और न्याय की मिसाल

एक लोकप्रिय कथा है, जब गणेश और कार्तिकेय दोनों को पृथ्वी की परिक्रमा करने की चुनौती दी जाती है। कार्तिकेय अपने तेज मयूर पर निकल पड़ते हैं। जबकि गणेश अपने माता-पिता की परिक्रमा करते हैं, और कहते हैं, मेरे लिए पूरा ब्रह्मांड आप दोनों हैं। शिव और पार्वती ने गणेश की इस भावना को समझते हैं। उन्हें विजेता घोषित कर देवताओं की पूजा में अग्रणी स्थान दिया। यहां भगवान शिव सिखाते हैं,परिवार की भावनाओं और सोच की गहराई को समझना महत्वपूर्ण है। विचारों में परिवर्तन श्रेष्ठ का आधार नहीं है।

आलोचना से ऊपर उठने की सीख

शिव एक ऐसे भगवान हैं। जो समाज के तथाकथित अस्वीकृत या तिरस्कृत प्राणियों को भी समान अवसर और अधिकार देते हैं। सृष्टि के 84 लाख योनियों में जन्म लेने वाले सभी जीवो के प्रति भगवान शिव समान भाव रखते हैं। भगवान शिव की जब बारात निकली तब सारे सृष्टि के जीव उसमें शामिल हुए उनके गणों में कोई भेदभाव नहीं,श्रेष्ठता या हीनता का भाव नहीं। कर्म का फल बिना किसी भेदभाव के भगवान शिव ने दिये। यही एक कारण है, राक्षसों को सबसे ज्यादा वरदान भगवान शिव से मिले हैं। भगवान शिव की यह प्रेरणा अत्यंत महत्वपूर्ण है। किसी की कमजोरी या कर्म फल के सिद्धांत की स्थिति को लेकर उन्होंने कभी भी किसी जीव के साथ भेदभाव नहीं किया।

वर्तमान संदर्भ में प्रासंगिकता

कलयुग के आधुनिक समाज में जब विज्ञान अपनी सर्वोच्चता में है। ज्ञान और विज्ञान के बल पर वर्तमान मानव जीवन अहंकार और भौतिक सुख सुविधाओं के सहारे होकर अकेले ही सब कुछ पा लेना चाहता है। जिसके कारण परिवार एवं समाज मैं विघटन बढ़ता जा रहा है। सामाजिक विकास के स्थान पर सामूहिक विध्वंस की ओर मानव समाज बढ़ रहा है। भौतिक संसाधनों की चाह और अहंकार ने संवादहीनता बढा दी है। भाई-भाई के बीच संपत्ति या विचारों को लेकर विवाद हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में भगवान शिव और उनका परिवार हमें सृष्टि में सभी के सह-अस्तित्व, समर्पण और समानता की प्रेरणा देता है। शिव हमें सिखाते हैं, कर्म फल और भाग्य फल सृष्टि का विधान है। कोई भी केवल इसलिए बुरा नहीं हो जाता है। क्योंकि वह दीन-हीन है।वह अलग सोचता है,या सामाजिक एवं पारिवारिक जीवन में असफल हो गया है। ब्रह्मांड एक ऐसा वटवृक्ष है, जिसमें 84 लाख योनियों के जीवों का कर्म और भाग्यफल अलग-अलग हैं। सभी जीव एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। सभी जीव एक दूसरे का भौजन है। एक दूसरे के बिना ब्रह्मांड की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। जन्म की अलग दिशा हो सकती है। भाग्यफल अलग-अलग हो सकता है। सभी की जड़ एक ही होती है। सभी जीवो को एक दूसरे के प्रति प्रेम और सम्मान का भाव ही कर्म को बेहतर बनाते हैं।

निष्कर्ष

भगवान शिव का परिवार सृष्टि के सह अस्तित्व का सबसे बड़ा उदाहरण है। मानव जाति को जिस कर्म का अधिकार है। उसे यह अमूल्य सीख देता है। ब्रह्मांड में कुछ भी अच्छा या बुरा नहीं होता है। यह सीख केवल धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि प्रक्रति के सभी जीवों के लिए व्यावहारिक मार्गदर्शन मनुष्यों के लिए है। वर्तमान में यदि हम इस दृष्टिकोण को अपनाएं,तभी सच्चा सुख, स्थिरता शान्ति और विश्वास बना रहेगा।

नकली नोट तस्करी के मामले में पुलिस बढ़ाएगी जांच का दायरा, नेपाल सीमा तक

अयोध्या (ईएमएस)। अयोध्या में पकड़ी गई नकली नोट तस्करी के मामले में पुलिस नेपाल तक जांच का दायरा बढ़ा रही है। 31 जुलाई को रामजन्मभूमि पुलिस ने पूर्वी चंपारण जिले के राजाबाबू को गिरफ्तार किया था, जिसके पास से 5,000 रुपये के नकली नोट बरामद हुए थे। उसके भाई राज बाबू और पिता संजय बाबू की तलाश जारी है। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि राजाबाबू के पिता संजय नेपाल से नकली नोट लाकर उन्हें उपलब्ध कराते थे, जिन्हें राजाबाबू और राज धार्मिक स्थानों पर खपाते थे। यह गिरोह 2023 से सक्रिय है और अब तक पांच लाख रुपये के नकली नोट खपा चुका है। राजाबाबू की गिरफ्तारी हनुमानगढ़ी क्षेत्र में आदर्श सोनी की दुकान पर हुई, जहाँ राजा ने नकली 500 रुपये का नोट चलाया था। दुकानदार को संदेह होने पर पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद राजाबाबू को तोताद्रि मठ के रास्ते से पकड़ा गया, जबकि उसका भाई राज फरार हो गया। मामले में पुलिस टीम का गठन किया है, जो नेपाल और उससे सटे बिहार के सीमावर्ती क्षेत्रों में पड़ताल करेगी ताकि नकली नोट तस्करी के तार और वांछितों का पता लगाया जा सके। पुलिस बिहार से आरोपितों के आपराधिक इतिहास की भी जानकारी जुटाएगी।

नेतृत्व का मतलब सत्ता में बने रहना नहीं बल्कि बदलाव लाना : कमल हासन

चेन्नई (ईएमएस)। अभिनेता और राज्यसभा सदस्य कमल हासन ने चेन्नई में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि शिक्षा ही एकमात्र ऐसा हथियार है जो तानाशाही और सनातन धर्म की जंजीरों को तोड़ सकता है। कमल हासन का यह बयान तब आया है, जब सनातन धर्म को लेकर देश में बहस चल रही है, जिसमें कुछ नेता सनातन धर्म को जातिगत अत्याचारों से जोड़ रहे हैं।
कमल हासन ने कहा कि हमें अपने हाथ में कुछ और नहीं, बल्कि सिर्फ शिक्षा लेनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि शिक्षा के बिना हम जीत नहीं सकते, क्योंकि बहुमत हमें हरा सकता है, और ज्यादातर मूर्ख हमें हरा सकते है। इसलिए, उन्होंने शिक्षा को मजबूती से थामे रखने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने मेडिकल शिक्षा में प्रवेश के लिए नीट (नीट) की शुरुआत की भी आलोचना कर कहा कि इसने 2017 से कई छात्रों के लिए मौको को कम कर दिया है। हासन ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के साथ अपनी हालिया बातचीत का भी उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने अगरम फाउंडेशन के शैक्षिक कार्यों पर चर्चा की थी। उन्होंने बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री स्टालिन से कहा कि एनजीओ पैसे नहीं मांग रहे हैं, बल्कि सिर्फ काम करने की अनुमति मांग रहे हैं, और मुख्यमंत्री ने इस दिशा में कदम उठाने का आश्वासन दिया है। कमल हासन ने कहा कि कि असली नेताओं के काम को अक्सर पहचान नहीं मिलती, भले ही वे अपने पीछे कितना भी गहरा प्रभाव छोड़ जाएं। उन्होंने कहा कि नेतृत्व का मतलब सत्ता में बने रहना नहीं है, बल्कि बदलाव लाना है, भले ही आपका नाम लहरों के साथ मिट जाए। यह दर्शाता है कि उनका मानना है कि सच्चा नेतृत्व परिणाम लाने पर केंद्रित होता है, न कि व्यक्तिगत प्रसिद्धि पर।

विदेश में नौकरी दिलाने और वीजा के नाम पर 1 करोड़ से अधिक की ठगी

गांधीनगर,(ईएमएस)। गांधीनगर में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है जहाँ 10 लोगों से ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और कनाडा में परमानेंट रेजिडेंसी (पीआर) वीजा और नौकरी दिलाने के नाम पर 1 करोड़ से अधिक की ठगी की गई है। इस धोखाधड़ी का खुलासा फर्जी दस्तावेजों के द्वारा हुआ है। मामले में मुख्य आरोपी उर्जित कवि, अहमदाबाद का निवासी। जबकि इस मामले में शिकायतकर्ता में डीकेश खमार हैं जो कि गांधीनगर में एक ओवरसीज़ कंसल्टेंसी चलाते हैं। खमार की मुलाकात पिछले साल अपने दोस्त प्रकाश के द्वारा उर्जित कवि से हुई थी। उर्जित ने डीकेश को भरोसा दिलाया कि वह ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और कनाडा के लिए वीज़ा और पीआर संबंधित काम आसानी से करवा सकता है। इस भरोसे पर, डीकेश ने नवंबर 2024 में अपनी कंसल्टेंसी के 10 ग्राहकों की फाइलें उर्जित को सौंप दीं, जिन्हें पीआर वीज़ा के साथ-साथ विदेश में नौकरी की आवश्यकता थी। डीकेश ने उर्जित को अलग-अलग समय पर कुल 1 करोड़ 2 लाख दिए। हालांकि, दो महीने बीत जाने के बाद भी जब फाइलों में कोई प्रगति नहीं हुई, तो डीकेश को शक हुआ। उर्जित ने टालमटोल करना शुरू कर दिया।
डीकेश ने जब पैसे वापस मांगे, तब उर्जित ने मार्च के महीने में कुछ बिल, वीज़ा, स्पॉन्सर लेटर, पीआर कार्ड और कुछ अन्य दस्तावेज़ भेजे। सत्यापन करने पर ये सभी दस्तावेज फर्जी पाए गए। इसके बाद डीकेश ने फिर से पैसे मांगे, तब उर्जित ने सारी फाइलें रद्द कर उन्हें लौटा दीं और कुछ चेक दिए, जो बाद में बाउंस हो गए। इसके बाद परेशान होकर डीकेश ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेकर जाँच शुरू कर दी है और जल्द ही उर्जित कवि को हिरासत में लेकर पूछताछ की जाएगी।

निमिषा प्रिया के जिंदा बचने की उम्मीद हो रही कम, पीड़ित के भाई ने फांसी की मांग की

अटॉर्नी जनरल और जज को पत्र लिखा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। यमन में मौत की सजा का सामना कर रही भारतीय नर्स निमिषा प्रिया के जिंदा बचने की उम्मीदें कम होती जा रही हैं। निमिषा को 16 जुलाई 2025 को ही फांसी मिलनी थी लेकिन भारत के एक मुस्लिम धर्मगुरु के हस्तक्षेप के बाद सजा को अनिश्चित काल के लिए स्थगित किया गया। निमिषा को जिस यमनी नागरिक की हत्या के मामले में फांसी होनी है, अब उसके भाई ने पत्र लिखकर मांग की है कि उन्हें जल्द से जल्द सजा दी जाए। मृतक के भाई ने पत्र में साफ लिखा है कि परिवार सुलह या मध्यस्थता के लिए बिल्कुल तैयार नहीं है। दरअसल केरल निवासी निमिषा प्रिया 2017 के मामले में फांसी की सजा का सामना कर रही हैं जिसमें उन्होंने गलती से एक यमनी नागरिक तलाल अब्दो महदी की हत्या कर दी थी। महदी के भाई अब्दुल फत्तेह अब्दो महदी ने यमन के अटॉर्नी जनरल और जज अब्दुल सलाम अल-हूती के नाम एक पत्र लिखकर सोशल मीडिया पर साझा किया है। पत्र में मृतक के भाई ने लिखा कि उनका परिवार चाहता है, निमिषा प्रिया को फांसी दी जाए। मूल रूप से अरबी भाषा में लिखे पत्र में महदी के भाई ने लिखा है, 16 जुलाई को फांसी की सजा स्थगित करने के बाद आधे महीने से ज्यादा समय हो चुका है और फांसी की सजा की नई तारीख तय नहीं हुई है। हम पीड़िता के वारिस, बदले की सजा को लागू करने के अपने वैध अधिकार का पूरी तरह से पालन करते हैं और सुलह या मध्यस्थता के सभी कोशिशों से इंकार करते हैं। पत्र में महदी के भाई ने मांग की कि फांसी की सजा को लागू करे और फांसी की नई तारीख तय की जाए।

इन जरूरी दवाओं की कीमतों में कटौती मरीजों को मिलेगी बड़ी राहत

जम्मू,(ईएमएस)। आम लोगों को राहत देकर केंद्र की मोदी सरकार ने 35 आवश्यक दवाओं की कीमतों में कटौती की है। केमिकल्स और फर्टिलाइजर्स मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। यह फैसला नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एनपीपीए) ने लिया है, इसका मकसद दवाओं को ज्यादा सस्ता और सुलभ बनाना है। इन दवाओं में दिल, डायबिटीज, सूजन, संक्रमण और मानसिक बीमारियों के इलाज में काम आने वाली प्रमुख दवाएं शामिल हैं। जिन दवाओं को शामिल किया है, उसमें एसिक्लोफेनाक-पैरासिटामोल-ट्रिप्सिन काइमोट्रिप्सिन, एमोक्सिसिलिन-पोटैशियम क्लैवुलेनेट, एटोरवास्टेटिन-क्लोपिडोग्रेल और नई डायबिटीज की दवाएं जैसे एम्पाग्लिफ्लोज़िन, सिटाग्लिप्टिन और मेटफॉर्मिन जैसी कॉम्बिनेशन दवाएं शामिल हैं। नई कीमतें अब 13 से लेकर 31.77 के बीच होंगी। उदाहरण के तौर पर, एटोरवास्टेटिन 40 मिलीग्राम और क्लोपिडोग्रेल 75 मिलीग्राम की संयुक्त दवा अब 25.61 में मिलेगी। बच्चों की दवाएं और विटामिन-डी की ड्रॉप्स जैसे कोलेकैल्सीफेरोल ड्रॉप्स भी इस सूची में शामिल हैं।
मोदी सरकार ने खुदरा विक्रेताओं को निर्देश दिया है कि वे नई कीमतों की सूची दुकानों में साफ-साफ जगह पर लगाएं। अगर कोई दुकानदार इन नियमों का उल्लंघन करता है, तब उसके खिलाफ ड्रग प्राइस कंट्रोल ऑर्डर (डीपीसीओ), 2013 और आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत सख्त कार्रवाई की जा सकती है।

सुप्रीम कोर्ट से राहुल गांधी को फटकार, अब मोदी सरकार पर डीडीएलजे को लेकर हमलावर हुई कांग्रेस

नई दिल्ली,(ईएमएस)। कांग्रेस पार्टी ने चीन के साथ सीमा पर चल रहे तनाव को लेकर मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सरकार पर डीडीएलजे (डिनाइ, डिस्ट्रैक्ट, लाइ एंड जस्टिफाइ) यानी इंकार करो, ध्यान भटकाओ, झूठ बोलो और सही ठहराओ की नीति अपनाने का आरोप लगा दिया है। यह बयान सुप्रीम कोर्ट द्वारा कांग्रेस नेता राहुल गांधी को चीन द्वारा भारतीय जमीन पर कब्जे के दावे के लिए फटकार लगाने के बाद आया है।
कांग्रेस नेता रमेश ने पोस्ट में कहा कि 15 जून 2020 को गलवान में 20 भारतीय सैनिकों के शहीद होने के बाद से हर देशभक्त भारतीय इन सवालों के जवाब मांग रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार जवाब देने के बजाय बीते पांच साल से इस डीडीएलजे नीति के साथ सच्चाई को छिपाने की कोशिश कर रही है।
कांग्रेस नेता रमेश ने मोदी सरकार से आठ तीखे सवाल पूछे हैं, जिसमें प्रधानमंत्री के 2020 के बयान और सीमा पर मौजूदा स्थिति के बीच विरोधाभासों को उजागर किया गया है। गलवान पर प्रधानमंत्री का बयान को लेकर कांग्रेस नेता रमेश ने पूछा कि प्रधानमंत्री ने 19 जून 2020 को, गलवान में सैनिकों के बलिदान के चार दिन बाद, यह कहते हुए चीन को क्लीन चिट क्यों दी कि न कोई हमारी सीमा में घुस आया है, न ही कोई घुसा हुआ है? इस बयान पर कांग्रेस नेता ने सवाल किया कि क्या 21 अक्टूबर, 2024 को हस्ताक्षरित वापसी समझौता वास्तव में अप्रैल 2020 की यथास्थिति बहाल करता है, जैसा कि सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा था।
कांग्रेस नेता रमेश ने स्पष्टीकरण मांगा कि क्या भारतीय गश्ती दल को अब सीमावर्ती इलाकों में गश्ती चौकियों तक पहुंचने के लिए चीन की सहमति की जरुरत है, जहां वे पहले भारत के क्षेत्रीय अधिकारों के तहत स्वतंत्र रूप से पहुंच सकते थे। कांग्रेस नेता रमेश ने 2020 की उन रिपोर्ट्स का हवाला दिया जिसमें दावा किया गया था कि पूर्वी लद्दाख में करीब 1,000 वर्ग किलोमीटर जमीन, जिसमें देपसांग में 900 वर्ग किलोमीटर भी शामिल है, चीन के कब्जे में आ गई है, और इसके लिए जवाबदेही की मांग की। उन्होंने मोदी सरकार पर हमला कर सवाल उठाया कि क्या यह सच नहीं है कि मोदी सरकार एक उस देश के साथ नॉर्मलाइजेशन की कोशिश कर रही है, जिसने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के सैन्य अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, और जे-10सी लड़ाकू विमान और पीएल-15 हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल जैसी हथियार प्रणालियां मुहैया कराई थीं। इतना ही नहीं कांग्रेस नेता रमेश ने सीमा पर जारी तनाव के बावजूद भारत की चीन पर निरंतर आर्थिक निर्भरता पर भी सवाल उठाया। उन्होंने याद दिलाया कि 4 जुलाई 2025 को उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने कहा था कि भारतीय सैन्य अभियानों में लाइव इनपुट दिए थे। कांग्रेस नेता रमेश के इन सवालों के जरिए मोदी सरकार से चीन के साथ सीमा विवाद पर अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग की है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सेना पर टिप्पणी करने के मामले में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को फटकार लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी से पूछा, आपको कैसे पता चला कि चीन ने भारत की जमीन हड़प ली? आपकी जानकारी का विश्वसनीय स्रोत क्या?
राहुल गांधी को अपने किसी बयान चलते सुप्रीम कोर्ट पहुंचने का यह पहला मामला नहीं है, इससे पहले भी कई बयानों को लेकर कोर्ट-कचहरी के चक्कर लगा चुके हैं। एक मामले में तब सजा भी सुनाई गई, जिसके बाद लोकसभा की सदस्यता भी गंवानी पड़ी थी।

पाकिस्तानी मिसाइलों को धूल चटाने वाले स्वदेशी एयर डिफेंस सिस्टम को खरीदने को तैयार चीन का दुश्मन देश

पाकिस्तान के फतह-1 गाइडेड रॉकेट को मार गिराया

नई दिल्ली,(ईएमएस)। ऑपरेशन सिंदूर में शानदार प्रदर्शनों के बाद भारत के स्वदेशी हथियारों की बाजार में डिमांड है। पाकिस्तान के घर घुसकर उसकी कब्र खोदने वाली ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइलों की खरीद की डील कई देशों से हुई है। अब भारतीय सेना के उस ब्रह्मास्त्र की डिमांड भी बढ़ रही है, जिसने पाकिस्तान की फतेह-1 जैसी मिसाइल को धूल चटाई थी। ये ब्रह्मास्त्र भारत का स्वदेशी एयर डिफेंस सिस्टम आकाश-1एस है। फिलीपींस की सेना ने भारत के कारगर स्वदेशी आकाश-1एस एयर डिफेंस सिस्टम को खरीदने में गहरी रुचि दिखाई है।
बता दें कि आकाश-1एस मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाला मिसाइल सिस्टम है, जिसे भारत ने एडवांस बैलिस्टिक मिसाइलों और आर्टिलरी रॉकेट्स को न्यूट्रलाइज करने के लिए बनाया है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान से सैन्य टकराव में भारत ने इसके इस्तेमाल किया था, जो अपने शानदार प्रदर्शन की वजह से चर्चा में आ गया था। अब फिलीपींस अपने सुरक्षा सिस्टम को चीन के खतरे से बचाने के लिए आकाश-1एस को भारत से खरीदना चाहता है।
आकाश एयर डिफेंस सिस्टम की मैक्सिमम रेंज 45 किलोमीटर है, लेकिन ये आसमान में 20 किलोमीटर की ऊंचाई तक किसी एडवांस मिसाइल को इंटरसेप्ट कर सकता है। आकाश डिफेंस सिस्टम की सबसे खास बात इसका स्वदेशी एक्टिव रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर है। ये तेजी से उड़ने वाले, कम ऊंचाई वाले लक्ष्यों जैसे ड्रोन, क्रूज मिसाइल और गाइडेड आर्टिलरी रॉकेट के खिलाफ सटीक निशाना साधता है।
इसमें लगे राजेन्द्र फेज्ड-ऐरे रडार की क्षमता एक साथ 64 टार्गेट ट्रैक करने और 12 मिसाइलों को एक साथ गाइड करने की है। कुल मिलाकर ये डिफेंस सिस्टम मल्टी-डायरेक्शनल थ्रेट्स से निपटने के लिए शानदार है। आकाश-1 का गाइडेड रॉकेट और कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों के खिलाफ प्रदर्शन की क्षमता पर पूरी दुनिया की नजर जा चुकी है।
बात दें कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आकाश-1एस ने पाकिस्तान के फतह-1 गाइडेड रॉकेट को मार गिराया। पाकिस्तान के नेशनल डेवलपमेंट कॉम्प्लैक्स के बनाए फतह-1 की रेंज 140 किलोमीटर की है।
इसकी स्पीड काफी ज्यादा है और लो-फ्लाइट प्रोफाइल होने के साथ साथ इसका रडार सिग्नेचर भी कम है। अकाश-1एस ने इस 5 किलोमीटर की ऊंचाई पर हवा में ही नष्ट किया था, जिसका सबूत भारतीय वायुसेना ने फतह 1 के मलबे के तौर पर प्रदर्शित किया था।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश और उनके बेटे चैतन्य बघेल को सुप्रीम कोर्ट से झटका

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट जाने का आदेश

रायपुर,(ईएमएस)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनके बेटे चैतन्य बघेल को छत्तीसगढ़ शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें जांच और गिरफ्तारी के खिलाफ राहत के लिए छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय जाने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने बघेल और उनके बेटे को हाईकोर्ट में अपनी याचिका दायर करने को कहकर उच्च न्यायालय से मामले का शीघ्र निपटारा करने का अनुरोध किया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच और गिरफ्तारी की शक्तियों से संबंधित धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने के संबंध में, सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं से एक नई याचिका दायर करने को कहा है। इस नई याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 6 अगस्त को विचार करेगा।
ईडी के अनुसार, घोटाले से राज्य के खजाने को 2,161 करोड़ से ज़्यादा का नुकसान हुआ है। यह कथित अवैध सिंडिकेट छत्तीसगढ़ राज्य विपणन निगम लिमिटेड (सीएसएमएल) के माध्यम से संचालित होता था, जिसमें शराब निर्माताओं से रिश्वत ली जाती थी और बदले में उन्हें बाजार में हिस्सेदारी दी जाती थी। ईडी ने मामले में अनवर ढेबर और पूर्व नौकरशाह अनिल टुटेजा सहित कई प्रमुख लोगों को नामजद किया है। पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा पर भी कथित तौर पर नियमित रूप से रिश्वत लेने का आरोप है।

बांके बिहारी कॉरिडोर मामले में सुप्रीम कोर्ट, भगवान कृष्ण पहले मध्यस्थ

यूपी सरकार और मंदिर ट्रस्ट को वार्ता से मसला हल करने की सलाह

नई दिल्ली,(ईएमएस)। उत्तरप्रदेश के मथुरा में बांके बिहारी कॉरिडोर बनने के लिए मंदिर फंड से 500 करोड़ का इस्तेमाल करने के मसले पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। उत्तर प्रदेश सरकार श्री बांके बिहारी मंदिर ट्रस्ट अध्यादेश लाई है, इसके तहत मंदिर फंड से ही कॉरिडोर का निर्माण होना है। मंदिर प्रशासन की ओर से योगी सरकार के फैसले का विरोध किया गया है। इस पर शीर्ष अदालत ने सुनवाई कर यूपी सरकार और मंदिर ट्रस्ट को वार्ता से मसला हल करने की सलाह दी है। बेंच ने कहा, भगवान कृष्ण पहले मध्यस्थ थे। कृपया इस मामले में वार्ता से मसले को हल करें।
इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मामले में यूपी सरकार के अध्यादेश की संवैधानिक वैधता की जांच उच्च न्यायालय को करना चाहिए थी। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि आखिर अदालत को इतनी जल्दी क्यों थी। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाला बागची ने मौखिक रूप से 15 मई के उस आदेश को भी वापस लेने का प्रस्ताव दिया, इसके तहत सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार को मंदिर का फंड इस्तेमाल करने की अनुमति दी थी। बेंच ने कहा, हम इसका प्रस्ताव देते हैं। पहले का जजमेंट अभी स्थगित रहेगा। इस मामले में हाई कोर्ट के पूर्व जज और सीनियर रिटायर्ड जिला जज वार्ता कर सकते हैं। वे मैनेजमेंट ट्रस्टी हैं। बेंच ने कहा कि जब तक अध्यादेश को लेकर फैसला होगा, तब तक समिति ही मंदिर के मामलों का संचालन करेगी। बेंच ने कहा कि हम अंतरिम कमेटी को आदेश देते हैं कि वह फंड का सीमित इस्तेमाल कर सके। अदालत ने कहा कि मंदिर ट्रस्ट की ओर से यूपी सरकार के अध्यादेश को चुनौती दी जा सकती है। ट्रस्ट की ओर से यह मांग की जा सकती है कि मंदिर के मामलों में फैसले और प्रबंधन का काम वही देखेगा।

तेलंगाना ओबीसी आरक्षण विधेयक को लेकर भूख हड़ताल पर बैठी बीआरएस नेता के. कविता

हैदराबाद,(ईएमएस)। हैदराबाद में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की एमएलसी के.कविता ने तेलंगाना में सरकारी नौकरियों, शैक्षणिक संस्थानों और स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़े वर्गों (बीसी) के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण की तत्काल मंजूरी की मांग को लेकर सोमवार को 72 घंटे की भूख हड़ताल शुरू कर दी है। यह हड़ताल हैदराबाद के धरना चौक पर चल रही है।
बीआरएस नेता कविता ने अपनी हड़ताल से पहले कांग्रेस और भाजपा दोनों पर तेलंगाना के ओबीसी के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि तेलंगाना ओबीसी आरक्षण विधेयक, जिसमें 42 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है, राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिए लंबित है। इसके अतिरिक्त, राज्यपाल के स्तर पर एक अध्यादेश भी लंबित है। कविता ने मांग की है कि या विधेयक को तुरंत मंजूरी दी जाए या अध्यादेश को पारित किया जाए। उन्होंने कांग्रेस पर चुनाव के दौरान ओबीसी के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण का वादा पूरा न करने का आरोप लगाया। साथ ही, उन्होंने भाजपा की इस शर्त की आलोचना की कि वह तभी आरक्षण देगी जब इसमें मुसलमान शामिल न हों। कविता ने ज़ोर दिया कि कांग्रेस ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि राष्ट्रपति के पास भेजे गए 42 प्रतिशत आरक्षण विधेयक में मुसलमान शामिल हैं या नहीं।
कविता के अनुसार, भूख हड़ताल का उद्देश्य इन राष्ट्रीय दलों के झूठ को उजागर करना और यह सुनिश्चित करना है कि हमें इन दोनों राष्ट्रीय दलों से किसी तरह की स्पष्टता मिले। यह भूख हड़ताल सोमवार सुबह 10 बजे से शुरू होकर 7 अगस्त को सुबह 10 बजे समाप्त होगी। उन्होंने बताया कि सरकार ने उन्हें विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी थी, जिसके बाद उन्हें उच्च न्यायालय का दरवाज़ा खटखटाना पड़ा। कविता ने विश्वास व्यक्त किया कि यह सत्याग्रह, जो पूरी तरह से गांधीवादी और शांतिपूर्ण तरीके से किया जाएगा, में उच्च न्यायालय ओबीसी की आवाज़ उठाने में उनका साथ देगा। उन्होंने यह भी बताया कि तेलंगाना में लगभग 112 ओबीसी समुदाय हैं।

गुजरात में 6 से 8 अगस्त के दौरान संस्कृत गौरव यात्रा, संभाषण और साहित्य दिवस मनाया जाएगा

गांधीनगर (ईएमएस)। हमारे यहां संस्कृत के बारे में कहा गया है, 'अमृतम् संस्कृतम् मित्र, सरसम् सरलम् वचः। एकता मूलकम् राष्ट्रे, ज्ञान विज्ञान पोषकम्।।' अर्थात, हमारी संस्कृत भाषा सरस भी है, और सरल भी। संस्कृत अपने विचारों, अपने साहित्य के माध्यम से ज्ञान, विज्ञान और राष्ट्र की एकता को मजबूत बनाती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस उक्ति का उल्लेख करते हुए इस बात पर बल दिया है कि अधिक से अधिक लोग संस्कृत पढ़ें और उसका अध्ययन करें। दुनिया की सबसे प्राचीन भाषा कही जाने वाली संस्कृत भाषा भारत की ऋषि परंपरा, दर्शन, अध्यात्म और सांस्कृतिक चेतना की जीवंत अभिव्यक्ति है। संस्कृत केवल एक भाषा नहीं है, अपितु यह जीवन दृष्टि है, जो मनुष्य के सर्वांगीण विकास में मार्गदर्शक की भूमिका निभाती है। उल्लेखनीय है कि भारत में प्रति वर्ष श्रावण मास की पूर्णिमा (रक्षाबंधन पर्व) के दिन संस्कृत दिवस मनाया जाता है और इसके प्रचार-प्रसार के लिए पूरे भारत में संस्कृत सप्ताह मनाया जाता है। इस वर्ष 9 अगस्त को विश्व संस्कृत दिवस है, ऐसे में 6 से 12 अगस्त 2025 के दौरान संस्कृत सप्ताह मनाया जाएगा। गुजरात में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात सरकार द्वारा संस्कृत सप्ताह के अवसर पर तीन दिवसीय विशेष समारोह का आयोजन किया जाएगा।

6 से 8 अगस्त तक संस्कृत गौरव यात्रा, संभाषण दिवस और साहित्य दिवस का आयोजन

वर्ष 1969 में भारत सरकार और संस्कृत संस्थाओं के सहयोग से संस्कृत दिवस मनाने की शुरुआत हुई थी। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य संस्कृत भाषा को बढ़ावा देना, इसके महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना और नई पीढ़ी को इस प्राचीन भाषा के साथ जोड़ना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत संस्कृत भाषा के संरक्षण और संवर्धन के लिए गुजरात राज्य संस्कृत बोर्ड की ओर से राज्य में 6 से 8 अगस्त 2025 के दौरान तीन दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। पहले दिन संस्कृत गौरव यात्रा, दूसरे दिन संस्कृत संभाषण दिवस और तीसरे दिन संस्कृत साहित्य दिवस मनाया जाएगा।

संस्कृत गौरव यात्रा का आयोजन जिला एवं राज्य स्तर पर होगा, जिसके अंतर्गत संस्कृत ज्ञान विरासत की झांकियों की प्रदर्शनी, संस्कृत साहित्य कृतियों, संस्कृत गान और नारों के साथ विद्यार्थी, शिक्षक, स्कूल, संस्कृत के विद्वान, कवि और लेखक यात्रा में शामिल होंगे। दूसरे दिन संस्कृत संभाषण दिवस पर मुख्यमंत्री सहित जिला और राज्य स्तर पर अधिकारी एवं मंत्री संस्कृत भाषा में संदेश प्रेषित करेंगे। तीसरे दिन संस्कृत साहित्य दिवस पर पूरे राज्य में विभिन्न स्तरों पर वेद पूजन, व्यास पूजन, ऋषि पूजन, आचार्य पूजन, संस्कृत साहित्य से संबंधित सभाओं और व्याख्यानों का आयोजन कर समाज में संस्कृत साहित्य का गौरव स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा।

संस्कृत संवर्धन के माध्यम से संस्कृति का प्रसार

गुजरात सरकार के 'गुजरात राज्य संस्कृत बोर्ड' की ओर से राज्य में संस्कृत के सर्वांगीण विकास के लिए 'योजना पंचकम्' (पांच योजनाओं का समूह या संग्रह) के अंतर्गत पांच विशिष्ट योजनाएं- संस्कृत सप्ताहोत्सव, संस्कृत संवर्धन सहायता योजना, संस्कृत प्रोत्साहन योजना, श्रीमद् भगवद गीता योजना तथा शत सुभाषित कंठ पाठ योजना लागू की गई हैं। संस्कृत सप्ताहोत्सव योजना के अंतर्गत पूरे राज्य में उत्साहपूर्वक संस्कृत सप्ताह और दिवस मनाने की पहल की जाएगी। संस्कृत संवर्धन सहायता योजना के अंतर्गत संस्कृत के प्रचार हेतु विभिन्न गतिविधियों के आयोजन के लिए संस्थाओं, शोधकर्ताओं और शिक्षकों को वित्तीय सहायता दी जाएगी। संस्कृत प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत माध्यमिक स्कूलों में संस्कृत विषय के साथ पढ़ाई के लिए विद्यार्थी, शिक्षक और विद्यालयों को प्रोत्साहन दिया जाएगा। श्रीमद् भगवद गीता योजना के अंतर्गत राज्य के बच्चे-बड़ों, सभी लोगों को 'श्रीमद् भगवद गीता' की मदद से जीवन जीने की सही दिशा पर चिंतन करने और गीता कंठस्थ करने के लिए प्रोत्साहन दिया जाएगा। शत सुभाषित कंठ पाठ योजना के अंतर्गत नैतिक मूल्यों के विकास के लिए 100 सुभाषित कंठस्थ करने के लिए प्रोत्साहन दिया जाएगा। गुजरात राज्य संस्कृत बोर्ड की ओर से शुरू की गई 'योजना पंचकम्' का लक्ष्य संस्कृत भाषा का संरक्षण करना, इसकी लोकप्रियता बढ़ाना और भावी पीढ़ियों को राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत के साथ जोड़ना है।

संस्कृत भाषा को और अधिक लोकप्रिय बनाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार प्रतिबद्ध

संस्कृत दिवस मनाने के लिए श्रावण पूर्णिमा का दिन इसलिए चुना गया क्योंकि प्राचीन भारत में इसी दिन शैक्षणिक सत्र की शुरुआत होती थी। विद्यार्थी इसी दिन से शास्त्रों का अध्ययन शुरू करते थे। आज भी वेदों का अध्ययन का प्रारंभ श्रावणी पूर्णिमा से होता है।
इस दिन को ऋषि-मुनियों की परंपरा और वैदिक ज्ञान का प्रतीक माना जाता है। संस्कृत दिवस और संस्कृत सप्ताह भारत की सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण भाग है। केंद्र और राज्य सरकार आधुनिक समय में टेक्नोलॉजी और शिक्षा के माध्यम से संस्कृत को और अधिक लोकप्रिय एवं सुलभ बनाने के प्रयास कर रही हैं।

संक्षिप्त खबरें

दिलीप बिल्डकॉन के शेयरों में 4.4 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी...विश्लेषकों ने दी सेल की सलाह

मुंबई,(ईएमएस)। गुरुग्राम मेट्रो रेल प्रोजेक्ट मिलने और पहली तिमाही के शानदार नतीजों के बाद 4 अगस्त, दिलीप बिल्डकॉन के शेयरों में 4.4 प्रतिशत के उछल के साथ 478 के उच्च स्तर पर पहुंच गया।

यह प्रोजेक्ट आरबीएल बैंक के साथ साझेदारी में 1,503.6 करोड़ का है। इसके तहत कंपनी मिलेनियम सिटी सेंटर से सेक्टर 9 और द्वारका एक्सप्रेसवे (1.85 किमी) तक एक वायडक्ट (उठा हुआ मार्ग) और 14 ऊंचे स्टेशन तैयार करेगी। इसमें सेक्टर 33 में डिपो तक का रैंप और भक्तावर चौक पर एक अंडरपास का निर्माण होना है। इस पूरे प्रोजेक्ट को 30 महीने में पूरा करने का लक्ष्य दिया गया है। 29 जुलाई को घोषित पहली तिमाही के नतीजों के अनुसार, कंपनी का शुद्ध लाभ बीते साल की तुलना में 94 प्रतिशत बढ़कर 271 करोड़ हो गया। यह बढ़ोतरी मार्जिन में सुधार और 170 करोड़ के एक्सेप्शनल गेन के कारण हुई। हालांकि, कुल आय में 16 प्रतिशत की गिरावट आई, जो ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन) ऑर्डरों में कमी को दिखाती है। दिलीप बिल्डकॉन के सीईओ देवेंद्र जैन ने बताया कि ईपीसी सेगमेंट में चुनौतियां होने के बावजूद, कोयला खनन और एचएएम (हाइब्रिड एन्युइटी मॉडल) सड़क परियोजनाओं से सहायता मिल रही है। उन्होंने भविष्य में पर्याप्त नए ऑर्डर मिलने की उम्मीद जाहिर की। कंपनी ने अपनी ग्रोथ को बढ़ावा देने के लिए 1,000 करोड़ तक के एनसीडी (नॉन-कंवर्टिबल डिबेंचर) और कमर्शियल पेपर्स जारी करने को भी मंजूरी दी है। विश्लेषकों के अनुसार, दिलीप बिल्डकॉन के शेयर का औसत टारगेट मूल्य 453 है, जो मौजूदा कीमत से लगभग 1 प्रतिशत कम है। छह विश्लेषकों ने इस शेयर के लिए सेल की सलाह दी है। पिछले एक महीने में शेयर में 11 प्रतिशत की गिरावट आई है, लेकिन पिछले दो साल में कंपनी के शेयर ने 43 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। कंपनी की मौजूदा बाजार कीमत करीब 6,696 करोड़ है।

अनिल अंबानी पर ईडी का दोहरा वार, दर्जन भर बैंकों को भी भेजे पत्र से बढ़ीं मुश्किलें

मंगलवार को ईडी के समक्ष होना है पेश

मुंबई,(ईएमएस)। देश के सबसे चर्चित उद्योगपतियों में शुमार अनिल अंबानी इस बार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के निशाने पर हैं। जांच एजेंसी ने उन्हें 5 अगस्त को पूछताछ के लिए समन जारी किया है, साथ ही उन 12 से 13 बैंकों को भी पत्र भेजे हैं जिन्होंने उनकी कंपनियों को ऋण दिए थे। इस तरह से अब ये जांच मनी लॉन्ड्रिंग और बैंक फ्रॉड के नए दायरे में प्रवेश कर गई है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार, उद्रयोगपती अनिल अंबानी मामले में ईडी ने भारतीय स्टेट बैंक, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई, एचडीएफसी, यूको बैंक और पंजाब एंड सिंध बैंक सहित प्रमुख सार्वजनिक व निजी बैंकों को पत्र लिखकर उनसे रिलायंस हाउसिंग फाइनेंस, रिलायंस कम्युनिकेशंस और रिलायंस कॉमर्शियल फाइनेंस को दिए गए लोन की विवरणात्मक जानकारी मांगी है। ईडी के अधिकारियों का कहना है कि ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया, चूक की समय-सीमा और वसूली की स्थिति जैसे बिंदुओं पर फोकस किया जा रहा है। संभव है कि बैंक अधिकारियों को भी पूछताछ के लिए तलब किया जाए, जिनकी निगरानी में ये लोन स्वीकृत हुए थे और जो बाद में एनपीए में तब्दील हो गए।

3,000 करोड़ की लोन हेराफेरी की जांच

ईडी की यह जांच साल 2017 से 2019 के बीच के उस कथित मामले से जुड़ी है, जिसमें यस बैंक द्वारा अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस समूह की कंपनियों को दिए गए करीब 3,000 करोड़ रुपये के लोन की गंभीर अनियमितताएं सामने आई थीं। रिपोर्ट के अनुसार, इन ऋणों के जारी होने से ठीक पहले कुछ प्रवर्तकों को फंड ट्रांसफर भी किए गए थे, जिससे यह संदेह गहराया कि यह प्रणालिबद्ध लेन-देन योजना हो सकती है।

पिछले हफ्ते हुई पहली गिरफ्तारी

बीते शुक्रवार को ईडी ने इस मामले में पहली गिरफ्तारी भी की। बिस्वाल ट्रेडलिंक प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक पार्थ सारथी बिस्वाल को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत 68.2 करोड़ रुपये की फर्जी गारंटी के मामले में गिरफ्तार किया गया। जांच में खुलासा हुआ कि यह गारंटी रिलायंस पावर की ओर से जमा कराई गई थी।

लुकआउट सर्कुलर और छापेमारी

ईडी ने अनिल अंबानी के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर भी जारी किया है ताकि वे देश छोड़कर न जा सकें। पिछले महीने इस मामले से जुड़ी 50 से अधिक कंपनियों पर छापे मारे जा चुके हैं। अब सभी की नजरें 5 अगस्त पर टिकी हैं, जबकि अनिल अंबानी ईडी के समक्ष पेश हो सकते हैं।

वारेन बफे के लगातार शेयर बेचने से निवेशक घबराए

नई दिल्ली ईएमएस शेयर बाजार के शहंशाह वारेन बुफेट की कंपनी वर्कशायर हैथवे ने पिछली तिमाही में 26154 करोड रुपए के शेयर बेचे हैं।पिछले 3 साल की 11 तिमाही से वह लगातार शेयर बेचकर नगदी जमा कर रहे हैं। वर्तमान में कंपनी के पास 30 लाख करोड रुपए की रिकॉर्ड नगदी जमा हो चुकी है। वारेन ने कोका कोला और बैंक ऑफ अमेरिका जैसी बड़ी कंपनियों के शेयर सबसे ज्यादा बेचे हैं। इनके शेयरों का मूल्य,बाजार मूल्य से ज्यादा है।वारेन और उनकी टीम को शेयर बाजार में निवेश करने के लिए कोई अच्छी कंपनियां नहीं मिल रही हैं। जिसके कारण उनका नगदी का भंडार बढ़ता चला जा रहा है। पिछली तिमाही में 6।9 अरब डॉलर के शेयर बेचे, और 3.9 बिलियन डॉलर के शेयर खरीदे हैं। पिछले साल वारेन की कंपनी ने एप्पल और बैंक ऑफ अमेरिका मैं अपनी हिस्सेदारी घटाई है। वारेन बुफेट को शेयर बाजार की अच्छी समझ है।उन्होंने जो भी कमाया है शेयर बाजार के माध्यम से कमाया है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 418 , निफ्टी 157 अंक ऊपर आया

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही आई टी , वाहन और धातु शेयरों में उछाल के कारण आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 418 अंकों के उछाल के साथ 81,018.72 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 157.40 बढ़कर 24,722.75 पर पहुंच गया। आज कारोबार के दौरान टाटा स्टील के शेयर में 4 फीसदी की बढ़त आई। वहीं अन्य धातु और वाहन क्षेत्र में अच्छी तेजी दर्ज की गयी। बाजार में उछाल का कारण दूनिया भर के बाजारों में आई बढत और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की खरीदारी से आई है। बाजार में सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों मे टाटा स्टील के शेयरों में 4.31 फीसदी की बढ़त आई. इसके बाद भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयरों में 3.55 फीसदी , अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन में 3.24 फीसदी , टेक महिंद्रा में 2.53 फीसदी , और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के शेयरों में 2.39 फीसदी तक की बढ़त रही।वहीं पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन के शेयर सबसे अधिक 1.01 फीसदी तक गिरे। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक के शेयरों में 0.99 फीसदी , आईसीआईसीआई बैंक में 0.60 फीसदी , हिंदुस्तान यूनिलीवर में 0.25 प्रतिशतफीसदी , और आईटीसी के शेयर में 0.04 फीसदी की गिरावट रही।

बाजार जानकारों के अनुसार धातु ओर वाहन क्षेत्र के शेयरों में आये उछाल के साथ ही अमेरिकी डॉलर की कमजोरी, के साथ ही कंपनियों के तिमाही परिणामों में सुधार से भी बाजार को बल मिला और वह ऊपर आया। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सेंसेक्स 192 अंक करीब 0.25 फीसदी बढ़त के साथ ही 80,804 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 82 अंक तकरीबन 0.34 फीसदी बढ़कर 24,648 पर खुला। आज वाहन क्षेत्र के शेयरों में सबसे अधिक तेजी रही। शुरुआती कारोबार में ही निफ्टी ऑटो इंडेक्स 1.29

फीसदी उछल गया। इसके अलावा पीएसयू बैंक, मेटल, रियल्टी, मीडिया, रियल्टी, इन्फ्रा और कमोडिटीज शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये हैं। आईटी, दवा, उर्जा और निजी बैंक शेयर गिरावट के साथ ही नीचे आये। लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में सपाट कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 4 अंक की हल्की गिरावट के साथ ही 56,635 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 16 अंक नीचे आकर 17,652 पर था। वहीं अमेरिका में टैरिफ और रोजगार रिपोर्ट के ताजा डेटा के कारण शुक्रवार को बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। इस दौरान अमेरिकी शेयर बाजारों में जमकर गिरावट रही। डाउ जोन्स 1.23 फीसदी, एसएंडपी 1.60 फीसदी और नैस्डैक कंपोजिट 2.24 फीसदी गिरा। इससे अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अगले महीने ब्याज दरों को घटाने की संभावनाएं बढ़ीं हैं। वहीं एशियाई बाजारों में मिश्रित रुख रहाहे। चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.23 फीसदी, हांगकांग के हैंग सेंग इंडेक्स में 0.50 फीसदी की बढ़त रही जबकि दक्षिण कोरिया के कोस्पी में 0.77 फीसदी की बढ़त आई। जापान के निक्केई 225 में सुबह के समय 1.63 फीसदी की गिरावट रही।दूसरी ओर विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने लगातार बिकवाली का सिलसिला जारी रखा और 3,366 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर बेचे जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,186 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

चीनी कंपनियों के साथ कोई साझेदारी नहीं, अदाणी समूह ने ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट को बकवास बताया

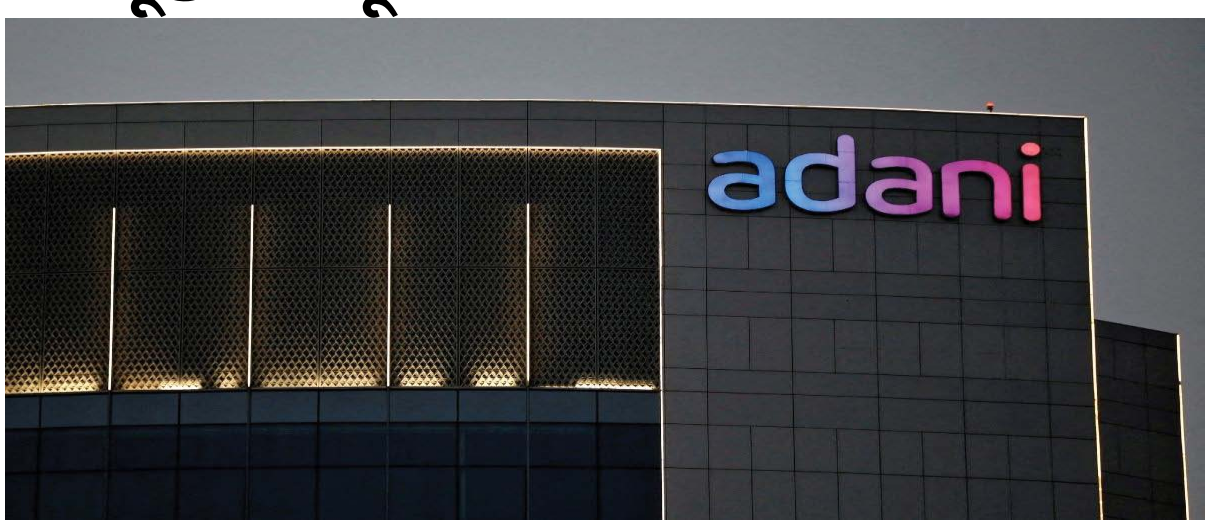

अहमदाबाद,(ईएमएस)। देश के दिग्गज कारोबारी समूह अदाणी ने ब्लूमबर्ग की उस रिपोर्ट को निराधार और भ्रामक बातकर पूरी तरह से खारिज किया है, जिसमें समूह के चीनी कंपनियों बीवॉयडी और बीजिंग वेलियन न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी के साथ संभावित गठजोड़ का दावा किया गया था। कंपनी की ओर से जारी बयान में, अदाणी समूह के प्रवक्ता ने कहा कि वे 4 अगस्त 2025 की ब्लूमबर्ग रिपोर्ट का खंडन करते हैं, इससे भारत में बैटरी निर्माण और स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए बीवॉयडी के साथ सहयोग की संभावना तलाशने की बात कही गई थी। अडानी समूह के प्रवक्ता ने कहा, यह रिपोर्ट निराधार, गलत और भ्रामक है। अदानी समूह भारत में बैटरी निर्माण के लिए बीवॉयडी के साथ किसी भी प्रकार के सहयोग की संभावना नहीं तलाश रहा है। इसके अतिरिक्त, अडानी समूह ने दो टूक कहा कि वे बीजिंग वेलियन न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी के साथ किसी भी प्रकार की साझेदारी के लिए कोई बातचीत नहीं कर रहे हैं। समूह का यह खंडन तब आया है, जब अदानी समूह अगले पांच वर्षों में करीब 100 अरब डॉलर के पूंजीगत व्यय निवेश की तैयारी कर रहा है।

अदानी समूह थर्मल और रिन्यूएबल एनर्जी उत्पादन, ट्रांसमिशन, डिस्ट्रीब्यूशन, एलएनजी, एलपीजी, सीएनजी, पीएनजी, बैटरी स्टोरेज, हाइड्रोजन ट्रक, ईवी चार्जिंग स्टेशन, पंप हाइड्रो और खनन सहित कई अन्य क्षेत्रों में कारोबार करता है। यह भारत का दूसरा सबसे बड़ा और सबसे कुशल सीमेंट निर्माता होने के साथ-साथ एयरोस्पेस और डिफेंस, डेटा सेंटर और रियल एस्टेट सेक्टर में भी मौजूद है।

सारदा एनर्जी एंड मिनरल्स के शेयरों में जबरदस्त तेजी, 500 रुपए के ऊपर पहुंचा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सारदा एनर्जी एंड मिनरल्स के शेयरों में सोमवार को तूफानी तेजी आई है। सारदा एनर्जी के शेयर सोमवार को 20 फीसदी के अपर सर्किट के साथ 527.10 रुपए पर पहुंच गए हैं। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के जबरदस्त नतीजों के बाद कंपनी के शेयरों में यह तेज उछाल आया है। पहली तिमाही में सारदा एनर्जी का मुनाफा दोगुना से ज्यादा बढ़ा है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 565.55 रुपए है। वहीं, सारदा एनर्जी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 244.75 रुपए है। सारदा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 118.53 फीसदी बढ़कर 434.36 करोड़ रुपए पहुंच गया है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी का प्रॉफिट 198.76 करोड़ रुपए था। अप्रैल-जून 2025 तिमाही में सारदा एनर्जी की सेल्स सालाना आधार पर 77.86 फीसदी बढ़कर 1625.50 करोड़ रुपए रही है।

ऑटो पीएलआई योजना में 84 में से 16 कंपनियों ने किए मानदंड पूरे

16 कंपनियों को कुल 107 मॉडलों व कलपुर्जों के लिए मिली मंजूरी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सरकार ने करीब दो साल पहले वाहन एवं वाहन कलपुर्जा उद्योग के लिए 25,938 करोड़ रुपए की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना लागू की थी, लेकिन इसके लिए पात्र 84 आवेदकों में से महज 16 कंपनियां ही अपने मॉडलों के लिए स्थानीय मूल्यवर्धन संबंधी मानदंडों को पूरा कर पाई हैं जो प्रोत्साहन पात्रता के लिए जरुरी है। इन 16 कंपनियों को कुल 107 मॉडलों व कलपुर्जों के लिए मंजूरी मिल गई है।

इन कंपनियों ने 31 जुलाई तक के आंकड़ों के आधार पर प्रोत्साहन हासिल करने के लिए पात्रता के स्थानीय मूल्यवर्धन संबंधी मानदंडों को पूरा कर लिया है। भारत में मोटर बनाने के लिए जरुरी दुर्लभ खनिजों के आयात पर चीन के प्रतिबंधों के कारण 50 फीसदी स्थानीयकरण के लक्ष्य तक पहुंचना वाहन विनिर्माताओं के लिए कठिन हो सकता है। यही कारण है कि वाहन उद्योग स्थानीयकरण की गणना में मोटरों को शामिल न करने के लिए सरकार से अनुरोध कर रहा है। शुरू में इस योजना को 1 अप्रैल 2022 से मार्च 2027 तक लागू किया गया था, लेकिन बाद में उसे एक साल बढ़ाकर 2028 कर दिया गया। एक वाहन विनिर्माता के पहले मॉडल को 50 फीसदी स्थानीय मूल्यवर्धन को पूरा करने पर पीएलआई योजना के तहत प्रोत्साहन के लिए 17 अगस्त 2023 को मंजूरी दी गई थी।

स्थानीय मूल्यवर्धन मानदंडों को पूरा करने वाले मॉडल रखने वाली कंपनियों के रिकॉर्ड से एक अलग तस्वीर सामने आती है। प्रमुख ओईएम और वाहन क्षेत्र के नए निवेशकों के बीच 20 कंपनियों में से महज 7 कंपनियों के पास ही ऐसे मॉडल हैं जिनके लिए आवेदन किया गया और स्थानीय मूल्यवर्धन की मंजूरी मिली है। इनमें से 15 कंपनियों के इलेक्ट्रिक वाहन सड़क पर मौजूद हैं। चार ऐसी कंपनियां हैं जिनके पास एक भी ईवी मॉडल नहीं है। ध्यान देने की बात यह भी है कि ओईएम चैंपियन श्रेणी में ऐसी कोई भी बहुराष्ट्रीय कंपनी नहीं है जिसे स्थानीय मूल्यवर्धन मानदंडों को पूरा करने की मंजूरी मिली हो। इनमें सुजूकी, ह्युंडै, किया और पीसीए ऑटोमोबाइल्स समेत सभी घरेलू कंपनियां हैं। वाहन कलपुर्जा के मामले में यह आंकड़ा काफी कमजोर है, जहां 64 पात्र कंपनियों में से महज 9 कंपनियों को ही पीएलआई प्रोत्साहन के लिए मंजूरी मिल पाई है लेकिन करीब 3 कंपनियों को ट्रैक्शन मोटर्स या हब मोटर्स के साथ एकीकृत व्हील रिम बनाने की मंजूरी मिल गई है। चीन में दुर्लभ खनिजों के निर्यात पर पाबंदियों के कारण उनकी मुश्किलें बढ़ गई हैं। ऐसे में भारत में उत्पादन करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

भारती एयरटेल की कुल आमदनी 49,615 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान

अप्रैल-जून 2025 की तिमाही में शानदार प्रदर्शन की बैठक में होगी घोषणा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। देश की दूसरी सबसे बड़ी टेलिकॉम कंपनी भारती एयरटेल इस बार अप्रैल-जून 2025 की तिमाही में शानदार प्रदर्शन कर सकती है। कंपनी के नतीजे मंगलवार अगस्त को घोषित किए जाएंगे। विश्लेषकों का मानना है कि इस तिमाही में कंपनी की आमदनी और मुनाफा दोनों में अच्छी बढ़त देखने को मिल सकती है। इसकी वजह भारत में मोबाइल ग्राहकों की संख्या में इजाफा और औसत प्रति यूजर आय में सुधार माना जा रहा है।

भारती एयरटेल ने स्टॉक एक्सचेंज को बताया कि कंपनी के बोर्ड की बैठक 5 अगस्त को होनी है। इस बैठक में कंपनी अप्रैल-जून तिमाही के स्टैंडअलोन और कंसॉलिडेटेड वित्तीय नतीजों पर मुहर लगाएगी। ये तिमाही 30 जून 2025 को खत्म हो गई है। बाजार के चार प्रमुख ब्रोकरेज संस्थानों नुवामा, कोटक, प्रभुदास लीलाधर और जेएम फाइनेंशियल ने अपने अनुमान जारी किए हैं। सभी ने भरोसा जताया है कि एयरटेल का प्रदर्शन मजबूत रहेगा। नुवामा का मानना है कि एयरटेल की कुल आमदनी 49,615 करोड़ रुपए तक पहुंच सकती है, जो पिछली तिमाही 48,362 करोड़ थी यानी करीब 2.6 फीसदी की ग्रोथ। साल दर साल तुलना करें तो यह बढ़त 27.6 फीसदी मानी जा रही है।

भारत के मोबाइल सर्विस बिजनेस में ग्राहकों की संख्या बढ़ने से करीब 3.4फीसदी ग्रोथ आ सकती है, हालांकि एआरपीयू में केवल मामूली बढ़त का अनुमान है। कंपनी का ऑपरेटिंग मुनाफा यानी ईबीआईटीडीए 28,236 करोड़ रुपए तक जा सकता है, जो कि साल भर पहले इस तिमाही में 20,071 करोड़ रुपए था।

मधुमेह और वजन घटाने की दवाओं को बाजार में उतारने की मची होड़

सेमाग्लूटाइड के जेनेरिक संस्करण बाजार में लॉन्च की तैयारी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। मधुमेह और वजन घटाने की दवाओं की वैश्विक मांग बढ़ने के कारण, भारतीय फार्मा कंपनियां सेमाग्लूटाइड के जेनेरिक संस्करणों (जीएलपी-1) को बाजार में लाने की तैयारी है। सेमग्लूटाइड एक दवा है जो मधुमेह और मोटापे के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाती है। इस दवा का पेटेंट मार्च 2026 में खत्म हो जाएगा, जिसके बाद भारतीय कंपनियां इसके जेनेरिक संस्करण को बाजार में लाएंगी। भारत में अभी सेमाग्लूटाइड गोली और इंजेक्शन के रूप में उपलब्ध है जिसे डेनमार्क की कंपनी नोवो नॉर्डिस्क बनाती है।

दवा के जेनेरिक संस्करण का लॉन्च बेहद महत्वपूर्ण होगा क्योंकि भारतीय ग्राहकों के लिए कीमतें मौजूदा 17,000-26,000 रुपए मासिक से काफी कम होने की उम्मीद है जिससे ज्यादा मरीज इसका लाभ उठा पाएंगे। डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज, सिप्ला, सन फार्मा, मैनकाइंड फार्मा और अन्य कंपनियां लॉन्च करने की तैयारी में है। ये कंपनियां पेप्टाइड के उत्पादन को बढ़ा रही हैं और दूसरे इंतजाम के लिए साझेदारी कर रही हैं और नियामकीय रणनीतियों के अनुरूप ढलने की कोशिश में हैं ताकि तेजी से बढ़ते जीएलपी-1 बाजार में अपनी हिस्सेदारी बना सकें। उम्मीद है कि दशक के अंत तक इस दवा का वैश्विक बाजार 150 अरब डॉलर से भी ज्यादा हो जाएगा। हैदराबाद की कंपनी डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज (डीआरएल) की योजना, 2026 से 87 देशों में सेमाग्लूटाइड को वैश्विक स्तर पर लॉन्च करने

की है जिसके तहत पेटेंट खत्म होते ही भारत और ब्राजील में इसे पहले ही दिन लॉन्च किया जाएगा। कंपनी के सीईओ ने कहा है कि उनकी दवा की कीमत नोवो नॉर्डिस्क की दवा की प्रतिमाह 17,000 रुपए से कम होगी। कंपनी अगले दशक में चरणबद्ध लॉन्च के लिए 26 पेप्टाइड आधारित जीएलपी-1 दवाएं भी तैयार कर रही है जिसके लिए 2026 में पेप्टाइड और बायोसिमिलर उत्पादन बढ़ाने के लिए 2,700 करोड़ रुपए का पूंजीगत खर्च किया जाएगा। सिप्ला आंतरिक स्तर पर साझेदारी के जरिये पहले चरण के लॉन्च का लक्ष्य रखा है। कंपनी के एमडी और वैश्विक सीईओ ने कहा कि पिछले पांच सालों में हमने जीएलपी-1 को थेरेपी के क्षेत्र में एक बड़े मौके के तौर पर देखा है। कंपनी आंतरिक स्तर पर जीएलपी-1 आपूर्ति श्रृंखला के कुछ हिस्से को तैयार कर रही है और बड़े पैमाने पर उत्पादन करने के लिए साझेदारियों का भी लाभ उठा रही है।

पाकिस्तान का गौरव थे एफ-16 विमान, अब तकनीकी खराबी के कारण होंगे बाहर

अब वायुसेना जेएफ-17 थंडर पर हो रही निर्भर, जो पाक-चीन का संयुक्त उत्पाद

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। अमेरिका से मिले एफ-16 लड़ाकू विमान पाकिस्तान वायुसेना की हवाई ताकत का गौरव थे। हालांकि अब ये फाइटर जेट संकट का सामना कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रैट एंड व्हिटनी एफ100 इंजनों में तकनीकी खराबी, पुराने होने के कारण टूट-फूट और स्पेयर पार्ट्स की भारी कमी ने इन विमानों को जमीन पर ला दिया है। पिछले तीन सालों में दर्जनों इंजन खराब हो चुके हैं, जिससे पाक वायुसेना की परिचालन क्षमता पर गहरा असर पड़ा है।अमेरिका के सख्त निर्यात नियंत्रण और विदेशी सैन्य बिक्री कार्यक्रम के लिए भुगतान में देरी ने इंजन पार्ट्स और रखरखाव किट की आपूर्ति रोक दी है। इसके चलते पाकिस्तान के पास हर मौसम में लड़ने वाले मल्टीरोल जेट की उपलब्धता सीमित हो गई है, जो राष्ट्रीय एयर डिफेंस के लिए बड़ा झटका है। एफ-16 की उम्र और अमेरिकी प्रतिबंधों ने इस संकट को और मुश्किल बना दिया है। अमेरिका-पाकिस्तान समझौते के तहत इन विमानों का उपयोग केवल निर्धारित ठिकानों से और काउंटर-टेररिज्म के लिए सीमित है, जिसके उल्लंघन पर लॉजिस्टिक सप्लाई रुक सकती है। नतीजतन, कई एफ-16 विमान मरम्मत या पार्ट्स के इंतजार में खड़े हैं, जिससे नियमित गश्त और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रभावित हो रही है।पाक वायुसेना अब जेएफ-17 थंडर पर निर्भरता बढ़ा रहा है, जो पाकिस्तान और चीन का संयुक्त उत्पाद है, लेकिन जेएफ-17 के रूसी आरडी-93 इंजनों में भी रखरखाव और स्पेयर पार्ट्स की कमी की समस्या है, क्योंकि रूस पर प्रतिबंध और तकनीकी सीमाएं इसे एफ-16 का पूर्ण विकल्प बनने से रोक रही है। इस संकट ने पाकिस्तान को रणनीतिक रूप से कमजोर स्थिति में ला दिया है। राष्ट्रीय एयरोस्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी पार्क के तहत पीएएफ ड्रोन और मानवरहित एयर डिफेंस सिस्टम पर ध्यान दे रहा है। स्थानीय कंपनी ग्वाल्फा टेक प्राइवेट लिमिटेड के जरिए ड्रोन खरीद और स्वदेशीकरण पर जोर है, जो खुफिया जानकारी और सटीक हमलों की क्षमता बढ़ाता है।पाकिस्तान चीन से नॉरिन्को से तोपखाने, बख्तरबंद प्रणालियां और वीटी4 एमबीटी जैसे उपकरण खरीद रहा है, जो युद्धक्षेत्र में गतिशीलता बढ़ाते हैं, साथ ही वह तुर्की के साथ रक्षा सहयोग भी बढ़ रहा है, जिसमें मिल्गेम कॉर्वेट्स और बायरकतार ड्रोन शामिल हैं, जो नौसैनिक और मानवरहित युद्ध में अहम हैं। हालांकि, टी-129 सौदे में अमेरिकी निर्यात कंट्रोल ने बाधा डाली। पाकिस्तान का एफ-16 संकट उसकी रक्षा रणनीति के लिए चुनौती है। अगर अमेरिका के साथ सहयोग नहीं बढ़ा या कोई वैकल्पिक समाधान नहीं मिला, तो पाक वायुसेना की हवाई ताकत और राष्ट्रीय सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ेगा।

क्या, एक साल बाद हसीना को हटाकर यूनुस को लाने वाले छात्र अब ठगा महसूस कर रहे

ढाका,(ईएमएस)। क्या हम सच में जीते हैं, यह सवाल आज बांग्लादेश की सड़कों पर हर कोई पूछ रहा है। जिस आंदोलन ने एक साल पहले शेख हसीना को सत्ता से बाहर किया था, वहीं आंदोलनकारी अब मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार से नाराज हैं। छात्रों और आम लोगों को लगता है कि जिस बदलाव के लिए उन्होंने लड़ाई लड़ी थी, वह बदलाव अब सिर्फ चेहरों की अदला-बदली बनकर रह गई है। महंगाई, बेरोजगारी और पुराने सिस्टम के जाल में फंसी यूनुस सरकार ने उनकी उम्मीदों को झटका दे दिया है। इसी निराशा ने लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है, क्या हमने वाकई जीत हासिल की थी, या सिर्फ सत्ता बदलने की औपचारिकता पूरी की?बांग्लादेश की राजधानी ढाका की सड़कों पर एक साल पहले जो जश्न मनाया गया था, वह आज निराशा में बदल गया है। बांग्लादेश की सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहीं शेख हसीना को पिछले साल छात्रों के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों के बाद सत्ता से बाहर होना पड़ा था। इन हिंसक प्रदर्शनों में करीब 1,400 लोगों की जान गई थी। हसीना के 15 साल लंबे शासन का नाटकीय अंत तब हुआ जब उन्होंने अपने ढाका आवास से हेलिकॉप्टर में बैठकर भागने में ही भलाई समझी। गुस्साई छात्रों की भीड़ ने उनके घर को लूटा और उनकी पार्टी आवामी लीग बिखर गई। अब हसीना क्राइम्स अगेंस्ट ह्यूमैनिटी (मानवता के खिलाफ अपराध) के मामलों में ढाका के इंटरनेशनल क्रिमिनल ट्रिब्यूनल में अनुपस्थिति में मुकदमे का सामना कर रही हैं। उन्होंने विदेश से ही बयान जारी कर अपने समर्थकों की मौत का बदला लेने की धमकी दी है। वहीं, बांग्लादेशी अधिकारी उनके परिवार और सहयोगियों के खिलाफ इंटरपोल नोटिस जारी कर रहे हैं।हसीना के पतन के बाद बांग्लादेश में बदलाव की उम्मीदें जगी। छात्रों, नागरिक समूहों और विपक्षी दलों के गठबंधन ने नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को अंतरिम राष्ट्रपति बनाया। 85 वर्षीय यूनुस को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक भरोसेमंद चेहरा माना गया। उन्होंने सत्ता संभालते हुए ऐलान किया कि बांग्लादेश "दमन की राख पर जन्मा एक नया गणराज्य बनेगा।वैश्विक मंच पर भी यूनुस ने बांग्लादेश को नई दिशा देने की कोशिश की। मार्च 2025 में चीन दौरे पर उन्होंने 2.1 अरब डॉलर के निवेश की डील की। अमेरिका से ट्रेड टैक्स में राहत मांगी और भारत के साथ रणनीतिक रिश्ते मजबूत करने पर जोर दिया। शुरुआत में यह सब बांग्लादेशियों को बदलाव की ओर बढ़ता कदम लगा।लेकिन अब एक साल बाद तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। महंगाई जहां 9 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गई है, बेरोजगारी बढ़ रही है और अमेरिकी टैक्स नीतियों ने देश की गारमेंट इंडस्ट्री की कमर तोड़ दी है। यूनुस सरकार पर आरोप है कि पुराने सिस्टम में बैठे हसीना समर्थक अफसर योजनाओं को रोक रहे हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि वे सिस्टम को सबसे अच्छी तरह जानते हैं और बस इंतजार कर रहे हैं कि यह सरकार थक जाए। इन अफसरों पर खरीद प्रक्रिया रोकने, जरूरी डेटा छुपाने और प्रस्तावों को टालने जैसे आरोप लगे हैं।

संक्षिप्त ख़बरें

पाकिस्तान में बाढ़ ने मचाई तबाही, अब तक 299 लोगों की मौत, इनमें 140 बच्चे

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। पाकिस्तान में मूसलाधार बारिश ने कहर बरपाया है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) की ओर जारी आंकड़ों के मुताबिक 26 जून से अब तक 140 बच्चों समेत कम से कम 299 लोगों की जान चली गई और 715 घायल हुए हैं।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सोमवार को बारिश से जुड़ी घटनाओं में 715 लोग घायल हुए हैं, जिनमें 239 बच्चे, 204 महिलाएं और 272 पुरुष हैं। इस बीच अचानक आई बाढ़ और भारी बारिश में कुल 1,676 घरों को नुकसान पहुंचा है और 428 पशुओं की मौत हुई है। बाढ़ ने कई क्षेत्रों में तबाही मचाई है और लागों को भारी नुकसान पहुंचाया है।एक रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग (पीएमडी) ने देश के ऊपरी और मध्य क्षेत्रों में बारिश का दौर जारी रहने की बात कही है। सोमवार को कमजोर मानसूनी हवाओं के तेज होने और मंगलवार को तेज पश्चिमी लहरें आने की संभावना है।पीएमडी के राष्ट्रीय मौसम के मुताबिक गुरुवार तक पीओके, गिलगित-बाल्टिस्तान, खैबर-पख्तूनख्वा, पंजाब और इस्लामाबाद में गरज के साथ भारी बारिश हो सकती है।मौसम विभाग ने बताया कि आने वाले सप्ताह में हवा व गरज-चमक के साथ बारिश का अनुमान है। कमजोर मानसूनी हवाएं देश के ऊपरी व मध्य भागों में चल रही हैं और सोमवार से इनके तेज होने की संभावना है। मंगलवार को एक पश्चिमी विक्षोभ के मजबूत होने की संभावना है।पाकिस्तानी मौसम विभाग ने बुधवार को उत्तर-पूर्वी बलूचिस्तान के कई हिस्सों में बारिश और तूफान का पूर्वानुमान लगाया है, साथ ही चेतावनी दी है कि निचले इलाकों में बाढ़ आ सकती है और नागरिकों से सावधानी बरतने का आग्रह किया है। सभी संबंधित संस्थानों को सतर्क रहने और अग्रिम उपाय करने के निर्देश दिए हैं। मौसम विभाग ने आगाह किया कि भारी बारिश से चित्राल, दीर, स्वात, शांगला, मानसेहरा, कोहिस्तान, एबटाबाद, बुनेर, चारसद्दा, नौशेरा, स्वाबी, मर्दन, मुर्री, गलियात, रावलपिंडी, उत्तर-पूर्वी पंजाब और पीओके समेत कई क्षेत्रों के नाले अचानक उफन सकते हैं। इस सप्ताह में इस्लामाबाद और रावलपिंडी, गुजरांवाला, लाहौर और सियालकोट के निचले इलाकों में संभावित शहरी बाढ़ आने की संभावना है।

मुस्लिम ब्रदरहुड को आतंकवादी संगठन घोषित कर सकता है अमेरिका

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका एक बार फिर मुस्लिम ब्रदरहुड को आतंकवादी संगठन घोषित करने की दिशा में काम कर रहा है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई के मध्य में रिपब्लिकन सांसद मारियो डियाज-बालार्ट और डेमोक्रेटिक सांसद जैरेड मॉस्कोविट्ज द्वारा एक विधेयक पेश किया गया है, जिसमें मुस्लिम ब्रदरहुड को आतंकी संगठन घोषित करने की मांग की गई है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने इसकी पुष्टि की है।रिपोर्ट में कहा गया है कि मुस्लिम ब्रदरहुड भले ही खुद को एक राजनीतिक आंदोलन के रूप में प्रस्तुत करता है, लेकिन वास्तव में यह हिंसक इस्लामी नेटवर्क का वैचारिक स्रोत है। इस विधेयक को अमेरिका के कई प्रमुख नीति संगठनों का भी समर्थन मिला है। इन संगठनों ने उजागर किया है कि मुस्लिम ब्रदरहुड दोहरी रणनीति अपनाता है। एक ओर आधुनिक छवि पेश करता है, वहीं दूसरी ओर अपने एजेंडे को हिंसक तरीकों से लागू करने वाले गुटों को समर्थन करता है।रिपोर्ट के मुताबिक मुस्लिम ब्रदरहुड का खतरा महज एक राजनीतिक आंदोलन नहीं बल्कि एक वैश्विक परियोजना है, जिसकी जड़ें हसन अल-बन्ना और सैयद कुतुब की कट्टरपंथी सोच में हैं। 1928 में मिस्र के सूफी प्रचारक हसन अल-बन्ना ने जामिया हसाफिया अल-खैरिया की स्थापना की, जिसका उद्देश्य इस्लामी खिलाफत की बहाली था। बाद में इसे अल-इखवान अल-मुस्लिमून यानी मुस्लिम ब्रदरहुड नाम दिया गया। 1949 में अल-बन्ना की हत्या के बाद सैयद कुतुब ने संगठन की कमान संभाली और एक वैचारिक ढांचा तैयार किया, जिसने बाद में अल-कायदा और आईएसआईएस जैसे संगठनों को प्रेरित किया।रिपोर्ट में बताया गया है कि ओसामा बिन लादेन की मां ने स्वीकार किया था कि उनका बेटा अब्दुल्ला अज्ज़ाम फिलिस्तीनी ब्रदरहुड सदस्य के संपर्क में आने के बाद कट्टरपंथी बना। अज्ज़ाम ने उसे जेद्दाह की किंग अब्दुलअज़ीज़ यूनिवर्सिटी में भर्ती किया था। वहीं, अल-कायदा के वर्तमान प्रमुख अयमान अल-जवाहिरी की शुरुआत भी मुस्लिम ब्रदरहुड से ही हुई थी।

पाकिस्तान और अफगान शरणार्थीः अपमानित महसूस कर रहे अफगान, बढ़ रहा है मानवीय संकट

लाहौर,(ईएमएस)। पाकिस्तान ने अफगान शरणार्थियों को वापस भेजने की अपनी तीसरी चरण की प्रक्रिया तेज कर दी है, खासकर सिंध और पंजाब के बाद अब खैबर पख्तूनख्वा में भी अभियान शुरू हो गया है। कई अफगान शरणार्थियों ने दावा किया है कि उन्हें पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा अपमानित महसूस कराया गया और उनसे दस्तावेज़ बनवाने के नाम पर पैसे मांगे गए। पाकिस्तानी गृह मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार, सभी प्रांतों में वैध वीजा और पासपोर्ट के बिना रहने वाले अफगान नागरिकों को गिरफ्तार कर निर्वासित किया जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, तोरखम के ओमारी अस्थायी शिविर में लौटने वाले शरणार्थियों के लिए परिवहन, स्वास्थ्य क्लीनिक, टेंट और वित्तीय सहायता (प्रति व्यक्ति 8,000 से 10,000 अफगानी रुपये) जैसी व्यवस्थाएं की गई हैं। हालांकि, कई परिवारों ने, जिनके पास वैध पीओआर (प्रूफ ऑफ रजिस्ट्रेशन) कार्ड थे, पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा दुर्व्यवहार किए जाने की शिकायत की है। कुछ शरणार्थियों ने बताया कि उनसे चेकपोस्ट पर बड़ी रकम (जैसे 2,00,000 पाकिस्तानी रुपये) की मांगी कर परेशान किया गया।संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) की रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर 2023 से अब तक करीब 12 लाख अफगान नागरिक पाकिस्तान से वापस आ चुके हैं। रिपोर्ट में लौटने वालों की बहुत खराब हालत पर चिंता जाहिर की गई है और तत्काल मानवीय सहायता की आवश्यकता पर बल दिया गया है। 2025 में ही 3,15,000 से अधिक अफगान वापस लौटे हैं, जिनमें से लगभग 51,000 को पाकिस्तानी सरकार द्वारा जबरन निकाला गया था। पाकिस्तान में बढ़ते राजनीतिक और सुरक्षा दबाव के कारण दशकों से रह रहे लगभग 20 लाख अफगान शरणार्थियों की स्थिति खतरे में है।

शक्तिशाली भूकंप के कारण दौड़ी दुनिया भर में चिंता की लहर

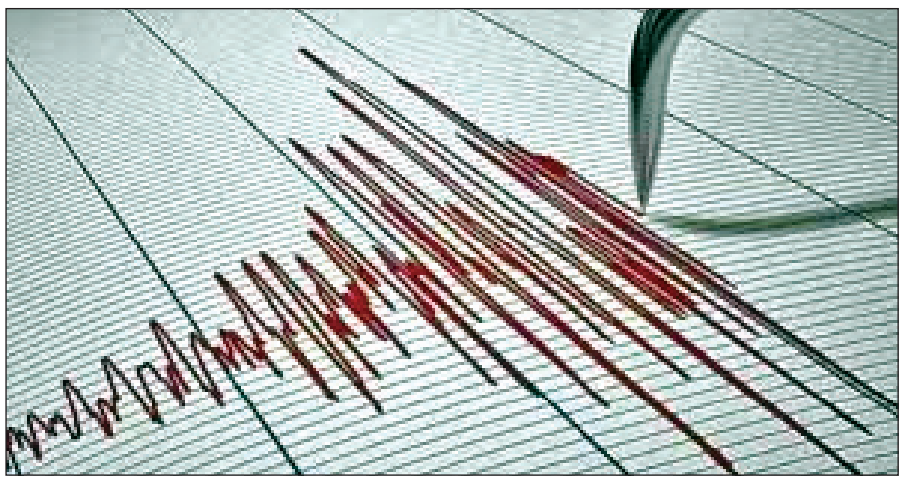

मास्को (ईएमएस)। हाल ही में रूस के कामचटका प्रायद्वीप में आए 8.8 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने दुनियाभर में चिंता की लहर दौड़ा दी। भूकंप आने के बाद न केवल कामचटका की सबसे सक्रिय ज्वालामुखी में विस्फोट हुआ, बल्कि इससे फ्रेंच पोलिनेशिया और चिली तक के लिए सुनामी की चेतावनी जारी करनी पड़ी।इससे पहले जापान के पूर्वी समुद्र तट को खाली कराने के आदेश दिए गए, क्योंकि यह इलाका 2011 की भयानक सुनामी का शिकार रह चुका है। हवाई के कुछ क्षेत्रों में भी सतर्कता बरतने को कहा गया है। फ्रेंच पोलिनेशिया के अधिकारियों ने चेताया कि मार्केसस द्वीपों में दो से ढाई मीटर ऊंची लहरें उठ सकती हैं, जिससे वहां के निवासियों को तुरंत ऊंचाई की ओर जाने की सलाह दी गई। सुनामी का सबसे बड़ा खतरा इसकी तेज रफ्तार में छिपा होता है। खुले समुद्र में इसकी गति 970 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है, जो किसी जेट विमान की रफ्तार के बराबर मानी जाती है। इसी गति के कारण यह बहुत कम समय में हजारों किलोमीटर दूर तक पहुंच सकती है और तबाही मचा सकती है। सुनामी सामान्यतः समुद्र के भीतर किसी बड़े भूकंप, ज्वालामुखी विस्फोट या समुद्र के नीचे चट्टानों के खिसकने से उत्पन्न होती है। कभी-कभी यह अंतरिक्ष से गिरे किसी बड़े उल्कापिंड या एस्टेरॉयड के कारण भी उत्पन्न हो सकती है। जब समुद्र की सतह पर अचानक कोई बड़ा बदलाव होता है, तो ऊपर का पानी विस्थापित हो जाता है, जिससे शक्तिशाली लहरें उठती हैं जो तट की ओर तेजी से बढ़ती हैं। हर समुद्र के नीचे आया भूकंप सुनामी नहीं लाता, लेकिन यदि उसकी तीव्रता 6.75 रिक्टर स्केल से अधिक हो और वह उथले समुद्र तल के नीचे हो, तो सुनामी की आशंका बहुत प्रबल हो जाती है। सुनामी दरअसल समुद्री लहरों की एक श्रृंखला होती है, जिसे 'वेव ट्रेन' कहा जाता है। गहरे समुद्र में ये लहरें लंबाई में सैकड़ों किलोमीटर तक फैली होती हैं, लेकिन ऊंचाई बहुत कम होती है महज कुछ फीट। जैसे ही ये लहरें तटरेखा के पास के उथले पानी में पहुंचती हैं, इनकी गति घटने लगती है, लेकिन ऊंचाई और ऊर्जा तेजी से बढ़ने लगती है। पानी की ऊपरी परत निचली परत से तेज चलती है, जिससे लहरें ऊपर उठती हैं और पानी की विशाल दीवार बन जाती हैं। जब ये दीवार किनारे से टकराती है, तो समुद्र का पानी रफ्तार से भीतर की ओर घुसता है और पूरे तटीय क्षेत्र को जलमग्न कर देता है। सुनामी की लहरें अक्सर एक बार में नहीं आतीं, बल्कि क्रमशः कई लहरों का सिलसिला होता है, जिनमें दूसरी या तीसरी लहर पहली से ज्यादा विनाशकारी हो सकती है। यही कारण है कि चेतावनी मिलने के बाद कुछ समय तक लोगों को वापस तटीय इलाकों में नहीं लौटने दिया जाता।

79 साल की अभिनेत्री लोनी एंडरसन का निधन

लंदन (ईएमएस)। हिट टीवी कॉमेडी डब्ल्यूकेआरपी इन सिनसिनाटी में रेडियो स्टेशन की रिसेप्शनिस्ट का किरदार निभाकर सुर्खियों में आई अभिनेत्री लोनी एंडरसन अब हमारे बीच नहीं रही। वे लंबे समय से बीमार थीं और 80वें जन्मदिन से एक दिन पहले उन्होंने अंतिम सांस ली। वे 79 साल की थीं और उनका जन्मदिन पांच अगस्त को है। उनके निधन की पुष्टि कर एंडरसन के परिवार ने बताया कि हमें अपनी प्यारी पत्नी, मां और दादी के निधन की घोषणा करते हुए बहुत दुख हो रहा है।लोनी एंडरसन एक मशहूर अमेरिकी अभिनेत्री थीं। उन्हें सबसे ज्यादा पहचान डब्ल्यूकेआरपी इन सिनसिनाटी नाम के टीवी शो से मिली जो 1978 से 1982 तक चला। शो में उन्होंने जेनिफर के रूप में एक रिशेप्शनिस्ट का किरदार निभाया था। वह अपने बॉस मिस्टर कार्लसन के लिए अनचाहे फोन कॉल्स को संभालती थीं और अपनी चतुराई से रेडियो स्टेशन को अच्छे से चलाती थीं।

श्वसन संक्रमण फेफड़ों में मौजूद ब्रेस्ट कैंसर हो सकता है पुनः सक्रिय

वाशिंगटन (ईएमएस)। कोविड-19 और इन्फ्लूएंजा जैसे आम श्वसन संक्रमण फेफड़ों में निष्क्रिय अवस्था में मौजूद ब्रेस्ट कैंसर कोशिकाओं को पुनः सक्रिय कर सकते हैं। यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है एक ताजा अध्ययन में। इससे नए मेटास्टेटिक ट्यूमर बनने की संभावना बढ़ जाती है, जो कैंसर की वापसी और गंभीरता को बढ़ा सकता है। अमेरिका के अल्बर्ट आइंस्टीन कॉलेज ऑफ मेडिसिन से जुड़े प्रमुख शोधकर्ता जूलियो अगुइरे-घिसो के अनुसार, यह निष्कर्ष दर्शाता है कि कैंसर से बच चुके लोगों को भविष्य में कोविड-19 या अन्य श्वसन संक्रमणों से अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए। उनका कहना है कि ऐसे संक्रमणों से बचने के लिए वैक्सीनेशन और समय-समय पर चिकित्सकीय परामर्श लेना बेहद ज़रूरी हो जाता है। इस शोध से पहले किए गए अध्ययनों में यह देखा गया था कि शरीर में सूजन की प्रक्रिया कैंसर की निष्क्रिय कोशिकाओं को सक्रिय करने में भूमिका निभा सकती है। ये कोशिकाएं अक्सर प्राइमरी ट्यूमर से अलग होकर शरीर के अन्य हिस्सों विशेष रूप से फेफड़ों में जाकर वर्षों तक निष्क्रिय अवस्था में पड़ी रहती हैं। लेकिन जब कोई गंभीर संक्रमण या सूजन उत्पन्न होती है, तो ये कोशिकाएं फिर से सक्रिय होकर मेटास्टेसिस की प्रक्रिया शुरू कर देती हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान वैश्विक स्तर पर कैंसर मृत्यु दर में जो इज़ाफा देखा गया, वह इसी कड़ी का हिस्सा माना जा रहा है। शोध में चूहों को कोविड-19 (सार्स-कोविड-2) और इन्फ्लूएंजा वायरस से संक्रमित किया गया। परिणामस्वरूप, उनके फेफड़ों में मौजूद निष्क्रिय कैंसर कोशिकाएं मात्र कुछ दिनों में सक्रिय हो गईं और दो सप्ताह के भीतर मेटास्टेटिक ट्यूमर विकसित हो गए। इस प्रतिक्रिया के पीछे इंटरल्यूकिन-6 नामक एक प्रोटीन की भूमिका पाई गई, जो संक्रमण के दौरान शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली द्वारा छोड़ा जाता है। मानव रोगियों के डेटा के विश्लेषण से भी यह पुष्टि हुई कि जिन कैंसर सर्वाइवर्स को किसी भी प्रकार का श्वसन संक्रमण हुआ, उनमें मेटास्टेसिस का खतरा सामान्य लोगों की तुलना में अधिक था, विशेष रूप से संक्रमण के पहले साल में। नीदरलैंड्स की यूट्रीख्ट यूनिवर्सिटी के रूल वर्म्यूलन ने बताया कि यह अध्ययन उस समय किया गया था जब कोविड-19 के टीके उपलब्ध नहीं थे, जिससे इसकी गंभीरता और भी बढ़ जाती है। यह शोध कैंसर सर्वाइवर्स और उनके डॉक्टरों के लिए एक महत्त्वपूर्ण चेतावनी है कि उन्हें संक्रमणों को हल्के में नहीं लेना चाहिए।

हमास हमले रोकने, राशन पहुंचाने की शर्त पर बंधकों की मदद को तैयार

50 बंधक अभी भी कब्जे में, वीडियो में दयनीय हालत में दिखा बंधक

काहिरा,(ईएमएस)। गाजा में अभी भी कई इजराइली हमास के चंगुल में हैं। हमास ने पिछले दिनों बंधकों की दयनीय हालत का एक वीडियो साझा किया था, जिसकी आलोचना हुई थी। अब हमास ने रविवार को कहा कि अगर इजराइल उसकी कुछ शर्तें मान लेता है, तो वह गाजा में इजराइली बंधकों को सहायता पहुंचाने के लिए रेडक्रॉस के साथ समन्वय करने को तैयार हैं। हमास ने कहा कि वह रेडक्रॉस के साथ कोई भी सहयोग और समन्वय तभी करेगा, जब इजराइल गाजा पट्टी में स्थायी तौर पर मानवीय गलियारों को खोलेगा और वहां राहत और राशन वितरण के दौरान हवाई हमले रोकेगा।मीडिया रिपोर्ट में इजराइली अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि गाजा में अभी भी 50 बंधक हमास के कब्जे में हैं, जिनमें से केवल 20 के ही जीवित होने की संभावना है। हमास ने अब तक ह्यूमन राइट संगठनों को इन बंधकों की पहुंच से रोक रखा है।बता दें शनिवार को हमास ने एक इजराइली बंधक का वीडियो जारी किया था। इस वीडियो में डेविड दीन-हीन दशा में दिख रहा था। वह सिर्फ हड्डियों का कंकाल नजर आ रहा था। वीडियो में उसे एक गड्ढा खोदता दिखाया गया था, जिसके बारे में उस वीडियो में कहा गया कि वह अपनी ही कब्र खोद रहा है।डेविड के हालिया वीडियो ने इजराइलियों को भयभीत कर दिया है। फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन और अमेरिका जैसे देशों ने भी नाराजगी जताई। दूसरी तरफ इजराइल के विदेश मंत्रालय ने घोषणा की है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद मंगलवार को गाजा में बंधकों की स्थिति के मुद्दे पर एक विशेष सत्र आयोजित कर रहा है।

टेक्सास से कंसास तक फैली आकाशीय बिजली, यह सबसे लंबा 'मेगाफ्लैश'

आठ साल बाद वैज्ञानिकों ने आसमान में चमकी रोशनी का खोजा राज

लंदन,(ईएमएस)। अक्टूबर 2017 में अमेरिका के आसमान में एक चमक ने वैज्ञानिकों को भी हैरान कर दिया था, जिसको लेकर वैज्ञानिक परेशान थे अब आठ साल बाद वैज्ञानिकों ने पुष्टि की है कि यह चमक दुनिया की सबसे लंबी आकाशीय बिजली थी, जिसकी लंबाई 829 किलोमीटर थी। यह टेक्सास से कंसास तक फैली थी और अब इसकी पुष्टि विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) ने की है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह घटना अब तक का दर्ज किया गया सबसे लंबा 'मेगाफ्लैश' है। इसने 29 अप्रैल 2020 को अमेरिका के टेक्सास, लुइसियाना और मिसिसिपी में हुई 768 किलोमीटर लंबी बिजली का पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया है। बता दें 'मेगाफ्लैश' वह बिजली होती है जो बहुत दूर तक क्षैतिज रूप से फैलती है। यह आम बिजली से कई गुना ज्यादा लंबी और प्रभावशाली होती है। वैज्ञानिक इसे उपग्रहों और खासकर रेडियो डिटेक्शन उपकरणों के जरिए ट्रैक करते हैं।डब्ल्यूएमओ के मुताबिक यह रिकॉर्ड आधुनिक तकनीकों की मदद से सामने आया है। इतना लंबा बिजली प्रवाह सामान्य नहीं होता और इसके लिए विशेष मौसमीय स्थितियां जिम्मेदार होती हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक 2017 की इस बिजली ने एक बार में 800 किमी से ज्यादा की दूरी तय की, जो एक असाधारण घटना है। यह घटना बिजली की शक्ति और खतरे को समझने में वैज्ञानिकों की मदद करती है। इससे वेदर अर्ल्ट सिस्टम को और ज्यादा प्रभावी बनाने की दिशा में जानकारी मिलती है।आम लोगों के लिए यह चेतावनी है कि आकाशीय बिजली का प्रभाव किसी एक जगह तक सीमित नहीं होता। 2017 की यह घटना यह बताती है कि प्रकृति की ताकत की कोई सीमा नहीं है। एक ही बिजली टेक्सास से कंसास तक फैली और आठ साल बाद उसकी सटीक पहचान हो सकी। यह न केवल विज्ञान की प्रगति का संकेत है बल्कि यह भी चेतावनी है कि मौसम से जुड़े खतरे लगातार बढ़ रहे हैं और हमें सतर्क रहने की जरूरत है।

ट्रंप के सलाहकार का दावा कहा, यूक्रेन जंग में रूस को फंडिंग कर रहा भारत

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक सहयोगी ने रूस से तेल खरीदने पर भारत की आलोचना की और भारत पर यूक्रेन युद्ध में रूस को वित्तीय मदद पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह एक आश्चर्यजनक तथ्य है कि इस मामले में भारत चीन के साथ गठजोड़ बनाकर काम कर रहा है और जमकर रूसी तेल खरीद रहा है। मिलर का यह बयान ऐसे समय में सामने आया है, जब ट्रंप प्रशासन अन्य देशों के ऊपर लगातार दबाव बना रहा है। इसी सिलसिले में उसने भारत के ऊपर भी 25 प्रतिशत टैरिफ और जुर्माने की घोषणा की है।हालांकि, अमेरिकी दबाव के बावजूद भारत की तरफ से रूसी तेल खरीद को बंद करने के कोई संकेत नहीं मिले। रॉयटर्स के अनुसार भारत सरकार के सूत्रों ने कहा कि वह रूस से तेल आयात करना जारी रखेंगे। ट्रंप के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ स्टीफन मिलर ने कहा कि ट्रंप चाहते हैं कि भारत रूसी तेल की खरीद को बंद कर दे। संडे मॉर्निंग फ्यूचर्स से बात करते हुए मिलर ने कहा, उन्होंने (ट्रंप ने) बहुत ही स्पष्ट शब्दों में कहा है कि भारत को रूस से तेल खरीदना बंद कर देना चाहिए। क्योंकि यूक्रेन युद्ध में रूस का वित्तपोषण स्वीकार्य नहीं है।

यमन तट पर प्रवासी नाव पलटने से 68 की मौत, 74 लापता

सीरिया (ईएमएस)। यमन के तट पर एक प्रवासी नाव पलटने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 68 हो गई है, जबकि अभी भी 74 लोग लापता हैं। यह हादसा तब हुआ जब 154 इथियोपियाई प्रवासियों को ले जा रही एक नाव अबयान प्रांत के तटीय जलक्षेत्र में पलट गई। बचाव दल ने 68 शव बरामद किए हैं और 12 जीवित बचे लोगों को पानी से निकाला गया। बचे हुए लोगों को आपातकालीन चिकित्सा उपचार के लिए शक्र जनरल अस्पताल ले जाया गया है, जहां कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है। सभी पीड़ित और बचे हुए लोग इथियोपियाई नागरिक हैं। ये लोग यमन पहुंचने और फिर बेहतर आर्थिक अवसरों की तलाश में खाड़ी देशों की यात्रा करने वाले अफ्रीकी प्रवासियों के निरंतर आगमन का हिस्सा हैं। यह घटना अफ्रीकी प्रवासियों के सामने मौजूद खतरों को उजागर करती है, जो यमन के लंबे संघर्ष और गंभीर मानवीय संकट के बावजूद खतरनाक समुद्री यात्राओं का जोखिम उठाते रहते हैं।

सिराज और कृष्णा की शानदार गेंदबाजी से भारत 6 रनों से जीता

सीरीज 2-2 से ड्रॉ

प्लेयर ऑफ द मैच मो सिराज

प्लेयर ऑफ द सीरीज शुभमन, हैरी

ओवल (ईएमएस)। भारत ने इंग्लैंड को पांचवें और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में छह रनों से हराकर पांच टेस्ट मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर कर दी है। मैच के अंतिम दिन मेजबान टीम इंग्लैंड को जीत के लिए 35 रनों की जरुरत थी और उसके पास चार विकेट थे पर वह 374 रनों का लक्ष्य हासिल नहीं कर पायी और 367 रन पर सिमट गयी। मेजबान बल्लेबाज बेहद रोमांचक मुकाबले में भारतीय गेंदबाजों मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा के सामने टिक नहीं पाये। सिराज ने 5 विकेट जबकि कृष्णा ने 4 विकेट लिए। सिराज ने गस एटकिंसन का विकेट लेकर भारतीय टीम को जीत दिला दी। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम पहली पारी में 224 रन बना पायी थी। भारत की ओर से करुण नायर से 57 और साईं सुदर्शन ने 38 रनों की पारी खेली। वहीं जवाब में इंग्लैंड भी अपनी पहली पारी में 247 रन बना सकी और उसे केवल 23 रनों की ही बढ़त मिली। इंग्लैंड की ओर से जैक क्रॉली ने 64 और हैरी ब्रूक ने 53 रन बनाए। वहीं इसके बाद दूसरी पारी में भारतीय टीम ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। भारत ने यशस्वी के शतक से दूसरी पारी में 396 रन बनाए और इंग्लैंड को जीत के लिए 374 रनों का लक्ष्य दिया। भारत की ओर से यशस्वी जायसवाल और आकाश दीप ने 107 रनों की अच्छी साझेदारी निभाई। यशस्वी ने 118 रन बनाए, जबकि आकाश दीप 66 रन बना सके। वहीं, रवींद्र जडेजा ने 53 और वाशिंगटन सुंदर ने 53 रन बनाए।

इंग्लैंड को जीत के लिए 374 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए जैक क्रॉली (14) और बेन डकेट (54) के बीच पहले विकेट के लिए 50 रन की साझेदारी हुई। कप्तान ओली पोप (27) जब आउट हुए, उस समय टीम ने तीन विकेट 106 रनों पर खो दिये। यहां से जो रूट ने हैरी ब्रूक के साथ 195 रन जोड़ते हुए टीम को जीत के करीब ला दिया। रूट ने 105 रन बनाए, जबकि ब्रूक ने 111 रन की पारी खेली। अंतिम दिन इंग्लैंड को जीत के लिए 35 रन की जरुर पर पूरी टीम 347 के स्कोर पर जेमी स्मिथ का विकेट निकालने के बाद 367 रन पर सिमट गयी।

वहीं चौथे दिन इससे पहले हैरी ब्रुक 111 रन और जो रूट 105 रन) की शतकीय पारियों के बाद दिन के आखिरी सत्र में प्रसिद्ध कृष्णा 109 रन पर तीन विकेट और मोहम्मद सिराज 95 रन पर दो विकेट की शानदार गेंदबाजी से रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया है। जीत कलिए रिकॉर्ड 374 रन का पीछा करते हुए मेजबान टीम चौथे दिन का खेल खत्म होने तक छह विकेट पर 339 रन बना पायी।

दिन के आखिरी सत्र में अंपायरों ने लाइट मीटर से प्राकृतिक रोशनी को मापने के बाद खेल को रोकने का इशारा किया। खिलाड़ियों के मैदान से बाहर निकलने के कुछ ही देर बाद तेज बारिश होने लगी और मैदानकर्मियों को पिच को कवर से ढकना पड़ा। इस समय जैमी स्मिथ दो रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे जबकि जैमी ओवरटन ने खाता नहीं खोला था। अंपायरों ने शाम के छह बजे (स्थानीय समय) दिन का खेल खत्म होने की घोषणा कर दी। भारतीय गेंदबाजों ने दिन की शुरुआत में अच्छी गेंदबाजी की लेकिन हैरी ब्रुक ने क्रीज पर आते ही आक्रामक बल्लेबाजी कर उन पर दबाव बना दिया।

ब्रुक ने कृष्णा की गेंद पर मोहम्मद सिराज से 19 रन पर मिले जीवनदान का फायदा उठाते हुए अपनी आक्रामक पारी में 14 चौके और दो छक्के जड़ने के अलावा रूट के साथ तीसरे विकेट के लिए 195 रन की साझेदारी से अपनी टीम को मैच

में वापसी करायी। रूट भी दिन के आखिरी सत्र में श्रृंखला में लगातार तीसरा शतक पूरा कर सबसे ज्यादा शतक लगाने वालों की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गए।

इस सीरीज का पहला मैच मेजबान टीम ने जीता था। वहीं दूसर टेस्ट भारत ने जीतकर सीरीज में वापसी की तीसरा टेस्ट जीतकर इंग्लैंड ने बढ़त ली पर चौथा टेस्ट ड्रॉ रहा । भारतीय टीम ने अंतिम टेस्ट जीतकर सीरीज बराकर कर दी।

शंघाई में इंग्लैंड के कायरन विल्सन स्नूकर शंघाई मास्टर्स जीतने के बाद ट्रॉफी उठाये हुए।

रूट घरेलू धरती पर सबसे अधिक टेस्ट शतक लगाने वाले क्रिकेटर बने

ओवल (ईएमएस)। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट में शतक लगाने के साथ ही एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम किया है। रुट ने दूसरी पारी में 152 गेंदों में 12 चौकों की सहायता से 105 रन बनाये। यह रूट के टेस्ट करियर का 39वां शतक है। इसी के साथ ही रूट घरेलू धरती पर सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने वाले क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने इंग्लैंड में 24वां टेस्ट शतक लगाकर शीर्ष पर पहुंच गये। रूट ने इस शतक के साथ ही श्रीलंका के पूर्व बल्लेबाज महेला जयवर्धने, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग और साउथ अफ्रीका के पूर्व ऑलराउंडर जैक्स कैलिस का रिकार्ड तोड़ा। इन तीनों ने ही अपने धरती पर टेस्ट क्रिकेट में 23-23 शतक लगाये हैं।

रूट ने इसके अलावा श्रीलंका के पूर्व दिग्गज विकेटकीपर-बल्लेबाज कुमार संगकारा को भी पीछे छोड़ा है। संगकारा इससे पहले टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले ले खिलाड़ियों की सूची में चौथे स्थान पर थे लेकर अब वह पांचवें स्थान पर फिसल गये हैं। संगकारा ने कुल 38 टेस्ट शतक लगाए थे। टेस्ट में सबसे अधिक शतक का रिकॉर्ड महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम 51 शतक का है। उसके बाद जैक कैलिस के नाम 45 और पोंटिंग के नाम 41 शतक हैं। रूट ने इसके अलावा भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ की बराबरी की है। रूट और स्मिथ ने भारत के सामने 16-16 शतक लगाये हैं। रूट ने भारत के खिलाफ 13 टेस्ट शतक लगाये हैं। वह एक टीम के खिलाफ सबसे अधिक टेस्ट शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। अब तक केवल भारतय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर के नाम ही ये रिकार्ड था। गावस्कर ने वेस्टइंडीज के विरुद्ध 13 टेस्ट शतक जड़े थे। वहीं ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज डॉन ब्रैडमैन के नाम सबसे अधिक 19 शतक हैं जो उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ लगाये थे।

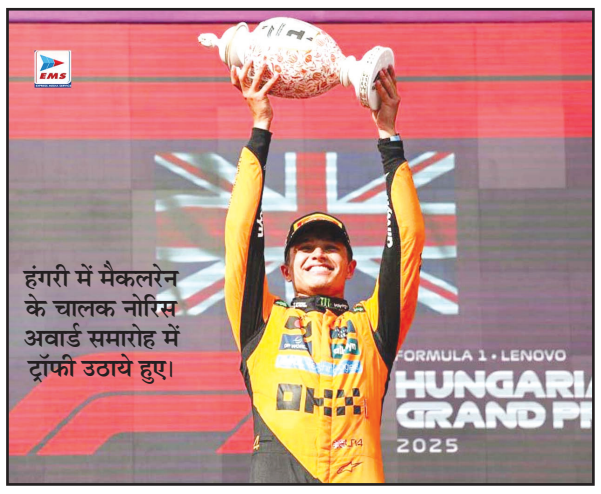

हंगरी में मैकलरेन के चालक नोरिस अवार्ड समारोह में ट्रॉफी उठाये हुए।

हैरी ब्रूक ने बनाया रिकार्ड

ओवल (ईएमएस)। इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने भारत के खिलाफ पांचवें क्रिकेट टेस्ट मैच में तेजी से एक शतक लगा दिया। हैरी ने 91 गेंदों में ही ये शतक लगाया। इस प्रकार वह भारतीय टीम के खिलाफ सबसे तेज टेस्ट शतक लगाने वाले अपने देश के तीसरे बल्लेबाज बने हैं। भारतीय टीम के खिलाफ सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के ही जेमी स्मिथ के नाम है। उन्होंने बर्मिंघम में 80 गेंदों में ही शतक लगा दिया था। वहीं दूसरे नंबर पर बेन डकेट हैं, उन्होंने 88 गेंद में ये कारनामा किया है। हैरी ने जारी सीरीज में 5 मैचों की नौ पारियों में 53.44 के औसत से कुल 481 रन बनाए हैं। उन्होंने सीरीज में दो शतक और इतने ही अर्धशतक लगाए हैं। ब्रूक ने 98 गेंदों में 111 रन की आक्रामक पारी खेली। हैरी ने अपनी 50वीं टेस्ट पारी में 10वां टेस्ट शतक लगाया। इसके साथ ही वह 1955 के बाद 50 या उससे कम पारियों में अपना 10वां शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। गौरतलब है कि वेस्टइंडीज के क्लाइड वॉलकॉट ने साल 1955 में 47 पारियों में 10 शतक लगाए थे।

न्यूजीलैंड ने नाथन स्मिथ की जगह फॉल्क्स को शामिल किया

बुलावायो (ईएमएस)। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर नाथन स्मिथ चोटिल होने के कारण जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट सीरीज के शेष मैचों से बाहर हो गए हैं। स्मिथ को पहले टेस्ट के दूसरे ही दिन बल्लेबाजी करते हुए पेट में चोट लग गयी थी। जांच में उनके पेट में खिंचाव की बात सामने आयी है। इसे ठीक होने में करीब दो से चार सप्ताह लगेंगे। ऐसे में नाथन स्मिथ की जगह पर जैक फॉल्क्स को टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा है कि विल ओरूर्के के कवर के तौर पर बेन लिस्टर को भी बुलाया गया है, ओरूर्के को तीसरे दिन पीठ में अकड़न आई थी।

वहीं बल्लेबाजी ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स को दाहिनी कमर में चोट लगने के बाद जिम्बाब्वे दौरे से हटा दिया गया था। फिलिप्स टी20I और टेस्ट सीरीज दोनों में ही शामिल थे। उन्हें मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) फाइनल के दौरान चोट लगी थी और जिम्बाब्वे पहुंचने पर उनकी जांच की गई, जहां यह निर्धारित किया गया कि उन्हें पुनर्वास के लिए कई हफ्तों की आवश्यकता होगी।

वहीं एमएलसी फाइनल में शामिल खिलाड़ियों के कवर के तौर पर टीम में शामिल हुए टिम रॉबिन्सन टी20 त्रिकोणीय सीरीज के बाकी मैचों के लिए टीम के साथ रहे, और उनके स्थान पर एक खिलाड़ी को टेस्ट टीम में भी शामिल किया गया। न्यूजीलैंड ने पहले टेस्ट में जिम्बाब्वे को तीसरे दिन ही हरा दिया था। इस प्रकार कीवी टीम सीरीज में 1-0 से आगे है।

पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज को 13 रनों से हराकर टी20 सीरीज जीती

फ्लोरिडा(ईएमएस)। पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज को तीसरे टी20 मैच में 13 रनों से हराकर तीन मैचों की टी20 सीरीज 2-1 से जीत ली है। तीसरे मैच में पाक ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 189 रन बनाए। फरहान ने 74 रन जबकि सईम अयूब ने 66 रन बनाये। वहीं विरोधी टीम की ओर से जेसन होल्डर, रोस्टन चेज और शमर जोसेफ ने 1-1 विकेट लिए।

इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की टीम छह विकेट पर 176 रन ही बना पायी। टीम की ओर से एलिक एथनाज ने 60 रन जबकि शेरफन रदफोर्ड ने 51 रन बनाए पर अपनी टीम को लक्ष्य तक नहीं पहुंचा सके। पाक की ओर से हसन अली, मोहम्मद नवाज, हारिस रऊफ, सईम अयूब और सुफियान मुकीम ने एक-एक विकेट लिया।

वेस्टइंडीज को सातवीं टी20 सीरीज में हराया

पाकिस्तान ने साल 2011 में वेस्टइंडीज का दौरा किया था जिसमें उसे हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद साल 2013 में पाकिस्तान ने इस टीम के विरुद्ध सीरीज के दोनों ही मैच जीत लिए थे। साल 2016/17 में पाकिस्तान ने तीन मुकाबलों की टी20 सीरीज में 3-0 से सभी मैच जीत थे जबकि जबकि साल 2017 में सीरीज 3-1 से अपने नाम की। पाकिस्तान की टीम ने साल 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 3-0 से सीरीज जीती थी। साल 2021 में टी20 सीरीज चार मुकाबलों की थी पर तब दो मैचों के परिणाम नहीं निकले। वहीं बचे हुए एममात्र मैच को पाक ने सात रन से जीतकर सीरीज पर 1-0 से कब्जा कर लिया था। वहीं साल 2021 और 2022 में पाक ने अपनी धरती पर वेस्टइंडीज को 3-0 से हराया था। इसके बाद अमेरिका में उसने पाकिस्तान को 2-1 से हराकर लगातार सातवीं टी20 सीरीज जीत ली है।

मोर्केल ने कृष्णा को जादुई गेंदबाज कहा

ओवल (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्केल ने युवा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह एक ऐसे गेंदबाज हैं जो जादुई गेंदें फेंकते हैं। इसलिए उन्हें लंबे समय तक के लिए टीम में अवसर दिये जाने की जरुरत है। मोर्केल ने इसलिए कृष्णा को जादुई गेंदबाज कहा है क्योंकि चौथे दिन एक समय मेजबान टीम ने 374 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 3 विकेट पर 301 रन बना लिए थे पर इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने 3 विकेट लिए। मोर्केल ने प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज की जमकर तारीफ की। साथ ही कहा कि कृष्णा का भी इस दौरे पर आत्मविश्वास लौटा है। अगर पहले टेस्ट मैच से आज तक देखें, उसकी निरंतरता, उसकी लाइन-लेंथ में काफी सुधार हुआ है. मुझे विश्वास है कि वह भारत के लिए बहुत अच्छा टेस्ट गेंदबाज बन सकता है।'

मोर्ने मोर्केल ने कहा, 'उसे केवल थोड़े समय और आत्मविश्वास की जरूरत है। फिर तो वह हर स्पेल में ऐसा खिलाड़ी है जो आपके लिए अतिरिक्त उछाल और गति के साथ जादुई गेंदें करने जा सकता है।'

बुमराह वर्कलोड नहीं, चोटिल होने के कारण पांचवे टेस्ट से बाहर रहे

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बारे में कहा जा रहा था कि वह कार्यभर प्रबंधन (वर्कलोड मैनेजमेंट) के कारण पांचवे टेस्ट में शामिल नहीं हुए। वहीं अब एक रिपोर्ट में बुमराह के नहीं खेलने का कारण सामने आया है। इस रिपोर्ट में बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, बुमराह घुटने की चोट से जूझ रहे हैं। अच्छी बात यह है कि यह कोई बड़ी चोट नहीं है और इसके लिए सर्जरी की जरूरत नहीं पड़ेगी। बीसीसीआई की मेडिकल टीम फिलहाल उनकी स्कैन रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। बुमराह के बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में अपना रिहैबिलिटेशन शुरू करने की उम्मीद है। 5वां टेस्ट मैच न खेल पाने के बाद भी बुमराह ने सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया और तीन मैचों में 26.00 की औसत से 14 विकेट लिए, जिसमें दो बार पारी में पांच विकेट भी शामिल हैं। ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथे टेस्ट में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। इससे सीरीज से पहले ही मुख्य अजीत अगरकर ने कहा था कि बुमराह सीरीज में तीन टेस्ट ही खेलेंगे। इसी कारण प्रशंसकों को लग रहा था कि बुमराह वर्कलोड के कारण आराम दिया गया है। वहीं अब सामने आया है कि बुमराह वर्कलोड नहीं बल्कि चोट के चलते अंतिम टेस्ट से बाहर रहे। 5वें टेस्ट में हिस्सा ना लेने के कारण ही बीसीसीआई ने 31 जुलाई को जसप्रीत बुमराह को टेस्ट दल से रिलीज करने की जानकारी दी। बीसीसीआई ने लिखा, 'बुमराह को इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के पांचवें टेस्ट के लिए भारतीय टीम से रिलीज कर दिया गया है।' हालांकि इसमें कहीं भी उनकी चोट की जानकारी नहीं दी गयी।

विराट की वापसी चाहते हैं थरुर

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर भी क्रिकेट प्रशंसक हैं और उन्हें भी अन्य प्रशंसकों की तरह ही इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज देखकर अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की कमी महसूस हो रही है। थरूर ने सोशल मीडिया पर लिखा, मुझे इस सीरीज के दौरान कई बार विराट की कमी का अनुभव हुआ। साथ ही कहा कि अंतिम टेस्ट मैच में उनकी कमी का सबसे ज्यादा पता चला। उनका धैर्य और जोश, मैदान पर उनकी प्रेरणादायक उपस्थिति, उनकी शानदार बल्लेबाजी से परिणाम पर काफी प्रभाव पड़ता है। साथ ही कहा कि विराट की जरुरत टीम को अब भी है। इससे साफ है कि अन्य प्रशंसकों की तरह ही थरूर भी चाहते हैं कि विराट वापसी करें। विराट ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज शुरू होने से ठीक पहले ही इस प्रारुप से संन्यास ले लिया था। विराट के संन्यास से प्रशंसक इसलिए भी हैरान हुए क्योंकि उनकी फिटनेस अच्छी है। टी20 से उन्होंने पहले ही संन्यास ले लिया था। ऐसे में माना जा रहा था कि वह 2027 तक एकदिवसीय के साथ ही टेस्ट भी खेलेंगे पर उन्होंने अचानक ही टेस्ट से संन्यास ले लिया। कोहली पिछले एक दशक से भारतीय बल्लेबाजी का मुख्य आधार रहे हैं। ऐसे में उनकी कमी होना लाजिम है। विराट ने 123 टेस्ट मैचों की 210 पारियों में 30 शतक और 7 दोहरे शतक लगाये हैं।

आईसीसी आर्थिक रूप से कमजोर क्रिकेट बोर्ड वाली टीमें पर भी ध्यान दे : गूच

भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच ही टेस्ट सीरीज होने से नीरसता आयेगी

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर ग्राहम गूच का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को टेस्ट क्रिकेट का अस्तित्व बचाने के लिए उसपर ध्यान देना चाहिये। गूच के अनुसार भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी बड़ी टीमों के ही आपस में ही अधिक खेलने से खेल में नीरसता आयेगी। वहीं वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड जैसे आर्थिक रूप से कमजोर क्रिकेट बोर्ड वाली टीमें केवल दो या तीन मैच की सीरीज में ही भाग लेती हैं। ऐसे में आईसीसी को इन देशों के साथ भी अधिक टेस्ट सीरीज आयोजित करने पर विचार करना चाहिये। गूच ने कहा, ''मुझे लगता है कि आईसीसी को टेस्ट क्रिकेट पर ध्यान देने की जरूरत है और यह देखने की जरूरत है कि वे आर्थिक रूप से कमजोर देशों की कैसे सहायता की जा सकती है। मैं छोटे देशों की बात नहीं कर रहा बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर देशों की बात कर रहा हूं।'' गूच ने कहा, ''अगर आपको टेस्ट क्रिकेट को बचाए रखना है तो आप केवल तीन टीम के बीच नहीं खेल सकते। ऐसे में अगर न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका जैसी टीमें कम टेस्ट क्रिकेट खेलेंगी तो किसी के पास खेलने के लिए कोई नहीं होगा। इसलिए उन्हें खेल में सहयोग की जरुरत है' भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैच की सीरीज में कड़े मुकाबले हुए हैं।

झारखंड के कृष्णा टाना को मिली अंडर 16 भारतीय क्रिकेट टीम में जगह

गुमला (ईएमएस)। बिहार के वैभव सूर्यवंशी की तरह ही अब झारखंड से एक उभरता क्रिकेट सितारा सामने आया है। गुमला में 8वीं कक्षा में पढ़ने वाले कृष्णा टाना भगत का चयन अंडर 16 भारतीय क्रिकेट टीम में हुआ है। कृष्णा के चयन से उनके परिवार और स्कूल में खुशी का माहौल है। कृष्णा को बचपन से ही क्रिकेट का गहरा लगाव रहा है। उसके माता-पिता ने भी उसे क्रिकेट खेलने के लिए प्रोत्साहित किया है। कृष्णा सिसई प्रखंड के नगर सिसकारी गांव का रहने वाला है, हालांकि अभी उसका परिवार हिमाचल प्रदेश में रहता है।

कृष्णा का दिसंबर 2024 में रांची में ट्रायल के दौरान भारतीय अंडर 16 क्रिकेट टीम में बल्लेबाज के रूप में चयन हुआ है। कृष्णा ने कहा कि अंडर 16 भारतीय क्रिकेट टीम में चयनित होने पर वह बेहद खुश है। वह रोजाना 30 किमी सफर तय करके स्कूल जाने के साथ ही क्रिकेट का अभ्यास करता है। कृष्णा ने अपने चयन का श्रेय अपनी मेहनत, माता-पिता और कोच को दिया है। साथ ही कहा कि उनके पिता ने कभी खेलने से नहीं रोका। कृष्णा के चयन से स्कूल में भी खुशी का माहौल है, शिक्षकों सहित सभी ने उसे बेहतर भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई है कि वह आने वाले समय में बेहतर क्रिकेटर बनकर उभरेगा।

सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में फेंकी 1000 से अधिक गेंदें

ओवल (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में लगातार सभी पांच टेस्ट मैचों में खेलकर सबसे अधिक गेंद फैंकने का रिकार्ड भी बनाया है। सिराज ने एक भी मैच में आराम नहीं मांग और ही काम के बोझ की बात कही। इसी कारण वह सीरीज में सबसे अधिक 20 विकेट लेने के साथ-साथ सबसे ज्यादा गेंदें डालने वाले गेंदबाज भी बन गए हैं। इस सीरीज में सिराज ने 1000 से अधिक गेंदें फेंकी हैं।

अभी तक खेले 5 टेस्ट मैचों में सिराज ने 1088 गेंदें फेंकी हैं। इस दौरान उन्होंने 36.85 की औसत के साथ 737 रन देकर 20 विकेट लिए हैं। सिराज के अलावा इस सीरीज में गेंदबाज इंग्लैंड के क्रिस वोक्स ने भी 1000 से अधिक गेंदें फेंकी हैं। भारतीय क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ है। सिराज एक टेस्ट सीरीज में 1000 से अधिक गेंदें फेंकने वाले 28वें भारतीय तेज गेंदबाज बने हैं। वहीं चार साल बाद कोई भारतीय गेंदबाज ऐसा करने में सफल रहा है। अंतिम बार यह रिकार्ड जसप्रीत बुमराह ने साल 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ बनाया। सिराज एक टेस्ट सीरीज में 1000 से अधिक गेंदें डालने वाले 8वें भारतीय तेज गेंदबाज बने हैं।भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में एक टेस्ट सीरीज में 1000 से अधिक गेंद डालने वाले तेज गेंदबाज लाला अमरनाथ थे, जिन्होंने 1947 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ये कारनामा किया था।

टोरंटो में एंड्रे रुबेलोव नेशनल बैंक ओपन टेनिस में रिटर्न शॉट लगाते हुए।

भारतीय जनता पार्टी धनबाद महानगर कमिटी ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर गहरा दुख प्रकट किया

धनबाद, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झामुमो के संस्थापक संरक्षक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर भारतीय जनता पार्टी धनबाद महानगर कमेटी ने गहरा दुख प्रकट किया।

भारतीय जनता पार्टी धनबाद महानगर के जिला अध्यक्ष सरवन राय ने कहा कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं जनजातीय अस्मिता के प्रतीक दिशोम गुरु श्रद्धेय शिबू सोरेन के निधन का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। जनजातीय समाज के अधिकारों व सम्मान की रक्षा के लिए उन्होंने जीवन भर संघर्ष किया। ईश्वर श्री चरणों में उन्हें स्थान प्रदान करें। गुरु जी का जाना बिहार और खासकर झारखंड के लिए बहुत बड़ी क्षति है। इस क्षति की पूर्ति नहीं की जा सकती है।शोक प्रकट करते हुए जिला महामंत्री,मानस प्रसून, धनेश्वर महतो एवं जिला मंत्री सह मीडिया संयोजक पंकज सिन्हा ने कहा कि, हम गुरु जी के संघर्षमय जीवन, सामाजिक न्याय के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और आदिवासी समुदाय के अधिकारों के लिए उनके योगदान को याद करते हुए गहरी संवेदना व्यक्त करते है। शिबू सोरेन का निधन पूरे देश विशेष कर झारखंड के लिए एक युगांतकारी क्षति है।

जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र हांसदा, महेश पासवान, शेखर सिंह एवं विष्णु त्रिपाठी ने कहा कि, शिबू सोरेन आदिवासी दलित एवं वंचित वर्गों की आवाज थे।उनका योगदान सदैव स्मरणीय एवं प्रेरणादायक रहेगा।

शोक प्रकट करने वालों में ध्रुभ हरि, अजय निषाद, राजकिशोर जैना, नरेंद्र त्रिवेदी, प्रियंका देवी, प्रदीप मंडल,अभिमन्यु कुमार, रीता यादव, योगेंद्र यादव, भाजयुमो अध्यक्ष नित्यानंद मंडल, ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम रंजन, किसान मोर्चा के अनिल सिन्हा, उचित महतो,आदी थे।

क्षेत्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में राजकमल के खिलाड़ियों ने परचम लहराया

बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल आवश्यक, सुमंत कुमार मिश्रा

धनबाद, विद्या भारती के तत्वावधान में बिहार के औरंगाबाद में क्षेत्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता दो एवं तीन अगस्त को आयोजित की गई जिसमें राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर के भैया बहनों ने काफी पदक प्राप्त किए। अंडर-19 में भैयाओं ने प्रथम तथा बहनों ने भी प्रथम एवं अंडर 14 में बहनों ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम बढ़ाया है।

विद्यालय के प्राचार्य सुमंत कुमार मिश्रा ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल आवश्यक है ,विशेष कर आज के दौर में खेल को अपने जीवन का अभिन्न अंग बना लेना चाहिए। इससे न केवल शारीरिक अपितु बौद्धिक क्षमता भी विकसित होती है। ज्ञात हो कि विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश के खुर्जा में 27 से 30 सितंबर तक आयोजित होने वाले राष्ट्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में विजेता भैया बहन भाग लेंगे। ज्ञात हो औरंगाबाद गई टीम का नेतृत्व आलोक चौधरी, अलीशा कुमारी एवं कुसुम साव ने किया।इस उपलब्धि पर विद्यालय के संरक्षक शंकर दयाल बुधिया, अध्यक्ष विनोद कुमार, उपाध्यक्ष रविंद्र कुमार पटनिया, सचिव संजीव अग्रवाल, सहसचिव दीपक रुइया ,कोषाध्यक्ष चंद्रशेखर अग्रवाल, प्राचार्य सुमंत कुमार मिश्रा, उप प्राचार्य मनोज कुमार, उप प्राचार्या लीला सिंह, प्रभारी प्रतिमा चौबे, कमलनयन, पार्थ सारथी सरकार, सुमोना दीक्षित एवं छंदा बनर्जी ने विजेता भैया बहनों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें बधाई दी है।

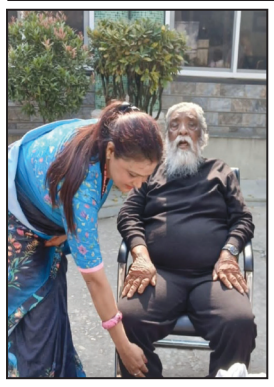

आज झारखण्ड की आत्मा रो रही है : डॉ नीलम मिश्रा

धनबाद । झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री, राज्यसभा सांसद, आदिवासी समाज के महान प्रहरी, और झारखंडी माटी के सच्चे सपूत दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के निधन ने मन को झकझोर कर रख दिया है।यह न सिर्फ एक राजनेता का निधन है, यह एक युग का अंत है ।हम सब उनकी विचारधारा को, उनके संघर्षों को, उनकी विरासत को याद रखते हुए प्रण करते हैं कि "दिशोम गुरु का सपना, सशक्त और आत्मनिर्भर झारखण्ड" को हम साकार करेंगे। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी को एवं समस्त परिवार और उनके चाहने वालों को यह आघात सहने की शक्ति दें।

झरिया विधायक रागिनी सिंह ने शिबू सोरेन के निधन पर गहरी संवेदनाएं प्रकट की

धनबाद । झारखंड के युगपुरुष,आदिवासी समाज के महान मार्गदर्शक एवं पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन की खबर सुनकर मर्माहत हुं। उनका निधन से न केवल झारखंड के लिए बल्कि समूचे देश के लिए एक अपूर्णीय क्षति है। शिबू सोरेन , जिन्हें पूरे झारखंड राज्य में 'दिशोम गुरु' के नाम से जाना जाता था। जिन्होंने अपना समस्त जीवन आदिवासी समाज की आवाज बुलंद करने का काम किया । उनका जीवन संघर्ष,त्याग और नेतृत्व हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा।उन्होंने झारखंड की अस्मिता,अधिकार और आत्मसम्मान के लिए जो योगदान दिया है,वह इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठों में अमर रहेगा ।

कोल कर्मी के शव को लेकर परिजन बीओसीपी माइंस पहुंचे, उत्पादन ठप

आश्रित को मिला प्रोविजनल नियोजन

बाघमारा। बीसीसीएल एकीकृत बीओसीपी माइंस के कर्मी ई.पी. फिटर मनोज कुमार रजक की इलाज के दौरान मृत्यु हो गयी। 29 जून को द्वितीय पाली में कार्यरत थे। अगले दिन विश्राम पर रहते हुए उनकी तबीयत बिगड़ने की सूचना माटीगढ़ डिस्पेन्सरी को दी गई। गंभीर अवस्था में उन्हें धनबाद ले जाया गया, बाद में बेहतर इलाज हेतु उन्हें कोलकाता के हॉस्पिटल रेफर किया गया, जहाँ उपचार के दौरान दिनांक 3 की रात बजे उनका निधन हो गया। 4 अगस्त को दिवंगत कर्मी के पार्थिव शरीर को लेकर परिजन बीओसीपी माइन के 14 नंबर हाजिरी घर के पास पहुंचे। श्रमिक संगठनों के नेता भी पहुंचे। आश्रित को नियोजन शीघ्र देने की मांग करने लगे। विरोध स्वरूप कोयला उत्पादन और सम्प्रेषण कार्य बंद कर दिया। परिजन दिवंगत कर्मी की आश्रित पत्नी के रूप में किरण देवी को नियोजन और अन्य देय राशियों की मांग को लेकर तत्काल निर्णय की मांग की।बारंबार आग्रह के बावजूद श्रमिक संगठनों के नेता और परिजन तत्काल नियोजन की मांग पर अड़े रहे। मामले की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्रीय और मुख्यालय स्तर के अधिकारियों को सूचना दी गई और विस्तृत चर्चा के बाद यह सहमति बनी कि श्रीमती किरण देवी को तत्काल औपबंधिक नियोजन दिया जाएगा। साथ ही अन्य देय राशियों जैसे बेनेवोलेंट फंड का भुगतान कंपनी के नियमानुसार तुरन्त किया जाएगा। स्थायी नियोजन हेतु प्रक्रिया।प्रबंधन द्वारा स्पष्ट किया गया कि स्थायी नियोजन हेतु विहित आवेदन और आवश्यक दस्तावेजों की प्रस्तुति किरण देवी को 60 दिनों के भीतर करनी होगी, जिसके आधार पर नियमानुसार नियोजन प्रक्रिया पूरी की जाएगी। यूनियन प्रतिनिधियों एवं मृतक के परिजनों ने प्रबंधन के प्रस्ताव पर सहमति जताई और परियोजना के कार्यों को सुचारू रूप से संचालित करने में सहयोग का आश्वासन दिया।

पुटकी अंचल द्वारा इंदिरा गांधी पेंशन योजना के तहत एक विशेष भौतिक सत्यापन शिविर का आयोजन

वृद्धा,विधवा, दिव्यांग,तीन सौ पेंशनधारियों का आधार कार्ड और मोबाइल नंबर संग्रहित किया गया

लोयाबाद।लोयाबाद नौ नंबर स्थित वार्ड आठ के निर्वतमान पार्षद महावीर पासी के आवसीय कार्यालय में पुटकी अंचल प्रशासन द्वारा इंदिरा गांधी पेंशन योजना के तहत एक विशेष भौतिक सत्यापन शिविर का आयोजन किया गया।इस शिविर में करीब 300 पेंशनधारियों ने अपना पेंशन सत्यापन कराया।पुटकी अंचल की कंप्यूटर ऑपरेटर सुनीता महतो ने बताया कि शिविर में वृद्धा,विधवा, एवं दिव्यांग, पेंशनधारियों का आधार कार्ड और मोबाइल नंबर संग्रहित किया गया।इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पेंशन का लाभ सही व जीवित व्यक्ति को ही मिले।उन्होंने कहा कि यह सर्वेक्षण लंबे अंतराल के बाद किया जा रहा है, ताकि पेंशन योजना में पारदर्शिता लाई जा सके और मृत अथवा अपात्र लोगों को मिलने वाला लाभ रोका जा सके।शिविर के दौरान स्थानीय निर्वतमान पार्षद महावीर पासी भी उपस्थित रहे और उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए लाभार्थियों को आवश्यक सहयोग प्रदान किया।

धनबाद जिला कांग्रेस के मीडिया चेयरमैन पप्पू कुमार तिवारी ने कहा शिबू सोरेन के निधन पर झारखंड राजनीतिक में एवं राज्य की अपूर्णिय क्षति हैं

धनबाद। झारखंड अलग राज्य के प्रणेता,दिसोम गुरु पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर श्रद्धांजलि देते हुए धनबाद जिला कांग्रेस के मीडिया चेयरमैन सह प्रवक्ता पप्पू कुमार तिवारी ने कहा कि शिबू सोरेन के निधन से झारखंड राजनीति में एवं राज्य की अपूर्णीय क्षति हुई है।

आगे उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन झारखंड की राजनीति में एक मजबूत स्तंभ थे ।आगे उन्होंने कहा कि झारखंड अलग राज्य के आंदोलन की आगाज को अंजाम तक पहुंचाते हुए झारखंड अलग राज्य के निर्माण में शिबू सोरेन का उल्लेखनीय योगदान रहा है। झारखंड वासियों के लिए एवं राज्य के विकास के लिए सदैव चिंतित रहने वाले एवं वंचित समाज के हक एवं अधिकारों के लिए वे सतत संघर्षील रहे,शिबू सोरेन अपनी अपनी राजनीतिक जीवन में अनगिनत संघर्ष किया । उन्होंने कोयला खदानों के बंधुआ मजदूरी और महजनी प्रथा को खत्म करने के लिए व्यापक आंदोलन किया । उन्होंने श्रमिकों को उनका हक एवं अधिकार दिलाने के लिए संघर्ष किया और झारखंड की आवाज को दिल्ली तक पहुंचाई ।उनके नेतृत्व क्षमता दूर दृष्टि और संघर्ष ने झारखंड आंदोलन को राष्ट्रीय पहचान दिलाई जिसका परिणाम 15 नवंबर 2000 को झारखंड राज्य के गठन के रूप में सामने आया । वे राज्यहित हित में सदैव संघर्षशील रहे और उन्होंने झारखंड राज्य के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाने का काम किया,आगे उन्होंने पूरे कांग्रेस परिवार की ओर से दिसोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर श्रद्धांजलि देते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए कामना किया ।

सेल ने आईएनएस अजय और आईएनएस निस्तार के लिए

इस्पात आपूर्ति कर, रक्षा आत्मनिर्भरता को मजबूत किया

बोकारो । भारत की सबसे बड़ी इस्पात उत्पादक कंपनी, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने भारतीय नौसेना के दो महत्वपूर्ण जहाजों, आईएनएस 'अजय' और आईएनएस 'निस्तार' के लिए विशेष इस्पात की आपूर्ति करके देश के रक्षा स्वदेशीकरण प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है. इन दोनों जहाजों में से आईएनएस 'अजय' को गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) द्वारा पिछले जुलाई महीने के दौरान लांच किया गया जबकि आईएनएस निस्तार को भी पिछले जुलाई महीने के दौरान ही हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड (एचएसएल) द्वारा कमीशन किया गया.

आईएनएस 'अजय' के लिए सेल ने ज़रूरत की पूरी डीएमआर ग्रेड स्टील प्लेट्स की आपूर्ति की है, जो इस उच्च-गुणवत्ता वाले इस्पात पोत की संरचनात्मक मजबूती और स्टील्थ क्षमताओं के लिए महत्वपूर्ण है. आईएनएस 'अजय' गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) द्वारा निर्मित आठवां और अंतिम स्वदेशी एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट (एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी) है.

इसी तरह से सेल ने हाल ही में कमीशन किए गए आईएनएस निस्तार के लिए विशेष ग्रेड प्लेट्स की जरूरत की पूरी मात्रा की सप्लाई की है. आईएनएस निस्तार भारत का पहला स्वदेशी रूप से डिज़ाइन और निर्मित डाइविंग सपोर्ट वेसल (DSV) है। हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा कमीशन की गई आईएनएस निस्तार, पनडुब्बी बचाव कार्यों, गहरे समुद्र में गोताखोरी और निरंतर गश्त में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है.

सेल, भारत की नौसैनिक शक्ति को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो राष्ट्रीय रक्षा लक्ष्यों के लिए कंपनी के रणनीतिक सहयोग को दिखाता है. यह 'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण में सेल की अभिन्न भूमिका को भी रेखांकित करता है. इस्पात के प्रत्येक टन के साथ, सेल भारत की समुद्री तत्परता और रक्षात्मक भरोसे की नींव को निरंतर सुदृढ़ कर रहा है.

"सिमेटिक पीसीएस-07 बेसिक" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो। मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में संयंत्र के विभिन्न विभागों के 15 कर्मचारियों के लिए "सिमेटिक पीसीएस-07 बेसिक" पर छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन आज दिनांक 04/08/2025 से 09/08/2025 तक के लिए किया जा रहा है. यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विशेष रूप से हॉट स्ट्रिप मिल तथा सी आर एम -III के रोलिंग के उपयोग में आने वाले नियंत्रण प्रणाली को समझने के अनुकूल डिज़ाइन किया गया है. कार्यक्रम मे मेसर्स सीमेंस लिमिटेड की वरीय और अनुभवी फैकल्टी सुश्री दर्शना शिर्के के सहयोग से प्रयोगात्मक ज्ञानवर्धन का भी प्रावधान है.कार्यक्रम के उदघाटन सत्र मे ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग की मुख्य महाप्रबंधक सुश्री नीता बा, एवम महाप्रबंधक श्री एस के भगत उपस्थित थे.

सर्वप्रथम श्री एस के डी भौमिक, कनीय प्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) ने सभी प्रतिभागियों तथा मुख्य अतिथियों का स्वागत किया तथा इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के संबंध में जानकारी दी. मुख्य महाप्रबंधक सुश्री नीता बा ने अपने सम्बोधन में स्टील प्लांट के लिये कार्यक्रम की उपयोगिता पर प्रकाश डाला तथा सभी प्रतिभगियो से इस कार्यक्रम से अधिकतम लाभ उठाने की अपील की.कार्यक्रम के आयोजन मे ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के वरीय ओपरेटिव श्री राकेश कुमार, नवनीत कुमार सिंह, कौशलेन्द्र प्रताप सिंह तथा वरीय इंस्ट्रक्टर श्री अर्जुन प्रसाद बाउरी का सराहनीय योगदान रहा.

चिरकुंडा नगर परिषद के नए कार्यपालक पदाधिकारी सुश्री प्रियंका कुमारी ने की पदभार ग्रहण

चिरकुंडा, (धनबाद), सुश्री प्रियंका कुमारी ने पद भार ग्रहण करते ही कही की इस इलाके में स्वच्छता होगी । प्राथमिकता चिरकुंडा नगर परिषद कार्यालय के सभागार में कार्यपालक पदाधिकारी विजय कुमार हांसदा का सोमवार को विदाई एवं नए कार्यपालक पदाधिकारी के रूप में सुश्री प्रियंका कुमारी ने किया पदभार ग्रहण किया । फूलो का गुलदस्ता देकर पूर्व कार्यपालक पदाधिकारी विजय कुमार हांसदा ने नए कार्यपालक पदाधिकारी का किया स्वागत किया । मौके पर नगर परिषद के सारे कर्मी मौजूद थे। उपस्थित चिरकुंडा नगर परिषद के वर्तमान उपाध्यक्ष, जयप्रकाश सिंह ने दोनों पदाधिकारी को प्रतिमा देकर किया सम्मानित किया । पदभार ग्रहण के बाद सुश्री प्रियंका कुमारी ने बताया कि हमारा पहली प्राथमिकता चिरकुंडा नगर परिषद क्षेत्र को साफ सफाई और स्वच्छ रखना यही हमारी पहली प्राथमिकता होगी, और जो भी विकास योजनाओं का कार्यलंबित है,उसे जल्द से जल्द पूरा करूंगी। वही नए वर्तमान उपाध्यक्ष,जयप्रकाश सिंह ने कहा कि आज झारखंड राज्य के लिए शोक का दिन है। पूर्व मुख्यमंत्री गुरु शिबू सोरेन का निधन हो गया है। जिसके कारण कार्यक्रम स्थगित करते हुए महज औपचारिक रूप से विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया। मुझे विश्वास है कि हमारे नए कार्यपालक पदाधिकारी सुश्री प्रियंका कुमारी नगर परिषद क्षेत्र में विकास के कार्यों में अपना अग्रिम भूमिका निभाएंगी ।

आईआईटी,आईएसएम, धनबाद के दीप्ति लेडीज़ क्लब के द्वारा, सावन उत्सव का भव्य आयोजन किया

धनबाद, आईआईटी, आईएसएम धनबाद के दीप्ति लेडीज़ क्लब के द्वारा, सावन उत्सव का भव्य आयोजन आईआईटी, आईएसएम के स्कोलोमिन क्लब में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता, दीप्ति लेडीज़ क्लब की अध्यक्ष, श्रीमती शकुंतला मिश्रा द्वारा की गई। इस अवसर पर कई एकल एवं समूह नृत्य, एकल गायन एवं अन्य रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

"हर हर महादेव" और "बोल बम" के नारों से पूरा लोयाबाद भक्तिमय वातावरण में डूब गया

सावन के अंतिम सोमवार पर क्षेत्र के सभी शिवालयों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी

भोलेनाथ की पूजा-अर्चना और जलाभिषेक के लिए मंदिरों में दिनभर भक्तों की लंबी कतारें देखी गईं

श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह एवं श्रद्धा के साथ विधिवत पूजा कर भगवान शिव से आशीर्वाद मांगा

लोयाबाद।"हर हर महादेव" और "बोल बम" के नारों से सोमवार को पूरा लोयाबाद भक्तिमय वातावरण में डूब गया।सावन के अंतिम सोमवार पर क्षेत्र के सभी शिवालयों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी।भोलेनाथ की पूजा-अर्चना और जलाभिषेक के लिए मंदिरों में दिनभर भक्तों की लंबी कतारें देखी गईं।श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह एवं श्रद्धा के साथ विधिवत पूजा कर भगवान शिव से आशीर्वाद मांगा।क्षेत्र के कई मंदिरों में शिवभक्तों द्वारा विशेष रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया,जिसमें भक्तों ने परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की।अंतिम सोमवार का विशेष महत्व।शिवभक्तों का मानना है कि सावन का सोमवार भगवान शिव को अर्पित होता है,लेकिन अंतिम सोमवार का विशेष महत्व होता है।इस दिन रुद्राभिषेक और जलाभिषेक से शिव अत्यंत प्रसन्न होते हैं और सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

भक्तों ने बताया कि इससे घर में सुख-शांति और सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।प्राचीन ठाकुरबाड़ी मंदिर में विशेष प्रसाद वितरण।लोयाबाद के सबसे प्राचीन मंदिर ठाकुरबाड़ी में चारों सावन सोमवार को विशेष आयोजन किए गए। मंदिर कमेटी द्वारा अंतिम सोमवार को भी विशेष प्रसाद तैयार कर श्रद्धालुओं के बीच वितरण किया गया। प्रसाद वितरण में स्थानीय समिति के सदस्य सक्रिय रूप से शामिल रहे और व्यवस्था को सुचारु रूप से संभाला।सावन की विदाई पर भावुक हुए भक्त।सावन के अंतिम सोमवार को लेकर शिवभक्तों में विशेष उत्साह के साथ-साथ थोड़ी भावुकता भी देखी गई।भक्तों ने कहा कि सावन का पावन महीना भक्ति और आस्था से भरपूर होता है, और हर सोमवार को भगवान शिव का अलग ही रूप देखने को मिलता है।

बाबा सिर्फ हमारे घर के मुखिया नहीं थे, वे हमारे जीवन के प्रकाश थे : सीता सोरेन

रांची(ईएमएस)।आदिवासियों के प्रणेता दिशोम गुरू शिबू सोरेन के निधान से हर ओर शोक की लहर है। झारखंड की राजनीति में भी आज सन्नाटा है। सभी पार्टियों के नेता शोक संतप्त हैं। गुरू जी की बड़ी बहु ने भी अपना दुख व्यक्त किया है।दिशोम गुरु शिबू सोरेन की बड़ी बहु सह पूर्व विधायक सीता सोरेन ने कहा है कि बाबा सिर्फ हमारे घर के मुखिया नहीं थे।वे हमारे जीवन के प्रकाश थे।हमारे अपने, हमारे मार्गदर्शक और हमारे सबसे बड़े सहारे।आज जब वो हमारे बीच नहीं हैं, तो ऐसा लग रहा है जैसे एक पूरा युग समाप्त हो गया हो।

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिये तकनीकी विशेषज्ञता, वित्तीय क्षमता एवं पर्याप्त अनुभव रखनेवाले ख्यातिलब्ध प्रतिष्ठानों/एजेंसियों/संवेदको "टू पैकेट बिड" पर ई–निविदायें आमंत्रित है।
1. बिड संख्या एवं दिनांक : e-tender Notice No. MC-04-OPEN-2025-26 दिनांक 01.08.2025.
2. कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि : आरडीएसओ विनिर्देश आरडीएसओ/एसपीएन/टीसी/106/2025, संस्करण 3.1 के अनुसार कोचों में आईपी आधारित विडियो निगरानी प्रणाली (वीएसएस) की आपूर्ति, स्थापना परीक्षण और कमीशनिंग। कार्य समापन अवधि – 6 महीने। 3. कार्य की अनुमानित लागत : ₹14,21,00,000.00 (चौदह करोड़ इक्कीस लाख रूपये) मात्र। 4. बयाना राशि : ₹8,60,500.00 (आठ लाख साठ हजार पांच सौ रूपये) मात्र। 5. ई–निविदा बंद होने की तारीख एवं समय : तारीख 22.08.2025 को 17:00 बजे। ई–निविदा खुलने की तारीख एवं समय : तारीख 23.08.2025 को 12:30 बजे। 6. वेबसाईट विवरण : https://www.ireps.gov.in ई–निविदा के तहद मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नही की जाएगी।

मंडल रेल प्रबंधक/
पूमरे/धनबाद

पीआर/0720/डीएचएन/ईएनएचएम/टी/25–26/36

आईएसएम धनबाद में "सतत खनन के लिए विद्युत सुरक्षा और एहतियाती रख-रखाव" पर पांच दिवसीय ईडीपी कार्यक्रम शुरु

धनबाद। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,भारतीय खनि विद्यापीठ, धनबाद के विद्युत अभियांत्रिकी विभाग द्वारा "सतत खनन के लिए विद्युत सुरक्षा एवं एहतियाती रख-रखाव" विषय पर पांच दिवसीय कार्यकारी विकास कार्यक्रम,ईडीपी का शुभारंभ आज सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया सेमिनार हॉल, अकादमिक परिसर में हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के निदेशक प्रो० सुकुमार मिश्रा ने किया। इस अवसर पर विद्युत अभियांत्रिकी विभागाध्यक्ष प्रो० सुकांता दास, कार्यक्रम के मुख्य अन्वेषक प्रो० निताई पाल तथा सह-अन्वेषक प्रो० प्रदीप कुमार साधु उपस्थित थे। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रो० सुकुमार मिश्रा ने कहा कि सस्टेनेबिलिटी सततता शब्द का अर्थ समय, स्थान और स्थिति के अनुसार बदलता रहा है। पहले इसका एक अलग संदर्भ था, लेकिन आज इसका दायरा और दृष्टिकोण बदल गया है। उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया भर के सभी देश संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्ध हैं, और खनन तथा पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखना बेहद जरूरी है।विभागाध्यक्ष प्रो० सुकांता दास ने बताया कि यह इस वर्ष विभाग द्वारा आयोजित दूसरा ईडीपी है, जबकि पिछले वर्ष कुल पाँच कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। उन्होंने कहा कि प्रतिभागियों को इस पांच दिवसीय कार्यक्रम के दौरान सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ प्रायोगिक अनुभव भी प्रदान किया जाएगा।कार्यक्रम के सह-अन्वेषक प्रो० प्रदीप कुमार साधु ने कहा कि यह ईडीपी ज्ञान विनिमय का एक बेहतर मंच है। सतत खनन के लिए एहतियाती रख-रखाव आवश्यक है, ताकि बड़े हादसों या आपदाओं को टाला जा सके।उन्होंने आगे बताया कि हर दिन शाम को प्रयोगशाला सत्र का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रतिभागियों को व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी दी जाएगी।प्रो० निताई पाल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों का आभार जताया और विशेष रूप से डीन कॉरपोरेट कम्युनिकेशन प्रो० रजनी सिंह एवं डीन एकेडेमिक्स प्रो० एम.के. सिंह का नाम लिया, जो उद्घाटन में उपस्थित नहीं हो सके l लेकिन बाद में तकनीकी सत्रों के दौरान कार्यक्रम में शामिल हुए। यह कार्यक्रम खनन क्षेत्र में विद्युत सुरक्षा और मशीनरी के रख-रखाव से जुड़ी विभिन्न आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। खानों में उत्पादन जितना जरूरी है, उतनी ही प्राथमिकता सुरक्षा को दी जाती है। इसीलिए मशीनों का नियमित और एहतियाती रख-रखाव उत्पादन के लिए एक तरह का टीका है। पांच दिनों के इस कार्यक्रम में खदानों में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था, माइनिंग स्विचगियर्स, सुरक्षा उपकरण, विद्युत झटके से सुरक्षा, उपकरणों की स्वास्थ्य निगरानी, खतरनाक दुर्घटनाओं के केस स्टडी, विद्युत सुरक्षा ऑडिट, लाइटनिंग से सुरक्षा, इमरजेंसी लाइटिंग एवं कम्युनिकेशन सिस्टम जैसी महत्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यान और व्यावहारिक सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। प्रतिभागियों को एक खनन उद्योग या शोध प्रयोगशाला का भ्रमण भी कराया जाएगा l ताकि वे व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर सकें।यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को सुरक्षा और दक्षता के साथ खनन संचालन के लिए आवश्यक जानकारी और कौशल प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भुईफोड़ मंदिर में भक्तों ने चौथी सोमवार को बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक कर प्राप्त किया आशीर्वाद

धनबाद। भारत सेवाश्रम संघ भुईफोड़ मंदिर धनबाद में सोमवार चार अगस्त को सावन का चौथे सोमवार का दिन बाबा भोलेनाथ के भक्तों की भारी भीड़ भुईफोड़ शिव मंदिर में भोले बाबा को जलाभिषेक कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

सुबह से ही भक्तजनों का भिड़ बाबा दर्शन के लिए उमड़ पड़ा। भारत सेवाश्रम संघ धनबाद शाखा अंतर्गत भूईफोड़ मंदिर में श्राबण महीने का आज चौथे सोमवार के अवसर पर भारत सेवाश्रम संघ धनबाद शाखा के स्वामी प्रयागआत्मानन्द महाराज के देख रेख में बाबा भक्त बिपिन सिंह द्वारा फूल से भोले बाबा का भव्य श्रृंगार किया गया । मंदिर के पुजारी अक्षय आचार्य, सुबोध पांडे तथा हिमांशु बनर्जी ने मंत्रोच्चारण के साथ बाबा की पूजा-अर्चना किया गया। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ आज सुबह से ही भारी संख्या मे श्रद्धालु भक्ति भाव के साथ जल अभिषेक, पूजा अर्चना कर भगवान महादेव का आशीर्वाद प्राप्त किया ।

धनबाद के पूर्व सांसद पशुपतिनाथ सिंह ने शिबू सोरेन के निधन पर गहरा दुख प्रकट किया

धनबाद, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर धनबाद के पूर्व सांसद, पशुपतिनाथ सिंह ने गहरा दुख प्रकट करते हुए कहा कि, समाचार अत्यंत दुःखद है।जनजातीय भाई बहनों और वंचितों के अधिकारों के लिए वे सदैव संघर्षरत रहे। अपने सरल, सहज व्यक्तित्व के लिए शिबू सोरेन आमजनों में काफी लोकप्रिय थे।शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूँ। ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि दिवंगत आत्मा को श्रीचरणों में स्थान दें और शोकमय परिवार व उनके प्रशंसकों को इस कठिन घड़ी में सम्बल प्रदान करें।

विधायक राज सिन्हा ने शिबू सोरेन के निधन पर गहरी संवेदनाएं व्यक्ति की

धनबाद, विधायक राज सिन्हा ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झामुमो के संस्थापक, संरक्षक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर गहरा दुख प्रकट किया है l श्री सिन्हा ने कहा कि यह एक युग का अंत है l दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से हमारे साथ उनके चाहने वाले कई लोग शोकाकुल है l शिबू सोरेन ने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र, झारखंड और विशेष कर आदिवासी समाज की सेवा में अर्पित कर दिया ।उनकी संघर्षशीलता, नेतृत्व क्षमता एवं जनसेवा की भावना हमें सदैव प्रेरणा देती रहेगी.ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें एवं परिवार एवं समस्त झारखंड वासियों को इस दुखद घड़ी में धैर्य और संबल प्रदान करें ।विधायक श्री सिन्हा ने कहा कि उन्होंने अपने संघर्षों से राजनीति में ऊंचा मुकाम हासिल किया ।वे दो बार केंद्रीय कोयला मंत्री और तीन बार झारखंड के मुख्यमंत्री रहे l 38 वर्षों तक झामुमो के केंद्रीय अध्यक्ष रहे ।बाद में वह संस्थापक संरक्षक बने l वर्ष 1995 में अलग झारखंड राज्य का पहला पड़ाव जैक का अध्यक्ष, शिबू सोरेन को ही बनाया गया था l यही वजह है कि गुरु जी की छवि झारखंड ही नहीं पूरे देश में एक जन नेता के तौर पर स्थापित थी l

सीएसआईआर, सीआईएमएपआर ने किया स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

धनबाद । सीएसआईआर, सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ माइनिंग एंड फ्यूल रिसर्च,सीएसआईआर-सीआईएमएपआर ने अपने कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और उनके जीवनसाथियों के लिए फेनोम इंडिया, सीएसआईआर हेल्थ कोहोर्ट नॉलेज बेस, पी-आई-चेक पहल के तहत आठ दिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया है।

ज्ञात हो की भारत भर के सभी 37 सीएसआईआर प्रयोगशालाओं में लागू यह प्रमुख पहल स्वस्थ भारत, विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए डेटा-आधारित स्वास्थ्य, वेलनेस और प्रिसिजन मेडिसिन को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखती है। इस स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन आज डॉ० अरविंद कुमार मिश्रा, निदेशक, सीएसआईआर-सीआईएमएपआर द्वारा किया गया। शिविर का आयोजन दो चरणों में होगा, 4 से 8 अगस्त तक बारवा रोड परिसर में तथा 9 से 11 अगस्त तक डीगवाडीह परिसर में। इस कार्यक्रम में लगभग 500 स्वयंसेवी प्रतिभागियों के शामिल होने की उम्मीद है।पी-आई-चेक कार्यक्रम का उद्देश्य आधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता, एआई और मशीन लर्निंग एमएल, तकनीकों को बड़े पैमाने पर स्वास्थ्य डेटा के साथ जोड़कर एक राष्ट्रीय स्वास्थ्य कोहोर्ट तैयार करना है। यह आधार भारतीय जनसंख्या के लिए विशेष रूप से तैयार प्रिसिजन मेडिसिन विकसित करने में सहायक होगा। एकत्रित आंकड़े विभिन्न बीमारियों के निदान और पूर्वानुमान बायोमार्कर खोजने में भी मदद करेंगे।उद्घाटन के बाद, डॉ० अरविंद कुमार मिश्रा ने शिविर में लगाए गए परीक्षण केंद्रों का निरीक्षण किया l साथ ही व्यवस्थाओं की समीक्षा की और पी-आई-चेक टीम व स्वयंसेवकों से बातचीत की। उन्होंने सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित किया और इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया। स्वास्थ्य परीक्षणों में कई प्रकार की जांच शामिल हैं, जिसमें, ट्रांजिएंट इलास्टोग्राफी, फाइब्रोस्कैन लिवर की जांच के लिए इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम,ईसीजी हृदय की जांच के लिए स्पाइरोमेट्री और ऑसिलोमेट्री, फेफड़ों की कार्यक्षमता की जांच के लिए बायोकेमिस्ट्री पैनल्स, लिवर फंक्शन टेस्ट एलएफटी, किडनी फंक्शन टेस्ट, केएफटी, कंप्लीट ब्लड काउंट, सीबीसी, और लिपिड प्रोफाइल,शामिल हैं इसके अलावे आहार संबंधी मूल्यांकन,आयुर्वेद विशेषज्ञों द्वारा प्रकृति मूल्यांकन,

इस शिविर का समन्वय डॉ० जय कृष्ण पांडेय, मुख्य वैज्ञानिक; डॉ० भानु पांडेय, वरिष्ठ वैज्ञानिक; डॉ० अशोक कुमार रमन, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी और डॉ० मानस कुमार सिंह, रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसर द्वारा किया जा रहा है। पूरा कार्यक्रम डॉ०अरविंद कुमार मिश्रा, निदेशक, सीएसआईआर-सीआईएमएपआर के मार्गदर्शन में और संरक्षण में संचालित किया जा रहा है।

चौथी सोमवारी पर भक्तों के बीच खीर प्रसाद वितरण कार्यक्रम शामिल हुए उदय प्रताप सिंह

धनबाद। श्रावण मास की चौथी सोमवारी के पावन अवसर पर यूथ फोर्स धनबाद के संस्थापक सह अध्यक्ष, अभिषेक विश्वकर्मा के नेतृत्व में पुनः मेमको मोड़ एयरपोर्ट शिव मंदिर प्रांगण में खीर प्रसाद वितरण कार्यक्रम का किया गया आयोजन l प्रसाद वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री राम सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह उपस्थित हुए। उदय प्रताप सिंह ने संगठन की प्रशंसा करते हुए कहा की हजारों श्रद्धालुओं के बीच खीर प्रसाद का वितरण कर संगठन ने सेवा और श्रद्धा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।आगे उन्होंने कहा की आज मन बहुत दुखी है, क्योंकि आज झारखंड के पीतामह दिशोम गुरु शिबू सोरेन हमारे बीच में नहीं रहे। मैं उनको हृदय से श्रद्धांजलि देकर ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं। कार्यक्रम में संगठन के अध्यक्ष, अभिषेक विश्वकर्मा, सचिव, शंकर प्रसाद पांडे,उपाध्यक्ष, वीरेंद्र सिंह , कोषाध्यक्ष, गौतम पटेल , कार्यकारी अध्यक्ष, शिवम विश्वकर्मा , संगठन महामंत्री, संजय यादव व शुभम शर्मा , महामंत्री - पिंकू साव व चिंकू कुमार , संगठन मंत्री, शुभम सिंह, संयुक्त मंत्री,मुकेश महतो, मंत्री, रूद्र राणा एवं सदस्य राजू विश्वकर्मा, अनुराग कुमार,विक्रम कुमार, आदित्य कुमार सहित अनेक लोग मौजूद थे।

पहला कदम स्कूल में दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर शोक सभा

धनबाद, नारायणी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित जगजीवन नगर स्थित दिव्यांग बच्चों के विशेष स्कूल पहला कदम में सोमवार को पहला कदम स्कूल परिवार शोक में डूबा हुआ है, झारखंड के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का निधन हो गया है। उनके निधन की खबर सुनकर पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई । शिबू सोरेन , जिन्हें गुरुजी के नाम से भी जाना जाता था, आदिवासी समाज की आवाज़ थे और उन्होंने झारखंड के विकास में महत्वपूर्ण

योगदान दिया। उन्होंने गरीबों, मजदूरों और वंचितों के लिए आजीवन संघर्ष किया। उनका जीवन एक प्रेरणा है। पहला कदम स्कूल के प्रांगण में एक शोक सभा का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के सभी शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं कर्मचारीगण मौजूद थे l

सभी ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

विद्यालय की सचिव अनीता अग्रवाल ने अपने श्रद्धांजलि संदेश में कहा शिबू सोरेन का निधन केवल झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनके आदर्श और योगदान हमें सदैव प्रेरणा देते रहेंगे।ईश्वर से प्रार्थना है कि वे दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और परिवारजनों को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करे l

कोर्ट नहीं संवाद से सूलझेगा मामला : न्यायाधीश

बिना मुकदमा बिना तनाव मध्यस्थता से मिलेगा न्याय : न्यायाधीश

राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान में अब तक कुल 281 वादों का हुआ निपटारा

धनबाद, नालसा द्वारा चलाई जा रही 90 दिवसीय राष्ट्र के लिए मध्यस्थता एक विशेष अभियान के तहत अब तक 281 विवादों का निपटारा सुलह समझौते के आधार पर कर दिया गया l यह अभियान 1 जुलाई 2025 से लेकर 30 सितंबर तक चलाई जाएगी। जिसकी समीक्षा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार धनबाद वीरेंद्र कुमार तिवारी के निर्देश पर अवर न्यायाधीश सह सचिव डालसा मयंक तुषार टोपनो द्वारा की गई l उन्होंने मध्यस्थता की विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की l जिसमें इस अभियान के तहत न्यायालय द्वारा अग्रसारित विभिन्न प्रकार के मामलों जिनमें वैवाहिक विवाद, दुर्घटना दावे, घरेलू हिंसा, चेक बाउंस, वाणिज्यिक विवाद, सेवा मामले, समझौता योग्य आपराधिक मामले, उपभोक्ता विवाद, ऋण वसूली, विभाजन, बेदखली, भूमि अधिग्रहण और मध्यस्थता योग्य दीवानी मामले शामिल हैं । सचिव, डालसा ने बताया कि विभिन्न न्यायालयों से मध्यस्थता के लिए 538 मामले मेडिएशन सेंटर में ले गए l जिसमें अबतक 281 मामलों का निपटारा किया गया ।

अभियान में, पक्षकारों की सुविधा के लिए, सप्ताह के सातों दिन मध्यस्थता निपटान के प्रयास किए जाएंगे, जो पूरी तरह से ऑफ़लाइन, ऑनलाइन या हाइब्रिड मोड में आयोजित की जा सकती है l जिसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ऑनलाइन मध्यस्थता की सुविधा प्रदान करेगा। साथ ही सभी मध्यस्थ से कहा गया कि आप सभी के द्वारा मध्यस्थता केंद्र धनबाद में वादी और प्रतिवादियों के सुविधा अनुसार सौहार्दपूर्ण वातावरण मुहैया करवाकर त्वरित न्याय दिलाने की परिकल्पना को सार्थक करना है ।

एकड़ा हरिजन बस्ती में एक बार फिर धरती धंसने की घटना आई सामने

गिरजा रविदास के आंगन में दो अलग-अलग स्थानों पर गहरे गोफ बन गए हैं,एक गोफ लगभग 4 फीट तो दूसरा करीब 5 फीट चौड़ा

गोफ से फिलहाल गैस का कोई रिसाव नहीं हो रहा है, लेकिन परिवार के सदस्यों के बीच डर का माहौल व्याप्त है

लोयाबाद।एकड़ा हरिजन बस्ती में रविवार आधी रात को एक बार फिर धरती धंसकने की घटना सामने आई है।स्थानीय निवासी गिरजा रविदास के आंगन में दो अलग-अलग स्थानों पर गहरे गोफ बन गए हैं।एक गोफ लगभग 4 फीट तो दूसरा करीब 5 फीट चौड़ा बताया जा रहा है।इनकी गहराई का सही अंदाजा अभी नहीं लगाया जा सका है।हालांकि गोफ से फिलहाल गैस का कोई रिसाव नहीं हो रहा है, लेकिन परिवार के सदस्यों के बीच डर का माहौल व्याप्त है।खासकर छोटे बच्चों की सुरक्षा को लेकर परिवारजन बेहद चिंतित हैं।बच्चों को आंगन में जाने से रोकना मुश्किल हो रहा है,जिससे किसी अनहोनी की आशंका बनी हुई है।पुनरावृत्ति की आशंका,पहले भी हुआ था हादसा। गौरतलब है कि इसी स्थान पर 16 सितंबर 2024 को भी गिरजा रविदास के आंगन और दरवाजे के सामने एक बड़ा गोफ बना था। तब पीड़ित परिवार ने खुद ही उसे भरकर किसी तरह स्थितियों को संभाला था। उस घटना के बाद से घर की दीवारों और फर्शों में लगातार दरारें बढ़ती जा रही हैं।परिवार के अनुसार हर कमरे में दरारें पड़ चुकी हैं,और वे दहशत में जीवन बिता रहे हैं।इस घर में छोटे बच्चों सहित करीब 25 से 26 लोग रहते हैं।प्रबंधन को नहीं दी गई सूचना, भरोसा नहीं बचा।घटना की सूचना अभी तक बीसीसीएल प्रबंधन को नहीं दी गई है।परिवार के सदस्य गुल्लू रविदास का कहना है कि सूचित करने से कोई लाभ नहीं होता।प्रबंधन की हमेशा एक ही बात होती है,रास्ता नहीं है,राहत वाहन कैसे जाएगा। उन्होंने बताया कि सितंबर 2024 की घटना के बाद बासदेवपुर कोलियरी प्रबंधन ने सिर्फ मापी और नंबरिंग की थी,लेकिन उसके बाद कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।ब्लास्टिंग को बताया कारण, विस्थापन की मांग।स्थानीय लोगों ने गोपालीचक आउटसोर्सिंग परियोजना द्वारा की जा रही हैवी ब्लास्टिंग को गोफ बनने का मुख्य कारण बताया है। ग्रामीणों का आरोप है कि बार-बार की ब्लास्टिंग से बस्ती के लगभग हर घर में दरारें आ गई हैं। कई घरों के दरवाजे ठीक से बंद नहीं होते,टिन के छप्पर फटने लगे हैं,और मकान लगातार नीचे धंसते जा रहे हैं।कोयला निकालकर जमीन खोखला कर दिया है।बड़े हादसे का इंतजार।ग्रामीणों का कहना है कि प्रबंधन शायद किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है,तभी पुनर्वास और विस्थापन की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जल्द से जल्द स्थायी समाधान की मांग की है।घटनास्थल पर मौजूद ग्रामीण। घटना के समय मौके पर गिरजा रविदास, गुल्लू रविदास, फेकनी देवी, सरस्वती देवी, सत्येन्द्र रविदास, निरंजन रविदास, भोला रविदास, संतोषी देवी सहित कई स्थानीय ग्रामीण उपस्थित थे।सभी ने एक स्वर में प्रशासन और बीसीसीएल प्रबंधन से अविलंब कार्रवाई की मांग की है।

कांग्रेस नेता सत्यदेव पाठक ने शिबू सोरेन के निधन पर किया शोक व्यक्त

धनबाद । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सत्यदेव पाठक ने शिबू सोरेन के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि आज झारखण्ड की आत्मा रो रही है । दिसोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से न केवल राजनीतिक क्षति हुई है बल्कि इनके साथ एक युग का अंत हो गया । शिबू सोरेन ने संघर्षों के आग में तप कर झारखण्ड को जन्म दिया था। उनका संपूर्ण जीवन सादगी, ईमानदारी और संघर्ष का मिशाल रहा । वे सत्ता में रहते हुए भी हमेशा धरती से जुड़े रहे । गरीब की चौखट, किसान का खेत, मजदूर का आंगन उनका असली दरबार था । मिट्टी की गंध से आदिवासी चेतना और झारखण्ड के आत्मसम्मान के संरक्षक थे । उनका पूरा जीवन संघर्ष की रेखाओं से लिखा हुआ वह ग्रंथ है जिसे पढ़कर लोगों ने बोलना, लड़ना और अधिकारों के लिए खड़ा होना सीखा ।

गुरपा स्टेशन पर जम्मू तवी कोलकाता एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर इसके ठहराव का किया गया का शुभारम्भ

धनबाद, मंत्री सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उधम, भारत सरकार सह सांसद, जीतन राम मांझी द्वारा गुरपा स्टेशन पर गाड़ी संख्या 13152 जम्मू तवी- कोलकाता एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर इसके ठहराव का शुभारम्भ किया गया l इस अवसर पर मंडल के अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण मौजूद थे l गाड़ी सं. 13151 कोलकाता- जम्मू तवी एक्सप्रेस 19.29 बजे गुरपा स्टेशन पहुंचेगी, तथा यहां से 19.31 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी एवं गाड़ी संख्या 13152 जम्मू तवी-कोलकाता एक्सप्रेस 7.16 बजे गुरपा स्टेशन पहुंचेगी तथा यहां से 17.18 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी | उक्त जानकारी हिंदी दैनिक अखबार के ब्यूरो चीफ, आर एन चौरसिया को मोहम्मद इकबाल,वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक, धनबाद एवं वरीय जनसंपर्क अधिकारी ने दी l

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, के. जी. आश्रम के नजदीक, भुईफोड़ मंदिर, गोसाईडीह, गोविन्दपुर रोड, धनबाद से मुद्रित एवं विनोद नगर, धनबाद (झारखण्ड)- 826001 से प्रकाशित आर. एन. आई. नं. - 58948/94, पो. रजि. -डी. एन. बी. /54 फोन नं. 0326-2310243, 9431507990 Fax N0. -0326-2310243 Email : koylanchal_dhn@rediffmail.com & koylanchal.hindi@gmail.com ▶ समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।